महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार)

वार्षिक प्रतिवेदन

2014-15

वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो. ऑ. जवासिया, उज्जैन (म.प्र.) 456006

दूरभाष : (0734) 2502266,2502254, फैक्स : (0734) 2502253

ई–मेल : msrvvpujn@gmail.com, वेबसाईट - www.msrvvp.nic.in

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार)

वार्षिक प्रतिवेदन : 2014-15

1. भूमिका

1.1. राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान की स्थापना मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग, भारत सरकार द्वारा जनवरी, 1987 में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के अन्तर्गत एक स्वायत्त संगठन के रूप में की गई थी। इसके उद्देश्य निम्नवत् हैं :

(क) वैदिक अध्ययन की मौखिक परम्परा का संरक्षण, संवर्धन तथा विकास।

(ख) पाठशालाओं के साथ अन्य साधनों तथा संस्थाओं के माध्यम से वेदों का अध्ययन एवं अध्यापन।

(ग) अनुसन्धान – सुविधाओं की सर्जना करना तथा प्रोत्साहन देना, जिससे वेदों में निहित ज्ञान के विपुल भण्डार को सम्मुख लाया जा सके और इसका तादात्म्य समसामयिक आवश्यकताओं के साथ स्थापित किया जा सके।

(घ) सूचना संकलित करने तथा सम्बन्धित सामग्री को समेकित करने के लिए मूलभूत सुविधाओं तथा अनुकूल परिस्थितियों का सृजन करना तथा विभिन्न साधनों के माध्यम से इनका प्रकाशन तथा प्रचार–प्रसार करना।

1.2. संस्थापना नियमावली में दिये गए उद्देश्यों का विवरण अनुबंध – 1 में संलग्न है।

1.3. मई, 1993 में उज्जैन स्थानान्तरित होने के अनन्तर प्रतिष्ठान का नाम "महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान" के रूप में परिवर्तित हो गया।

2. प्रतिष्ठान के प्राधिकरण

महासभा एवं शासी परिषद प्रतिष्ठान के प्राधिकरण हैं ।

2.1 इसकी संस्थापना – नियमावली तथा नियमों और विनियमों के अनुसार प्रतिष्ठान के कार्यकलापों के संचालन के लिये, विभिन्न शक्तियॉं और कृत्य इसकी महासभा तथा शासीपरिषद् में निहित हैं जो प्रतिष्ठान के प्राधिकरण हैं और जिनके अध्यक्ष भारत शासन के केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मन्त्री हैं। समय–समय पर प्रतिष्ठान की विस्तृत नीतियों और कार्यक्रमों की समीक्षा करने और इसमें संशोधन और विकास के लिये उपाय प्रस्तावित करने की सामान्य शक्ति इसकी महासभा में निहित है। शासीपरिषद् प्रतिष्ठान का मुख्य कार्यकारी निकाय है। यह इसके कार्यकलापों के सामान्य अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण के लिए उत्तरदायी हैं।

2.2 प्रतिष्ठान के नियमों में सम्पत्ति के प्रबन्ध तथा निवेश, वार्षिक बजट प्राक्कलनों तथा लेखों एवं व्यय के विवरण तैयार करने जैसे विषयों में परामर्श देने के लिए वित्त समिति का प्रावधान है, जिसकी अध्यक्षता उपाध्यक्ष करते हैं।

2.3 अपनी साधारण शक्तियों के अन्तर्गत, प्रतिष्ठान शैक्षिणिक परियोजनाओं और कार्यक्रमों पर विचार करने के लिए एक परियोजना-समिति गठित करता है, जिसके सदस्य वेद तथा सम्बन्धित विषयों के प्रख्यात विद्वद्गण होते हैं। परियोजना – समिति का वर्तमान संघटन अनुलग्नक – 2 में दिया गया है।

2.4 दिनांक 22-5-2010 को भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रतिष्ठान की महासभा, शासी परिषद् और वित्तसमिति का अगले पाँच वर्षों की अवधि के लिये पुनर्गठन किया गया था। इन निकायों का सरकार द्वारा दिनांक 22-5-2010 को यथाधिसूचित संघटन अनुलग्नक – 3 में दिया गया है। ये निकाय प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान कार्यरत रहे।

3. प्रतिष्ठान के अधिकारी

3.1 प्रतिष्ठान के नियमों में इसके प्रधान के रूप में एक अध्यक्ष का प्रावधान है जिसे पाँच वर्षों की अवधि के लिये भारत सरकार द्वारा नामित किया जाता है। वह महासभा तथा शासीपरिषद् की बैठकों की अध्यक्षता करते हैं। सम्प्रति माननीय केन्द्रीय मन्त्री, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार प्रतिष्ठान के अध्यक्ष हैं।

3.2 नियमों में एक उपाध्यक्ष का भी प्रावधान है, जिन्हें अध्यक्ष महोदय द्वारा नामित किया जाता है। उपाध्यक्ष को ऐसे कर्त्तव्यों का पालन करना तथा ऐसे कृत्यों को करने में अपनी शक्तियों का प्रयोग करना होता है, जैसा कि अध्यक्ष द्वारा साधारणतः या किसी व्यक्तिविशेष के मामले में उल्लेख किया जाए। प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा दिनांक 24.5.2010 से उपाध्यक्ष पद पर हैं।

3.3 प्रतिष्ठान के नियमों में इसके मुख्य शैक्षिक और कार्यकारी अधिकारी के रूप में एक पूर्णकालिक और वैतनिक सचिव का प्रावधान है। सचिव, प्रतिष्ठान के कार्यों की सामान्यतः देख-रेख करते हैं और उन पर नियन्त्रण रखते हैं तथा प्रतिष्ठान के सभी प्राधिकरणों के निर्णयों को लागू करते हैं।

3.4 प्रो. रूप किशोर शास्त्री प्रतिष्ठान के पूर्णकालिक सचिव पद पर भारत सरकार द्वारा नियुक्त होकर दिनांक 05.01.2011 से पदाध हैं।

4. अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण

4.1 अपनी आन्तरिक कार्याध्ययन इकाई की संस्तुतियों के अनुसरण में शिक्षा विभाग ने अपने दिनांक 14.08.98 के पत्र द्वारा प्रतिष्ठान के अन्तरिम संगठनात्मक ढाँचे के अंश के रूप में निदेशक, कार्यक्रम अधिकारी, अनुभाग अधिकारी और लेखाकार का एक-एक पद सृजन करने की स्वीकृति प्रदान की थी। सभी स्वीकृत पदों की भर्ती उपविधि को प्रतिष्ठान की शासी परिषद् द्वारा 21.02.2000 को हुई बैठक में

अनुमोदित किया गया। मंत्रालय ने इन पदों की नियुक्ति के सन्दर्भ में 06.10.2010 - SKTII दिनांक 13.01.2011 को अनुमति प्रदान की, जिसके अन्तर्गत निदेशक, कार्यक्रम अधिकारी, अनुभाग अधिकारी, लेखाकार और कनिष्ठ-आशुलिपिक के एक-एक पद पर नियुक्ति की जा चुकी है।

4.2 सम्प्रति स्वीकृत पद इस प्रकार हैं -

1. सचिव
2. निदेशक (प्रशासनिक/शैक्षणिक)
3. उपनिदेशक (प्रशासन एवं वित्त)
4. कार्यक्रम अधिकारी
5. लेखाधिकारी
6. अनुभाग अधिकारी
7. निजी सहायक
8. लेखाकार
9. कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक
10. सहायक (3)
11. वरिष्ठ आशुलिपिक
12. कनिष्ठ आशुलिपिक (2)
13. सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
14. उच्च श्रेणी लिपिक (2)
15. स्टाफ कार ड्राइवर
16. अवर श्रेणी लिपिक/टंकक (2)
17. पुस्तकालय परिचर
18. ग्रुप 'सी' श्रेणी कर्मचारी (5)
19. सफाई कर्मचारी

4.3 आलोच्य वर्ष में प्रतिष्ठान के शैक्षिक, प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्य, सदस्य-सचिव के अधीन किया जाता है। **सात संविदा दैनिक वेतन कर्मी** नियुक्त किये गये हैं।

5. मुख्यालय

5.1 प्रतिष्ठान का मुख्यालय प्राधिकरण भवन, भरतपुरी से नवनिर्मित प्रशासनिक भवन, चिन्तामण गणेश, वेदविद्या मार्ग, पोस्ट जवासिया, उज्जैन पर दिनांक 12.12.2012 से स्थानांतरित किया गया है।

5.2 भवनों के निर्माण तथा परिसर के विकास हेतु स्थायी वित्त समिति (एस.एफ.सी.) दिनांक 18.12.2007 को हुई बैठक में विचार किया गया एवं 25.02 करोड़ रुपये के प्राक्कलन की स्वीकृति प्रदान की गई। इस

आधार पर केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा विभिन्न भवन निर्माण के नक्शे प्रतिष्ठान को प्रस्तुत किये, जिसकी स्वीकृति प्रतिष्ठान द्वारा मार्च 2008 में प्रदान की गयी। भवनों के निर्माण तथा परिसर के विकास हेतु केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, इन्दौर वर्ष 2012–13 में प्रशासनिक भवन का निर्माण कर प्रतिष्ठान को प्रदान किया जा चुका है जिसमें वर्तमान कार्यालय स्थापित है।

6. प्रतिष्ठान की संग्रह-निधि

6.1 प्रतिष्ठान की स्थापना के समय सरकार ने परिकल्पना की थी कि 10 करोड़ रुपये की संग्रह निधि इसके अधिकार में रखी जायेगी, ताकि इसके निवेश से प्राप्त आवती आय को प्रतिष्ठान के विभिन्न कार्यकलापों और कार्यक्रमों के वित्त पोषण के लिए प्रयोग किया जा सके। इस प्रयोजन के लिये 1996–97 के अन्त तक सरकार द्वारा किश्तों में 10 करोड़ रुपये की कुल राशि प्रदान की गई।

6.2 वित्त–समिति की दिनांक 18–10–2001 को हुई बैठक में लिए गये निर्णय के अनुसार सामान्य निधि में सगृंहीत धनराशि रु. 10,51,44,931.74 को संग्रह निधि में सम्मिलित किया गया। वर्ष 2014–15 में प्रतिष्ठान के संग्रह निधि में कुल रु. 20,51,44,931.74 है।

7. नये कार्यक्रमों की स्वीकृति

7.1 दिनांक 24.11.1998 को हुई बैठक में भारत सरकार की स्थायी वित्त समिति ने प्रतिष्ठान की संग्रह–निधि को बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार किया था। विस्तृत चर्चा के पश्चात् समिति प्रतिष्ठान के लिये अधिक धनराशि की आवश्यकता के औचित्य से सन्तुष्ट हुई। यह भी अनुभव किया गया कि प्रतिष्ठान की संग्रह निधि में वृद्धि पूर्वत: संचालित कार्यक्रमों को जारी रखने के लिये, नये शैक्षणिक कार्यक्रमों को समाविष्ट करने के लिए तथा प्रतिष्ठान के उद्देश्यों के निष्पादन के लिये आवश्यक है।

7.2 स्थायी वित्त समिति ने निर्णय लिया कि प्रतिष्ठान की अतिरिक्त निधि की आवश्यकता को संग्रह निधि की वृद्धि के माध्यम के बजाए सरकार से वार्षिक बजट सम्बन्धी सहायता द्वारा प्रदान किया जाए। स्थायी वित्त समिति ने दृढ़तापूर्वक यह भी कहा कि निधि के अभाव में प्रतिष्ठान के कार्यकलापों एवं कार्यक्रमों को किसी प्रकार की क्षति नहीं होने दी जाएगी तथा बजट सम्बन्धी आवंटन का संरक्षण किया जायेगा। स्थायी वित्त समिति के निर्णयानुसार मंत्रालय ने प्रतिष्ठान को वर्ष 2014–15 के लिए 25.00 करोड़ रुपये की अनुदान राशि चालू कार्यक्रमों पर व्यय की स्वीकृति थी परन्तु अनुदान 24.00 करोड़ प्राप्त हुआ।

7.3 स्थायी वित्त समिति द्वारा नये शैक्षिक कार्यक्रमों को स्वीकार किया गया था उन्हें निम्नानुसार दिया गया है। प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान उनके कार्यान्वयन की स्थिति, जहाँ लागू होती है, प्रत्येक कार्यक्रम के नीचे कोष्ठक में दर्शायी गयी है :–

(1) वेदों की लुप्त होने वाली शाखाओं को बचाने के लिये विशेष गुरुकुलों को वित्तीय सहायता। (अ) त्रिचूर (केरल में सामवेद, जैमिनीय शाखा), (ब) बारिपदा, मयूरभंज (उड़ीसा) में अथर्ववेद

(पैप्पलाद शाखा) एवं (स) गुह्यपाल, सिंहभूमि (झारखण्ड) में अथर्ववेद (पैप्पलाद शाखा) में वित्तीय सहायता के लिये गुरुकुलों की पहचान की जा चुकी है। वर्तमान में इनको 'वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना' के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। अधिक विशेष गुरुकुलों की पहचान करने के लिये कार्यवाही जारी है। प्रतिष्ठान के प्रयास स्वरूप अब चित्रकूट (मध्यप्रदेश) तथा झारखण्ड, उड़ीसा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश में पैप्पलाद शाखा का अध्यापन कार्य निरन्तर प्रगति पर है।)

(2) श्रौतकर्म परम्परा का संरक्षण और इसका प्रलेखन। (वर्तमान में सोमयज्ञों के वीडियो/ऑडियो सी.डी., डी.वी.डी. का संग्रहण करना एवं अन्य यज्ञों/इष्टियों का निष्पादन/अन्य स्थानों पर गैर सरकारी संस्थाओं आदि द्वारा निष्पादित करने की कार्यवाही जारी है।

(3) दुर्लभ एवं अप्राप्त वेद संहिताओं, ब्राह्मणग्रन्थों तथा अन्य वैदिक साहित्य के संस्करण प्रकाशित करने के कार्यक्रम को कार्यान्वित करना। ('वेदविद्या' नामक षाण्मासिक शोध-पत्रिका का प्रकाशन निरन्तर जारी है।) अप्रैल 2012 से निरन्तर वेदवार्ता का प्रकाशन भी किया जा रहा है।

(4) 'घर बैठे वेदों की शिक्षा' पत्राचार पाठ्यक्रम का कार्यक्रम प्रवर्तित है। वर्ष 2013-14 से इसका अंग्रेजी संस्करण भी निकाल दिया गया है। इस योजना के अन्तर्गत जन-जन तक चारों वेद, वेदाङ्ग, ब्राह्मणग्रन्थ, आरण्यकग्रन्थ, उपनिषद्, भारतीय संस्कृति का स्वरूप एवं महत्त्व, भारतीय दर्शन शास्त्र आदि की जानकारी पहुँचाने के उद्देश्य से पाठ्यक्रम को चलाया जा रहा है।

7.4 प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान नये कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने के लिये परियोजना और/अथवा कार्यवाही हेतु योजना तैयार करना जारी रहा।

8. प्रतिष्ठान के प्राधिकरणों की बैठकें तथा महत्त्वपूर्ण निर्णय

8.1 प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान विभिन्न प्राधिकरणों और निकायों की नीचे दिये गये विवरणानुसार बैठकें सम्पन्न हुई :

महासभा	:	कोई बैठक आयोजित नहीं की गई ।
परियोजना-समिति	:	दो बैठक, 28 अप्रैल 2014 एवं 27 मई 2014
वित्त-समिति	:	दो बैठकें, 19 जुलाई 2014 एवं 26 फरवरी 2015
शासी-परिषद्	:	दो बैठकें, 22 सितम्बर 2014 एवं 26 फरवरी 2015
अनुदान-समिति	:	दो बैठकें, 22 सितम्बर 2014 एवं 30 मार्च 2015

8.2 उपर्युक्त प्राधिकरणों/निकायों द्वारा लिये गये महत्त्वपूर्ण निर्णय निम्नवत् हैं :

महासभा :

(1) कोई बैठक आयोजित नहीं हो सकी ।

परियोजना समिति :

(1) परियोजना समिति द्वारा वर्ष 2014–15 में होने वाले अखिल भारतीय एवं क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलनों की स्वीकृति प्रदान की गई।

(2) परियोजना समिति द्वारा वर्ष 2014–15 में होने वाली वैदिक संगोष्ठियों, वैदिक सम्मेलनों, वेदज्ञान सप्ताह, सबके लिए वैदिक कक्षाओं की स्वीकृति प्रदान की गई।

(3) परियोजना समिति द्वारा वैदिक शोध परियोजनाओं की स्वीकृति हेतु एक अनुसंधान समिति गठित की गई।

(4) परियोजना समिति द्वारा पुस्तकों के प्रकाशन हेतु प्रकाशन समिति गठित करने की संस्तुति की गयी ।

वित्त समिति :

(1) वर्ष 2014–15 के बजट को अनुमोदित किया गया।

(2) प्रतिष्ठान के वर्ष 2013–14 के लेखों पर महालेखाकार द्वारा जारी प्रमाण–पत्र की स्वीकृति प्रदान की गई।

शासी परिषद् :

प्रतिष्ठान के वर्ष 2013–14 के लेखों पर महालेखाकार द्वारा जारी प्रमाण–पत्र की स्वीकृति प्रदान की गई।

अनुदान समिति :

प्रतिष्ठान द्वारा संचालित विभिन्न वेद पाठशालाओं एवं गुरु–शिष्य परम्परा योजना के अन्तर्गत वर्ष 2014–15 के लिए वित्तीय सहायता राशि की स्वीकृति प्रदान की गई।

9. प्रवर्तमान कार्यक्रम और कार्यकलाप

9.0 प्रारम्भ से प्रतिष्ठान अपनी संस्थापना–नियमावली में प्रतिष्ठापित उद्देश्यों की उपलब्धि के लिये विभिन्न कार्यक्रमों और कार्यकलापों का सम्पादन करता रहा है। प्रतिवेदनाधीन वर्ष में प्रतिष्ठान द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम और कार्यकलाप अनुष्ठित किये गये :–

9.1 वैदिक संस्थाओं को वित्तीय सहायता

9.1.1 प्रतिष्ठान के उद्देश्यों में सारे देश में वैदिक पाठशालाओं, अनुसंधान केन्द्रों की स्थापना करना, उनका अधिग्रहण करना, उनका प्रबन्ध अथवा पर्यवेक्षण करना तथा प्रतिष्ठान के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उनका सम्पोषण करना तथा उन्हें संचालित करना है। इस प्रावधान के अन्तर्गत देश के विभिन्न वेद पाठशालाओं/विद्यालयों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

9.1.2 मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वैदिक शिक्षा की प्रोन्नति के लिये स्वैच्छिक संगठनों (वेद पाठशालाओं/विद्यालयों) को वित्तीय सहायता योजना को बजट आवण्टन के साथ प्रतिष्ठान को दिनांक 01.04.1994 से स्थानान्तरित किया गया। इस योजना के अन्तर्गत संगठनों / संस्थाओं / पाठशालाओं / विद्यालयों के अध्यापकों के मानदेय तथा छात्रों की छात्रवृत्ति के लिये सहायता-अनुदान दिया जाता है। अब नवीन वेद अध्यापक को 11000/- रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाता है। 5 वर्ष से अधिक अध्यापन अनुभव प्राप्त को 15000/- रुपये प्रतिमाह की दर से और 10 वर्ष से अधिक अध्यापन अनुभव प्राप्त वेदाध्यापकों को 17000/- रुपये प्रतिमाह की दर से मानदेय प्रदान किया जाता है।

9.1.3 एक वैदिक छात्र को 2000/- रुपये प्रतिमाह की दर से राशि दी जाती है, जिसमें से 1000/- रुपये प्रतिमाह प्रतिष्ठान द्वारा छात्र के लिये एक राष्ट्रीयकृत बैंक में नियत/आवर्ती जमा खाते में आस्थगितवृत्ति राशि के रूप में इस प्रयोजन के लिये प्रतिष्ठान द्वारा निर्धारित अनुदेशों के अनुसार जमा किया जाता है। प्रतिष्ठान द्वारा बैंक में रखी राशि सम्बन्धित छात्र को सफलतापूर्वक अध्ययन पूर्ण करने पर एक मुश्त प्रदान की जाती है। रुपये 1000/- की शेष राशि पाठशालाओं द्वारा छात्र के रख-रखाव के लिये उपयोग में लाई जाती है। पाठशाला के प्रबन्धन से अपेक्षा की जाती है कि वह छात्रों को उनके लिये निर्धारित पोषणमानक तक उचित भोजन आदि की व्यवस्था करें और इस प्रयोजन के लिये संसाधनों से भी आवश्यक निधि प्रदत्त करे। पाठशाला के प्रबन्धन से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वह छात्रों के रख-रखाव उपशीर्ष में छात्रों पर किये गये वास्तविक व्यय का प्रतिष्ठान द्वारा प्रदत्त सहायता-अनुदान के लिये उचित लेखे रखें तथा उसकी उपयोगिता सम्परीक्षक के प्रमाण-पत्र द्वारा प्रमाणित कर प्रेषित करें।

9.1.4 प्रतिवेदनाधीन वर्ष 2014-15, वेद पाठशालाओं के वेद अध्यापकों के मानदेय और छात्रों की छात्रवृत्ति, और 'वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाये रखने की योजना' में भाग लेने वाले स्वाध्यायी-अध्यापकों के मानदेय और छात्रों की छात्रवृत्ति से सम्बन्धित प्रवर्तमान परियोजनाओं पर व्यय तथा निर्माणाधीन परिसर के लिये मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने वर्ष 2014-15 में रु. 2,75,00,000 (2.75 करोड़) अनुदान प्रदान किया।

9.1.5 प्रतिष्ठान में प्रचलित प्रथा के अनुसार द्वारा वैदिक पाठशालाओं / विद्यालयों, उनके अध्यापकों व छात्रों से सम्बन्धित पूर्ण विवरण के साथ आवेदन पत्र आमन्त्रित किये गये। पाठशालाओं द्वारा भेजी गयी सूचनाओं की जाँच की गयी। विभिन्न शर्तों और अपेक्षाओं आदि के सम्बन्ध में सन्तुष्ट होने के पश्चात् विभिन्न पाठशालाओं को अनुदान दिया गया।

9.1.6 वर्ष 2014-15 के दौरान, 67 वेद पाठशालाओं/विद्यालयों के 407 अध्यापकों को मानदेय के रूप में 609.35 लाख रुपये तथा 3219 छात्रों के लिए 665.97 लाख रुपये वृत्ति राशि के रूप में दिये गये। आलोच्य वर्ष के दौरान पाठशालाओं/ विद्यालयों को कुल 1275.32 लाख रुपये का भुगतान किया गया।

9.1.7 वर्ष 2014–15 के दौरान, पूवीत्तर राज्यों में 4 वेद पाठशालाओं/इकाइयों के 21 अध्यापकों के मानदेय, 121 छात्रों की छात्रवृत्ति, वेद के प्रचार–प्रसार हेतु पूर्वोत्तर राज्यों में वेद सम्मेलन एवं वेद संगोष्ठियों का आयोजन किया गया जिस पर कुल रुपये 150 लाख व्यय किया गया।

9.1.8 वर्ष 2014–15 के दौरान जिन वेद पाठशालाओं/विद्यालयों को वित्तीय सहायता प्रदान की गयी, सहायता की धनराशि तथा जिस प्रयोजनार्थ सहायता राशि प्रदान की गयी, उसका विवरण अनुलग्नक 4 (अ) एवं 4 (ब) में दिया गया है।

9.2 वेद पाठशालाओं/विद्यालयों के छात्रों की परीक्षा

9.2.1 देश के विभिन्न भागों में स्थित वेदपाठशालाओं तथा गुरु शिष्य परम्परा योजना द्वारा सञ्चालित ईकाईयों में स्थित समस्त पाठशालाओं में प्रतिष्ठान द्वारा संचालित विद्यालयों तथा वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाये रखने की योजना के अन्तर्गत (गुरु–शिष्य परम्परा योजना में) अध्ययनरत छात्रों की परीक्षा सम्पन्न हुई। प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम, षष्ठ तथा सप्तम वर्ष तक के छात्रों की लिखित एवं मौखिक परीक्षाएं विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर प्रतिष्ठान द्वारा मनोनीत केन्द्र व्यवस्थापकों, प्रेक्षकों के पर्यवेक्षण में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय (जयपुर), गुवाहाटी विश्वविद्यालय (गुवाहाटी), वैदिक संशोधन मण्डल (पुणे), लखनऊ विश्वविद्यालय (लखनऊ), श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ (दिल्ली), गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय (हरिद्वार), इलाहाबाद विश्वविद्यालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (वाराणसी), सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय (वाराणसी), शास्त्रा विश्वविद्यालय (तन्जावुर) आदि प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थाओं के विद्वानों के नियन्त्रण मे सम्पन्न हुई।

9.3 वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना

9.3.1 यह योजना सरकार की पंचम पंचवर्षीय योजना अवधि से चल रही थी। प्रतिष्ठान को यह योजना दिनांक 01.04.1994 से कार्यान्वयन के लिये मानव संसाधन विकास मन्त्रालय द्वारा हस्तान्तरित की गयी। इसका उद्देश्य वैदिक उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने कि लिये विशेष प्रोत्साहन प्रदान करना है। इस योजना के अन्तर्गत एक स्वाध्यायी–अध्यापक को अपने घर पर या किसी भी उपयुक्त स्थान पर छात्रों को वेदाध्ययन कराना होता है। इस प्रयोजनार्थ चयनित स्वाध्यायी–अध्यापक को कम से कम एक वेद की एक शाखा एवं पाठ्यक्रम में निर्धारित अन्य विषयों व शास्त्रों में पूर्णरूपेण प्रवीण होना चाहिए। स्वाध्यायी–अध्यापक से यह अपेक्षा की जाती है कि इस प्रयोजनार्थ जिन छात्रों को वेदाध्ययन सिखाने का विशेष दायित्व सौंपा गया है, वह उन्हें विशेष प्रशिक्षण प्रदान करें ताकि वह जिस शाखा में अर्ह है, सस्वर पूरी संहिता के उच्चारण में उन्हें पारंगत बना सके। प्रत्येक छात्र की शिक्षण अवधि सात वर्ष है। सप्तवर्षीय पाठ्यक्रम पूर्ण करने एवं उत्तीर्ण करने के पश्चात् वैदिक छात्र को वेदविभूषण का प्रमाण–पत्र प्रदान किया जाता है।

9.3.2 छात्रों के अभिभावकों के लिए यह आवश्यक है कि वे रु. 10,000/- रुपये के मूल्य का एक इंडेमिनिटी बांड (क्षतिपूर्ति बंध-पत्र) दो प्रतिभूतियों सहित इस प्रयोजन के लिये निष्पादन करें कि वे अपने प्रतिपाल्य को सात वर्ष की न्यूनतम अवधि से पूर्व अध्ययन पाठ्यक्रम से नहीं हटाएँगे। स्वाध्यायी- अध्यापक को भी एक वचनबंध देना आवश्यक है कि वह योजना की निबंधन जन्य शर्तों का पालन करेगा।

9.3.3 आलोच्य वर्ष के दौरान, वैदिक सस्वर योजना के अन्तर्गत 287 इकाईयों को अनुदान दिया गया, जिसमें कुल 287 अध्यापकों एवं 3024 वैदिक छात्रों ने इस योजना में भाग लिया तथा उन्हें रु. 851.28 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

9.3.4 आलोच्य वर्ष के दौरान, पूर्वोत्तर राज्यों में वैदिक सस्वर योजना के अन्तर्गत 19 इकाईयों को अनुदान दिया गया, जिसमें कुल 19 अध्यापकों एवं 152 वैदिक छात्रों ने इस योजना में भाग लिया तथा उन्हें रु. 50.80 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

9.4 सभी इच्छुक व्यक्तियों के लिए वैदिक कक्षाएँ

9.4.1 वैदिक अध्ययन तथा तत्सम्बन्धी जानकारी का प्रचार-प्रसार करने के लिए प्रतिष्ठान के पास उन सभी के लिए जो इस विषय में रुचि रखते हैं, चाहे भले ही उनके पास कोई शैक्षिक अर्हता न हो, वैदिक कक्षाएँ चलाने की योजना है। इस योजना के अंतर्गत, वेद के सभी विशिष्ट विषयों पर 100 व्याख्यान दिए जाते हैं, जो प्रत्येक शनिवार तथा रविवार को दो-दो व्याख्यान के रूप में होते हैं। पाठ्यक्रम का स्वरूप जिसमें व्याख्यान मालाओं के विषय भी शामिल हैं, का निर्धारण प्रतिष्ठान द्वारा किया जाता है। वर्ष 2014-15 में सनातन धर्म कालेज अम्बाला (हरियाणा में दिनांक 12 जुलाई 2014 से 28 दिसम्बर 2014 तक), राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय उदयपुर (राजस्थान) में दिनांक 2 अगस्त 2014 से मार्च 2015 तक तथा श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर ट्रस्ट, हनुमान संतु विश्वविद्यालय मार्ग, लखनऊ (उ.प्र.) में दिनांक 16 अगस्त 2014 से 28 फरवरी 2015 तक आयोजित किए गए ।

9.5 संगोष्ठियाँ

9.5.0 वैदिक अध्ययन के क्षेत्र में अनुसंधान के प्रोत्साहन के लिए प्रतिष्ठान द्वारा प्राथमिकता के क्षेत्रों में संगोष्ठियाँ आयोजित की जाती हैं। ये संगोष्ठियाँ प्रतिष्ठान द्वारा पूर्ण अथवा आंशिक रूप से वित्तपोषित की जाती हैं। आलोच्य वर्ष में प्रतिष्ठान ने इस प्रकल्प हेतु विभिन्न संस्थाओं द्वारा निम्नलिखित संगोष्ठियाँ आयोजित करने के लिये वित्तीय सहायता प्रदान की :-

9.5.1 शिमला में 'वर्तमान में वेद की प्रासंगिकता तथा भारतीय संस्कृति' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी –

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय तथा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेद विद्या प्रतिशन उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में 22 से 24 मई 2014 को त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शीर्षक – वर्तमान में वेद की प्रासङ्गिकता तथा भारतीय संस्कृति था। देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए विद्वज्जनों एवं शोधछात्रों ने इसमें भाग लिया। वैदिक संगोष्ठी की संयोजिका प्रो. राजिन्द्रा शर्मा ने स्वागत भाषण में विशिष्टजनों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी की अध्यक्षता में वैदिक मन्त्रों के साथ हुआ। उन्होंने विधिवत् दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वन्दना एवं कुलगीत की परम्परा का वहन किया तथा मानव जीवन में वेद की उपयोगिता पर अपने विचारों से अवगत कराया। मुख्यवक्ता के रूप में पूर्व प्रधानमन्त्री के वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. ओम प्रकाश पाण्डेय जी ने सृष्ठि विज्ञान के रहस्य पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि वेद के अन्दर विज्ञान छिपा हुआ है, वेद एवं विज्ञान में किसी प्रकार का मतभेद नहीं है। खगोल की घटनाओं के विषय में वेदों में ज्ञान भरा पड़ा है। विज्ञान वेदों में कही बातों को प्रमाणित कर रहा है ऐसे में एक वैज्ञानिक को संस्कृत का ज्ञान होना नितान्त आवश्यक है। उक्त विषय ने समस्त शोधार्थियों तथा विशिष्टजनों का ध्यान आकर्षित किया।

द्वितीय दिवस में शोधार्थियों ने वेद के विविध विषयों पर शोध-पत्र प्रस्तुत किए। कतिपय विषय इस प्रकार से हैं – वेद में विज्ञान, वेद में आयुर्वेद, वेद में प्राकृतिक चिकित्सा, अथर्ववेद में आयुर्वेद, वेद में ज्योतिष, वेद में मानवीय मूल्य, वेद में नारी, वेद और पर्यावरण, वैदिक यज्ञ, मानव को मानव बनाने में वेद की भूमिका इत्यादि विषयों पर अनेक शोधार्थियों ने शोधपत्र प्रस्तुत किए। विशिष्ट जनों में डॉ. बलदेवानन्द सागर, डॉ. ललित गौड़, डॉ. राजेश्वर मिश्र, डॉ. वीरेन्द्र मिश्र, डॉ. ओम प्रकाश पाण्डेय, प्रो. रूप किशोर शास्त्री, डॉ. कैलाश तिवारी, डॉ. कामदेव झा, प्रो. अमलधारी सिंह इत्यादि के अनुभवों से शोधछात्र लाभान्वित हुए।

प्रो. अमलधारी सिंह जी ने कई दशकों की अथक परिश्रम के फलस्वरूप शाङ्खायन संहिता की प्रतियाँ माननीय कुलपति महोदय तथा गणमान्य लोगों को उपहारस्वरूप भेंट की।

अन्तिम दिवस महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के सचिव प्रो. रूप किशोर शास्त्री जी ने वेद की प्रासङ्गिकता पर अपने बहुमूल्य विचार प्रस्तुत किए। तत्पश्चात् संगोष्ठी संयोजिका प्रो. राजिन्द्रा शर्मा जी ने धन्यवाद प्रस्ताव के साथ त्रिदिवसीय संगोष्ठी का समापन किया।

9.5.2 पुणे में 'वैदिक व्याख्याएँ – अतीत और वर्तमान' विषय पर राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी –

'वैदिक व्याख्याएँ-अतीत एवं वर्तमान' इस शास्त्रीय विषयक अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी के समापन अवसर पर प्रतिष्ठान सचिव प्रो. रूप किशोर शास्त्री ने अपने मुख्य-अतिथि उद्बोधन में विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महर्षि सान्दीपनि

राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान और पुणे विश्व विद्यालय के प्रगत संस्कृत अध्ययन केन्द्र के तत्त्वावधान में दिनांक ११ से १३ दिसम्बर २०१४ को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के विभिन्न स्थानों एवं प्रान्तों से आये प्रतिभागियों ने भाग लेकर इसके गौरव को बढ़ाया है और संगोष्ठी के विषय को देश की विभिन्न संस्थाओं तक पहुंचाने में सभी का ध्यान आकर्षित किया है, एतदर्थ प्रतिष्ठान की ओर से बधाई एवं अभिनन्दन है। संगोष्ठी में विद्वानों द्वारा शोध पत्रों पर विचार व्यक्त करने के साथ-साथ परम्परागत वैदिक विद्वानों द्वारा विकृति पाठों का वाचन करना अपने में एक प्रेरणास्पद व श्लाघ्य प्रयास था वस्तुतः यह प्रयास महनीय रहा है । वेद विद्या की सर्वत्र उपयोगिता को देखते हुए इसकी भूरि-भूरि प्रशंसा होना स्वाभाविक है ।

समापन कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं दिल्ली संस्कृत अकादमी के सचिव डॉ. धर्मेन्द्र कुमार ने अतीत की वेद व्याख्याओं के परिप्रेक्ष्य में वर्तमान में व्याख्या विषयक मानदण्डों एवं प्रक्रिया पर प्रभावशाली उद्बोधन दिया, वहीं राष्ट्रिय वेद विद्या प्रतिष्ठान की परियोजना समिति के माननीय सदस्य एवं अक्षरधाम गुजरात के नारायण सम्प्रदाय के अन्ताराष्ट्रिय वेद एवं संस्कृत विद्वान् पं. साधु भद्रेश ने अपने अध्यक्षीय व्याख्यान में विदेशों में हो रहे वेद व संस्कृत विषयक कार्यों पर सूक्ष्मता से प्रस्तुत करते हुए अनेकानेक कार्यों की सूचनाओं से अवगत कराया । उपस्थित समस्त प्रतिभागियों, विद्वानों एवं अन्य लोगों ने साधु भद्रेश महाराज की विद्वता, विनम्रता एवं सौमनस्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की । उन्होंने भी कहा कि महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान इसी प्रकार के आयोजन करके अपने मूल उद्देश्यों की पूर्ति करने में सफलता प्राप्त करता है । उन्होंने भावविभोर होकर कहा कि इस सफलतम आयोजन के लिये आप एवं आपकी सम्पूर्ण समिति हार्दिक अभिनन्दन एवं बधाई की पात्र है । आशा है, भविष्य में भी आप विश्वविद्यालय के माध्यम से इसी तरह के उच्च स्तरीय सफल आयोजन कराते रहेंगे ताकि वेद एवं संस्कृत का प्रचार-प्रसार हो सके । कार्यक्रम का संयोजन प्रगत अध्ययन केन्द्र के निदेशक प्रो. रवीन्द्र मूले एवं वक्तव्य प्रो. बी.के.दलई ने किया। प्रतिष्ठान की ओर से इस सफलतम आयोजन के लिए प्रगत अध्ययन केन्द्र के सभी पदाधिकारी एवं सहयोगी छात्र अभिनन्दनीय एवं साधुवाद के पात्र हैं ।

9.5.3 मालीगांव गुवाहाटी में 'वैदिक यज्ञ पद्धति' विषय पर राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी –

यज्ञ का मौलिक रूप से आलेखन सर्वोच्च रचनाकार के द्वारा किया गया है। मुकुंदकम शर्मा, सर्वोच्च न्यायालय भारत सरकार के पूर्व न्यायाधीश और कुलपति लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली ने गुवाहटी की ब्लू हॉप और महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन जो मानव संसाधन मन्त्रालय, भारत सरकार की एक संस्था है, के सहयोग से वैदिक यज्ञ पद्धति पर आधारित त्रिदिवसीय लम्बे राष्ट्रीय सम्मेलन, जिसका प्रयोजन मा.स.वि.म. है, में अपने उद्घाटन भाषण में कहाँ कि यज्ञ का अर्थ 'भले कार्य के लिए निस्वार्थ बलिदान है। इस सम्मेलन का आयोजन 5 से 7 जनवरी 2015 को श्रीमन्त शंकर देव कलाक्षेत्र ओर आसाम फिल्म (वित्त और विकास) कारपोरेशन लिमिटेड, पंजरी, गुवाहटी परिसर में किया गया।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि, राधा वल्लभ त्रिपाठी, सम्पूर्ण पूर्वी भारत सम्मेलन के अध्यक्ष और पूर्व उपकुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्था, नई दिल्ली ने ज्ञान के चरण की अवधारणा पर उद्बोधन दिया। भरत का नाट्य शास्त्र यज्ञवेदी – आहुति वेदी से लिया गया है। जहाँ देवताओं का आह्वान किया जाता है और यज्ञमण्डप के चारों और बैठाया जाता है, ठीक उसी तरह जिस तरह प्रत्येक चरित्र को नाट्यमण्डप के विशेष भाग में विशेष पद प्रदान किया जाता है। उन्होंने नाट्य को आत्मा, स्वरूप और प्रारूप एवं यज्ञ के रूप में और अधिक निर्धारित किया। मुख्य वक्ता प्रो. राजवीर शर्मा, भारतीय पब्लिक प्रबन्धन संस्थान, नई दिल्ली ने यज्ञ का विश्लेषण किया और इसके वैज्ञानिक और आधुनिक उद्देश्य भी बताए। दूसरे वक्ता के रूप में नवनारायण बन्दोपाद्याय निदेशक वैदिक अध्ययन संस्थान कोलकाता, रविन्द्र भारती विश्व विद्यालय ने यज्ञों जो वैश्विक कल्याण के लिए आध्यात्मिक और वैज्ञानिक प्रयोगों के अंश के रूप में है को पूरा करने वाले विभिन्न सिद्धान्तों और विधियों के बारे में बताया। प्रो. केदारनाथ शर्मा ने जोर देते हुए कहाँ कि यज्ञ में आहुत की गई हर्बल (जड़ी बुटी) से ब्रह्माण्ड का सन्तुलन बना रहता है। प्रो. दीपक कुमार शर्मा, उपकुलपति, कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत और प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय नलवरी, असम और सेमीनार में संचालन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में स्वागत उद्बोधन दिया। डॉ. विष्णु चरण दास, असम केन्द्रीय विश्व विद्यालय, सिलचर ने उद्घाटन सभा की अध्यक्षता की। विभिन्न राज्यों जैसे – झारखण्ड, गुजरात, पाण्डिचेरी, हरियाणा, जम्मू–कश्मीर, आन्ध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश, दिल्ली, पं. बंगाल, बिहार, कर्नाटक, त्रिपुरा, ओडिसा और असम से पधारे लगभग 64 प्रतिभागियों ने त्रिदिवसीय लम्बे कार्यक्रम में विविध विषय वस्तुओं पर शोध पत्र प्रस्तुत किए।

समापन समारोह के संचालक डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने सेमिनार को पूर्ण रूप से व्यापक और सफल बनाने के लिए विद्ववतजनों, विचारकों, शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों को उनके विचार विमश्र के लिए आभार प्रकट किया।

9.5.4 वैदिक समिति सिलचर (असम) में 'वेदोऽखिलोधर्ममूलम्' विषय पर राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी–

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के सहयोग से दिनांक 1 से 3 फरवरी 2015 तक त्रिदिवसीय वेद सम्मेलन वैदिक समिति, सिलचर गांधी भवन, सिलचर में सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन की मुख्य विषय वस्तु 'वेदोऽअखिलो धर्ममूलम्' (सभी धर्मों का मूल वेद है।)

समस्त कार्यक्रम वेदविद्वान् डॉ. सुखमय भट्टाचार्य के नेतृत्त्व में प्रारम्भ हुआ और समापन दिवस तक एक शानदार कार्यक्रम के रूप में चला जिसका विवरण निम्नानुसार है –

प्रथम दिन – दो शैक्षिक सत्र, प्रदर्शनी की शुरुआत ओर प्रात:काल शान्ति के लिए त्याग के साथ उद्घाटन समारोह सुबह 10 से 12 बजे तक सम्पन्न हुआ। उसके बाद दो शोध सत्र, अपराह्न 2 बजे से 3:30 बजे तक और अपराह्न 3:30 बजे से 5:15 बजे तक उस सत्र की मुख्य विषयवस्तु के ऊपर भाषण, प्रत्येक सत्र की समीक्षा, प्रथम सत्र में पढ़े गए 6 शोध पत्र और द्वितीय सत्र में 7 शोध पत्रों के साथ सम्पन्न हुआ। उसके बाद तत्त्वविदनानन्द महाराज और स्वामी वैकुण्ठ नन्द महाराज के द्वारा सायंकाल 5:15 पर प्रबन्ध और संस्कृत में समाचार सायंकाल 6:15 पर ओर विज्ञान की प्रदर्शनी 6:30 पर आयोजित की गई। दिन के कार्यक्रमों का समापन रात्रिकाल 9 बजे हुआ।

प्रो. रूप किशोर शास्त्री, सचिव, महर्षि सान्दीपनि वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के द्वारा मुख्य सम्बोधन भाषण दिया गया। विदाई समारोह में सभी उच्च पदाधिकारियों, विद्वतजनों, विद्यार्थी, सहभागीदारों और सम्मानीय संतों और वैदिक समिति सदस्यों के प्रशासकों द्वारा सहभागिताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी का समापन प्रो. स्वप्ना देवी ने महत्त्वपूर्ण अभिनन्दित विदाई भाषण के साथ किया गया। इस समारोह का समापन शान्ति मंत्र के साथ हुआ। त्रिदिवसीय सम्मेलन का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रम द्वारा किया गया।

9.5.5 वाराणसी (उत्तरप्रदेश) में 'वेदोपांगम् धर्मशास्त्रम्' विषय पर राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी –

वेदोपांगम् धर्मशास्त्रम् विषय पर दिनांक 17 से 19 फरवरी 2015 को श्री पट्टाभिरामशास्त्री वेद मीमांसा अनुसंधान केन्द्र वाराणसी तथा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधान में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।

इस अवसर पर प्रो. हरेकृष्ण सतपथी (तिरुपति), डॉ. प्रमोद जी पण्डा (पुरी), डॉ. भास्करनाथ भट्टाचार्य (कोलकत्ता), प्रो. रानी मजूमदार (अलीगढ़), प्रो. देवेन्द्र नाथ पाण्डेय वेरावल (गुजरात), प्रो. रवीन्द्रनाथ भट्टाचार्य (कोलकता), प्रो. गंगाधर पण्डा (पुरी), प्रो. शीतांशु रथ (उज्जैन), प्रो. गोपाल प्रसाद शर्मा (दिल्ली), डॉ. हनुमान मिश्र (दरभंगा), डॉ. देवेन्द्र कुमार शर्मा (जयपुर), डॉ. संजय कुमार यादव (सागर), प्रो. मनोज कुमार मिश्र (जम्मू) तथा स्थानीय विद्वानों द्वारा वेद के भिन्न-भिन्न विषयों पर शोध-पत्र प्रस्तुत किए ।

संगोष्ठी संयोजक श्री युगल किशोर मिश्र ने आगन्तुकविद्वानों को धन्यवाद प्रस्तुत किया ।

9.5.6 हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में 'वैश्विक ज्ञान-विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में वेदों की प्रासंगिकता' विषय पर राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी –

उत्तराखण्ड के पावन तीर्थ-धाम हरिद्वार में विक्रम संवत्सर 2071 के चैत्र कृष्ण-पक्ष की सप्तमी, तदनुसार 13 मार्च 2015, शुक्रवार को सुबह 11 बजे गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के विशाल परिसर के जन्तु एवं पर्यावरण-विज्ञान-विभाग के सभागार में राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह का शुभारम्भ, गण-मान्य वैदिक-विद्वानों, शोधकर्ताओं, व्याख्याताओं, प्रतिनिधियों तथा आमन्त्रित विशिष्ट-जनों की उपस्थिति में हुआ ।

उज्जैन स्थित महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान तथा गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के द्वारा संयुक्त-रूप से आयोजित इस राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी का विषय था -**''वैश्विक ज्ञान-विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में वेदों की प्रासंगिकता''** ।

इस राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी के उद्घाटन-समारोह के विशिष्ट अतिथि और महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. रूप किशोर शास्त्री ने वेदों की प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए कहा कि मानव के सर्वांगीण विकास का समुचित और सन्तुलित मार्ग, वैदिक-वाङ्मय में बताया गया है। प्रतिष्ठान के राष्ट्र व्यापी कार्यों को विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि भारत के सभी राज्यों में और विशेषरूप से उत्तर-पूर्वीय राज्यों में वेद-विद्या के प्रचार प्रसार के लिए प्रतिष्ठान समर्पित-भाव से कार्य कर रहा है। इस संगोष्ठी को विशिष्ट उपलब्धि बताते हुए प्रो. शास्त्री ने कहा कि गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सुप्रतिष्ठित है और इधर कुछ वर्षों से कई महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कार्यों का मुख्य केन्द्र बन गये हैं ।

विषय-प्रवर्तन हेतु, विषय व्याख्यान के विशिष्ट और समीक्षक वक्ता ऋषिकेश-स्थित ओंकारानन्द आश्रम के आचार्य सिद्धार्थ कृष्ण ने वैदिक ज्ञान की गहराई को छूते हुए आज के मानव समाज की कई प्रकार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वैदिक ज्ञान विज्ञान के गम्भीर अध्ययन - अनुसन्धान को बहुत जरूरी बताया । इस समारोह के मुख्य अतिथि और हरिद्वार स्थित पतञ्जलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने आधुनिक समाज की मानसिकता को स्वस्थ और रचनात्मक बनाने के लिए वैदिक वाङ्मय के बहुविध प्रचार की आवश्यकता पर बल दिया । अपने अध्यक्षीय भाषण में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरेन्द्र कुमार ने कहा कि आज की सभी प्रकार की समस्याओं का एकमात्र समाधान है तो, वह है वैदिक ज्ञान-विज्ञान का मुक्त मन से स्वीकार करना और व्यवहार तथा आचरण में उसका प्रमाणिक कार्यान्वयन करना ।

गोष्ठी के आयोजन में सचिव डॉ. दिनेशचन्द्र शास्त्री ने सूचित किया कि इस त्रि-दिवसीय अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों में देश के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालय से आये 200 से अधिक अनुसन्धाता व्याख्याताओं ने वैदिक ज्ञान-विज्ञान से जुड़े अलग-अलग विषयों पर अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए ।

15 मार्च 2015 रविवार को इस वैदिक संगोष्ठी का सम्पूर्ति - समारोह सम्पन्न हुआ जिसमें अक्षरधाम, स्वामी नारायण शोध संस्थान नई दिल्ली के स्वामी साधु भद्रेश-दास जी ने गिरते मानव मूल्यों से समाज को बचाने के लिए वेदों की प्रासंगिकता को महत्वपूर्ण बताया । इस अवसर पर उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमन्त्री और लोकसभा सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विद्वानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज का अशान्त और अस्थिर मानव, जब तक वैदिक-परम्पराओं का अपने आचरण में व्यावहारिक अनुपालन नहीं करता, तब तक वैश्विक शान्ति और स्थिरता असम्भव है। समारोह के विशिष्ट अतिथि, सीकर से लोकसभा सांसद, स्वामी सुमेधानन्द सरस्वती ने वैदिक मनीषा की सार्वकालिक और सार्वभौमिक प्रासंगिकता को व्याख्यायित करते हुए भारतीय समाज को वैदिक परम्पराओं के अनुसरण के लिए प्रेरित किया । अपने अध्यक्षीय भाषण में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरेन्द्र कुमार ने कहा कि इस संगोष्ठी के माध्यम से पूरे मानव समाज को तर्क संगत और उपयोगी संदेश मिलता है, कि हमें अपने वैयक्तिक तथा सामाजिक जीवन में संस्कृत और संस्कृति के संरक्षण के साथ-साथ वैदिक परम्पराओं का भी संवर्धन करना है, ऐसा करके ही हम अपने ऋषि-ऋण से मुक्त हो सकते हैं।

इस संगोष्ठी की एक उपलब्धि ये भी रही कि गोष्ठी के एक दिन बाद (16 मार्च को), 'आस्था' एवं 'संस्कार' टी.वी. चैनल पर संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह को विस्तार से दिखाया गया जिसको पूरे विश्व के दर्शकों ने घर बैठे देखा और लाभान्वित हुए ।

9.6 वैदिक सम्मेलन

9.6.0 प्रतिष्ठान के कार्यक्रमों में वैदिक सम्मेलनों का महत्त्वपूर्ण स्थान है और ये सम्पूर्ण देश में वैदिक अध्ययन और ज्ञान के प्रचार के प्रमुख साधन हैं। प्रतिवर्ष एक अखिल भारतीय और अन्य क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन आयोजित किये जाते हैं। उद्घाटन और समापन समारोह के साथ ये सम्मेलन त्रिदिवसीय आयोजित होते हैं। ये सम्मेलन आयोजक के रूप में उत्कृष्ट वैदिक संस्थाओं, विश्वविद्यालयों, विद्यापीठों आदि के सहयोग से सम्पन्न किये जाते हैं। उन स्थानों पर, जहाँ ऐसी संस्थएँ उपलब्ध नहीं हैं, सम्मेलन आयोजित करने के लिए प्रसिद्ध विद्वानों एवं गणमान्य व्यक्तियों की आयोजन-समितियाँ गठित की जाती हैं। आलोच्य वर्ष 2014-15 के दौरान, प्रतिष्ठान द्वारा दो अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन तथा 7 क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलनों का आयोजन किया गया, जिसका विवरण निम्नवत् है :-

9.6.1 जम्मू कश्मीर में सामवेद पर वैदिक सम्मेलन का आयोजन -

वेद धर्म के आधार है। जब वैदिक मन्त्रों का उद्गायन किया जाता है तो वातारण में पवित्र स्पंदनों की उत्पत्ति होती है। जिसके प्रभाव से शान्ति और समृद्धि आती है। पूज्य श्री जयेन्द्र सरस्वती शंकराचार्य स्वामी और पूज्य श्री शंकर विजेन्द्र सरस्वती शंकराचार्य स्वामी के सुसाध्य आशीर्वाद से एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सहयोग से श्री कांची कामकोटिपीठ्म के द्वारा जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में दिनांक 2 से 4 मई 2014 को सामवेद सम्मेलन का आयोजन किया गया । सम्मेलन में भिन्न-भिन्न राज्यों उत्तर-प्रदेश, पं. बंगाल, कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश, ओड़िसा और तमिलनाडू के परम्परागत वेद विद्वानों ने भाग लिया ।

सामवेद में कौथुम और जैमिनीय शाखा का वेद पारायण किया गया । सम्मेलन में प्रसिद्ध संस्कृत और वेद विद्वानों ने भाग लिया और वेदों के विविध विषयों पर विशेष व्याख्यान दिये गये । प्रो. रूप किशोर शास्त्री, सचिव महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन ने सम्मेलन में उपस्थित होकर विशेष व्याख्यान दिया । 4 मई 2014 को कार्यक्रम का आयोजन श्रीनगर में आदरणीय आदि शंकराचार्य हिल पर किया गया ।

पूर्व में श्री कांची कामकोटि पीठम् ने महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सहयोग से श्री नगर, लेह, जम्मू-कश्मीर में वेद सम्मेलन का आयोजन किया गया था ।

9.6.2 वाराणसी में त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन -

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन एवं जगद्गुरु शङ्कराचार्य स्वामी स्वरूपानन्द सरस्वती न्याय -वेदान्त महाविद्यालय, वाराणसी, के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 5 अक्टूबर 2014 रविवार को प्रातःकाल महाराजा चेतसिंह अहाता परिसर में त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन का शुभारम्भ हुआ । प्रारम्भ में चारों वेदों का पाठ एवं मङ्लाचरण हुआ । प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. रूप किशोर शास्त्री एवं उपस्थित अतिथि महानुभावों ने दीप प्रज्ज्वलित कर सम्मेलन का शुभारम्भ किया ।

प्रतिष्ठान सचिव ने सम्पूर्ण देश में वर्तमान संस्कृत एवं वेद की दशा व स्थिति के आङ्कड़ों सहित प्रस्तुत कर सभी श्रोताओं को वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृत साहित्य को मूल रूप से अध्ययन अध्यापन करने की प्रेरणा के साथ इनके संरक्षण हेतु गहराई से आन्दोलित किया । सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए शारदापीठ गुजरात के दण्डी स्वामी सदानन्द सरस्वती ने कहा कि किसी भी संस्कृति की पहचान उसके ग्रन्थ से हुआ करती है। इस अवसर पर चन्दौली के सांसद श्री महेन्द्र पाण्डेय जी भी उपस्थित थे । सारस्वत अतिथि के रूप में धर्मशास्त्री डॉ. अवधराम पाण्डेय, पुरी के कुलपति प्रो. गंगाधर पण्डा ने भी अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये ।

दूसरे दिन सोमवार को प्रांगण वेद मन्त्रों से गुंजता रहा। सम्मेलन के दूसरे दिन की अध्यक्षता स्वामी अच्युतानन्द सरस्वती ने की, उन्होंने अपने व्याख्यान में कहा की 'मनुष्य को सम्पूर्ण जीवन जीने के लिए वेद ज्ञान उपलब्ध है, हम सभी को वेद का अनुभव करके उसको आत्मसात् करना चाहिए ।'' सम्मेलन के मुख्य अतिथि वाराणसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री सर्वज्ञराम मिश्र ने कहा कि वेद पूर्णतः अनादि काल से चला आ रहा है । यह किसी विद्वान् की रचना नहीं । यह साक्षात् वेद भगवान् का दिया अपार नैसर्गिक व अपौरुषेय ज्ञान है।

तीसरे दिन मंगलवार को सम्मेलन के समापन का अवसर था । समापन की शुरूआत शङ्कराचार्य स्वामी स्वरूपानन्द सरवस्ती के चित्र पर माल्यापर्ण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया । सम्मेलन में मुख्य अतिथि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रो. पतंजलि मिश्र ने कहा कि सत्य का प्रतिपादन सम्यक् रूप से वेद करता है ।

कार्यक्रम के अंत में श्री कृष्ण कुमार तिवारी जी ने आदि शङ्कराचार्य पर स्वरचित भजन की प्रस्तुति की । अन्त में सभी वैदिक पण्डितों एवं आगन्तुक अतिथियों को शॉल, श्रीफल एवं मानदेय देकर पूज्य स्वामिश्री ने सम्मानित किया ।

9.6.3 पुणे में त्रिदिवसीय क्षैत्रीय वैदिक सम्मेलन

दिनांक 31 अक्टूबर एवं 2 नवम्बर 2014 को वेदायार्थ घैसास गुरुजी वेदपाठशाला वेदभवन पुणे में प्रतिष्ठान के सहयोग से वैदिक सम्मेलन का आयोजन किया गया । इस सम्मेलन में महाराष्ट्र सहित कर्नाटक, आ.प्र., गुजरात, गोवा प्रान्त से वेद की भिन्न-भिन्न शाखाओं के वेद विद्वानों को आमन्त्रित कर वेद पाठ किया गया ।

सम्मेलन में पधारे विद्वानों को श्री घैसास गुरुजी ने धन्यवाद ज्ञापित किया । इस प्रकार त्रिदिवसीय वैदिक सम्मेलन भव्यता पूर्वक सम्पन्न हुआ ।

9.6.4 ऊना (हिमाचलप्रदेश) में त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न –

दिनांक 2 से 4 नवम्बर 2014 को गुरुशिखर वेद विद्यालय महेशनगर, ओयल, ऊना में महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सहयोग से त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन किया गया । उद्घाटन समारोह का शुभारम्भ संस्था के अध्यक्ष श्री विष्णुदास मेहरा की अध्यक्षता में, सारस्वत अतिथि प्रो. रयामान आंगिरस सेवा निशस्त (चण्डीगढ़), मुख्य वक्ता प्रो. सी.डी. एस माथल, (कुरुक्षेत्र युनिवर्सिटी), हरियाणा तथा संयोजन प्रो. हरिहर त्रिवेदी (वेदविभाग–श्री लाल बहादुर शास्त्री विद्यापीठ, दिल्ली) द्वारा किया गया । संस्थागत आचार्य श्री स्वामी स्वयं प्रमाथ गिरिजी महाराज ने उद्घाटन सत्र में पधारे सभी विद्वानों, नागरिकों को आशीर्वाद दिया ।

सायंकालीन सत्र के सारस्वत अतिथि महामनिषी श्री स्वामी निरंजन जी महाराज (अध्यक्ष–पुरुषार्थ आनंद ट्रस्ट, हरिद्वार) थे, मुख्य वक्ता श्री स्वामी निश्चलानन्द जी महाराज, प्रो. ललित कुमार गौड़ (कुरुक्षेत्र), प्रो. विक्रम कुमार विवेकी (पंजाब युनिवर्सिटी, चंड़ीगढ़) थे । इस सत्र का संयोजन डॉ. सुमन जी दयानन्द (महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र) थे ।

दिनांक 3.11.2014 को सारस्वत अतिथि के रूप में प्रो. राजेश्वर प्रसाद मिश्र (कुरुक्षेत्र), मुख्यवक्ता प्रो. कामदेव झा (प्राचार्य–डी.ए.वी. कॉलेज, कुरुक्षेत्र) तथा संयोजक प्रो. वीरेन्द्र अलंकार (अध्यक्ष– दयानन्द वैदिक अध्ययनपीठ पंजाब युनीवर्सिटी) थे ।

दिनांक 4.11.2014 को समापन–सत्र अध्यक्ष प्रो0 वीरेन्द्र मिश्र शिमला, सारस्वत अतिथि श्री स्वामी श्रीधराचार्य जी महाराज, अध्यक्ष– श्री रंगरामानुज (वेद विद्यालय आनन्दपुर साहिब, पंजाब) इस सत्र का संयोजन डॉ. कनक द्विवेदी, (सचिव–वेदनिधि वैदिक हेरिटेज रिसर्च फाउण्डेशन वाराणसी) थी ।

इस सम्मेलन में राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड, जम्मू एण्ड कश्मीर, हिमाचल प्रदेश से आगत विद्वजों ने भाग लिया तथा आगत विद्वानों, वैदिकों, जनसमूह को विद्यालय के प्राचार्य श्री शिवमूरत तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया । इस प्रकार त्रिदिवसीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न हुआ ।

9.6.5 मैसूर (कर्नाटक) में चार दिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न –

महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा श्री गणपति सच्चिदानंद आश्रम, मैसूर (कर्नाटक) के सानिध्य में दिनांक ३०/११/२०१४ से ०३/१२/२०१४ तक चार दिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें दक्षिण भारत के लगभग ८५ से अधिक वैदिक पण्डित, प्राध्यापक एवं विद्वान उपस्थित हुए। सम्मेलन की अवधि में वेद की विभिन्न शाखाओं में निपुण एवं विशेषज्ञ विद्वानों द्वारा वेद के रहस्य, लक्ष्य, लक्षण, समन्वय एवं स्वर–उच्चारण विषय पर गहन चर्चा एवं शास्त्रार्थ किये गए। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सचिव प्रो. रूप किशोर शास्त्री मुख्य वक्ता के रूप में मंच पर उपस्थित थे। प्रो. शास्त्री द्वारा वैदिक ज्ञान के प्रचार–प्रसार में प्रतिष्ठान की भूमिका, इसमें रिसर्च की सम्भावना तथा वैदिक ज्ञान को जन–जन तक पहुँचाने की आवश्यकता पर बल देते हुए अपने विचार प्रभावकारी ढंग से संस्कृत एवं अंग्रेजी भाषा में प्रस्तुत किये। जिसकी सभी विद्वानों द्वारा सराहना की गई।

सत्र के अन्त में श्री गणपति सच्चिदानंद आश्रम के पूजनीय स्वामीजी द्वारा प्रो. शास्त्री का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। प्रो. शास्त्री द्वारा **उणादि-निरुक्ति-व्युत्पत्ति-कोषः** विषय पर लिखित पुस्तक का विमोचन किया गया जिसका उपस्थित विद्वत् समुदाय द्वारा करतल ध्वनि से स्वागत किया गया।

वैदिक सम्मेलन में पधारे सभी विद्वानों को महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन की ओर से प्रतिष्ठान के नियम एवं मापदण्ड के अनुसार मानदेय, सम्भावना राशि, यात्रा व्यय का भुगतान वितरित किया गया। इस हेतु प्रतिष्ठान के लेखाधिकारी श्री नवनीत कुमार मेहता एवं आशुलिपिक श्री आनन्द शर्मा को प्रतिनियुक्त किया गया था। सम्मेलन में उपस्थित अधिकांश विद्वानों को प्रतिष्ठान से नियमित रूप से प्रकाशित होने वाली पत्रिका "वेद विद्या" की वार्षिक सदस्यता दी गई ताकि सभी सदस्य प्रतिष्ठान द्वारा संचालित गतिविधियों से अवगत हो सकें।

श्री अवधूत दत्त पीठम् ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं संचालक डॉ. वंशीकृष्ण घनपाठी द्वारा सभी कार्यक्रमों का विद्वतापूर्ण सफल संचालन किया गया। संस्था के प्रमुख पूजनीय स्वामीजी द्वारा प्रतिष्ठान के प्रतिनिधि श्री नवनीत कुमार मेहता एवं श्री आनन्द शर्मा को भी दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मानित किया गया एवं प्रमाण पत्र दिये गये। कार्यक्रम समन्वयक के आग्रह पर श्री नवनीत मेहता द्वारा समापन सत्र में उपस्थित सभी विद्वानों का दुपट्टा ओढ़ाकर एवं चरण स्पर्श कर सम्मान किया गया। क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन के सफल संचालन एवं निर्विघ्न समापन में सहयोग के लिए प्रतिष्ठान द्वारा डॉ. वंशीकृष्ण घनपाठी का विशेष आभार एवं अभिनन्दन किया गया करता है।

9.6.6 महासमुन्द (छत्तीसगढ़) में त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन -

त्रिदिवसीय क्षैत्रिक वैदिक सम्मेलन दिनांक 5-7 दिसम्बर 2014को आर्ष ज्योति गुरुकुल आश्रम कोसंटगी, महासमुन्द (छ.ग.) द्वारा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सहयोग आयोजित किया गया । उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमन्त्री डॉ. रमन सिंह थे । प्रदेश के पंचायत एवं सांस्कृतिक मन्त्री श्री अजय चन्द्राकर, स्थानीय सांसद एवं विधायक भी उपस्थित थे । प्रतिष्ठान सचिव प्रो. रूप किशोर शास्त्री ने इस सत्र की अध्यक्षता की ।

समापन अवसर पर प्रदेश के शिक्षा मन्त्री श्री केदार कश्यप उपस्थित रहे । इस अवसर पर छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, उ.प्र., झारखण्ड प्रान्त से आए वेद के विद्वानों ने तीन दिन तक अनवरत चारों वेद की भिन्न-भिन्न शाखाओं में वेद-पाठ किया । इसके अतिरिक्त देश के सुदूर प्रान्तों से आगत वेद के विद्वानों ने भिन्न-भिन्न विषयों पर चर्चा-परिचर्चा की ।

इस प्रकार त्रिदिवसीय वेद सम्मेलन वेदपाठ के साथ विद्वानों द्वारा वेद के विशिष्ट व्याख्यान देकर सम्मेलन को सुवासित किया ।

9.6.7 जालुकबारी, गुवाहाटी (असम) में त्रिदिवसीय क्षेत्रिय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न -

त्रिदिवसीय क्षैत्रिक वैदिक सम्मेलन दिनांक 29, 30 एवं 31 जनवरी 2015 को कृष्ण भान हैंडिक शासकीय संस्कृत कॉलेज जालुकबारी, गुवाहटी (आसम) द्वारा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सहयोग आयोजित किया गया ।

दिनांक 29 जनवरी 2015 को उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता इसी संस्कृत महाविद्यालय की अध्यक्षा डॉ. विनीता भगवती द्वारा सम्पन्न किया गया । विशिष्ट अतिथि के रूप में भी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नईदिल्ली के प्रो. लक्ष्मीश्वर झा भी उपस्थित थे । संस्कृत और पुरातन अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीपक कुमार शर्मा सम्माननीय अतिथि के रूप में विद्यमान थे । प्रतिष्ठान की और से कार्यक्रम अधिकारी डॉ. देवानन्द शुक्ल ने कार्यक्रम में भाग लेकर प्रतिष्ठान की गतिविधियों से परिचित कराया ।

वेदपाठ के द्वितीय सत्र में दिल्ली से पधारे डॉ. सुरेश पन्त की अध्यक्षता में तथा डॉ. नोदराज मिश्र के संयोजन में शोध-पत्रों का वाचन किया गया तथा वेद की शाखाओं के मन्त्रपाठ से सम्पन्न हुआ ।

दिनांक 30 जनवरी 2015 को गुजरात संस्कृत अकादमी के निदेशक प्रो. जयप्रकश नारायण द्विवेदी की अध्यक्षता में शोध गोष्ठी तथा वेदपाठ सम्पन्न हुआ । संगोष्ठी में मुख्य वक्ता इटावा (उ.प्र.) से पधाारे संस्कृत के विद्वान् डॉ. कैलाशनाथ तिवारी थे । इसी दिन द्वितीय सत्र का विशिष्ट व्याख्यान प्रो. ओमप्रकार पाण्डेय (दिल्ली) द्वारा रखा गया । व्याख्यान का मुख्य बिन्दु **वैदिक साहित्य और सनातन धर्म की प्रतिष्ठा** के लिए दृष्टिकोण था ।

दिनांक 31 जनवरी 2015 को डॉ. बलदेवानन्द सागर दिल्ली की अध्यक्षता में सत्र का प्रारम्भ किया गया । जिसमें प्रो. ओम प्रकाश पाण्डेय ने पुनः व्याख्यान प्रस्तुत किया ।

समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो. जयप्रकाश नारायण द्विवेदी द्वारा की गई । इस सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. विजय कर्ण (लखनऊ) तथा गुवाहाटी विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग के प्रो. राजेन्द्रनाथ शर्मा थे ।

अन्त में महाविद्यालय की ओर से अध्यक्षा डॉ. विनीता भगवती सम्मेलन के संयोजक सुनीति वल्लभ गोस्वामी ने सम्मेलन में पधाारे समस्त नार्थ-ईस्ट, बिहार, उड़ीसा, उ.प्र., दिल्ली, पश्चिम बंगाल से आए वेद-विद्वानों, वक्ताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया । इस प्रकार त्रिदिवसीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न हुआ ।

9.6.8 बोंगालगांव (असम) में त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न -

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेद-विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सहयोग से पूर्वोन्तर राज्य असम में दिनांक 1 से 3 फरवरी 2015 तक त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन भारद्वाज शान्ति आश्रम, देरगॉव जनपद गोला-घाट में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यातिथि उच्चतम न्यायालय भारत सरकार के पूर्व न्यायाधीश एवं उड़ीसा राज्य के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री एस.एन.फुकन एवं मान्य अतिथियों के दीप प्रज्ज्वलन से हुआ । दीप प्रज्ज्वलन के बाद चारो वेदों के वैदिक मंगलाचरण आगत वेदपाठियों द्वारा किया गया जिनमें प्रमुख रूप से ऋग्वेद की शाकल शाखा, शुक्ल यजुर्वेद काण्वशाखा, सामवेद कौथुम शाखा, अथर्ववेद शौनक शाखा एवं पौराणिक मन्त्र पाठ का पारायण किया गया ।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुनीति वल्लभ गोस्वामी एवं आचार्य रोहिणी वल्लभ गोस्वामी आदि मान्य अतिथियों का अंगवस्त्र प्रदान कर स्वागत एवं अभिनन्दन किया। स्वागत भाषण संस्था के संस्थापक आचार्य रोहिणी वल्लभ गोस्वामी ने किया। सारस्वत अतिथि डॉ. देवानन्द शुक्ल ने त्रिदिवसीय वैदिक सम्मेलन के उद्देश्य को रेखांकित किया । विशिष्ट अतिथि प्रो. जयप्रकाश नारायण द्विवेदी ने कहा कि वेद शास्त्र ज्ञानमूलक शास्त्र हैं। जिसमें समस्त ज्ञान-विज्ञान निहित है। 'वेदे सर्वं प्रतिष्ठितम्', सर्वज्ञानमयो हि सः, 'वेदोऽखिलोधर्ममूलम्' के द्वारा इसके महत्त्व को विवेचित किया गया है। आवश्यकता है कि इन ज्ञान विज्ञान के निहित तत्त्वों को समाज में प्रकाशित करने का, जो इन सम्मेलनों द्वारा ही सम्भव

होता है। मुख्यातिथि न्यायमूर्ति श्री एस.एन.फुकन ने अपने वक्तव्य में कहा कि वैदिक साहित्य हमारा राष्ट्रीय गौरव एवं इतिहास का प्रतीक साहित्य है। जिसमें सम्पूर्ण मानवता के कल्याण की बातों को बताया गया है। यह विश्व के लिए एक धरोहर ज्ञान साहित्य है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. विजय कर्ण ने कहा कि इस सारस्वत ज्ञान को सुरक्षित एवं संवर्द्धित करने में महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन का उल्लेखनीय योगदान रहा है तथा सम्प्रति कश्मीर से कन्याकुमारी तक वेदपाठशालाओं के माध्यम से सम्पूर्ण देश में वेद के आलोक से प्रकाशित कर रहा है। उन्होंने कहा कि वेद समस्त मानवीय सृष्टि का संविधान शास्त्र है इसका महत्त्व सर्वजनीन हैं। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए आचार्य रोहिणी वल्लभ गोस्वामी ने वेद को भारतीय एकता को एकसूत्र में बांधने वाला शास्त्र बतलाया । काशी उत्तर प्रदेश, बिहार, उड़ीसा, असम बंगाल एवं पूर्वोत्तर राज्यों से आये वैदिक विद्वानों वेद पाठियों तथा गणमान्य अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया गया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी से अपील की । कार्यक्रम का सञ्चालन कार्यक्रम संयोजक तथा सहायक आचार्य वेदान्त दर्शन विभाग संस्कृत कॉलेज गुवाहटी असम के डॉ. सुनीति वल्लभ गोस्वामी ने किया ।

समापन सत्र में मुख्यातिथि प्रो. सुधाकर द्विवेदी ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों में साम्प्रदायिक सद्भावनाओं के एकाकार करने में यह सम्मेलन सार्थक रहा । विशिष्टातिथि डॉ. देवानन्द शुक्ल ने विशेष रूप से कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए कहा कि इस सम्मेलन की एक विशेष उपलब्धि यह रही कि इस में वेदपाठियों ने भी शोधपत्र का वाचन किया । कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. लक्ष्मीश्वर झा ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि वेदों में सम्पूर्ण वैदिक आचार मीमांसा पर सुन्दरतम व्याख्यान एवं समीक्षा प्रस्तुत किया गया है। कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. सुनीति वल्लभ गोस्वामी ने किया।

9.6.9 नामची (साउथ सिक्किम) में त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न -

हिमवान् के सुरम्य गिरिशिखरों के बीच दक्षिण-सिक्किम के तीर्थ एवं सांस्कृतिक धरोहर-क्षेत्र, सोलोफोक-नाम्ची में, विक्रम संवत्सर २०७१ की चैत्र अमावस्या, तदनुसार २० मार्च'२०१५, शुक्रवार को सिक्किम के महामहिम राज्यपाल श्रीनिवास दादासाहेब पाटिल, गण-मान्य वैदिक-विद्वानों, प्रतिनिधियों तथा आमन्त्रित विशिष्ट-जनों की उपस्थिति में, भारत के अलग-अलग राज्यों से आये हुए वैदिक-विद्वानों के वेद-घोष के साथ त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन का शुभारम्भ हुआ ।

उज्जैन-स्थित महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेदविद्या प्रतिष्ठान तथा दक्षिण-सिक्किम के नाम्ची-स्थित श्री सिद्धेश्वर-धाम द्वारा संयुक्त-रूप से आयोजित इस सम्मेलन के उद्घाटन-समारोह के विशिष्ट-अतिथि और महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेदविद्या प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. रूपकिशोर शास्त्री ने अपने उपन्यास-सम्बोधन में प्रतिष्ठान द्वारा देशभर में किये जा रहे कार्य एवं उपलब्धियों को विस्तार से बताया । वैदिक-वाङ्गमय के विविध प्रकाशन की चर्चा करते हुए श्रीशास्त्री जी ने बताया कि प्रतिष्ठान ने ऋग्वेद की विलुप्त शांखायन शाखा का प्रकाशन करके और इस वेद-शाखा को पुनर्जीवित करके देश की अमूल्य धरोहर को सुरक्षित किया है । उन्होंने ये भी बताया कि भारत के उत्तर-पूर्व के दुर्गम राज्यों में, प्रतिष्ठान ने, जनवरी २०११ के बाद और अधिक तेजी के साथ अनेक वेद-विद्यालय शुरू करने में वित्तीय अनुदान देकर सहायता तथा प्रोत्साहन दिया है और इसी श्रृंखला में दक्षिण-सिक्किम के नाम्ची-स्थित श्री सिद्धेश्वर-धाम द्वारा वेदविद्यालय आरम्भ किया जाय तो प्रतिष्ठान इस हेतु सर्वविध सहायता करने को तैयार है । इस तत्काल घोषणा को सुनकर महामहिम राज्यपाल सहित सभी उपस्थित-जनों ने करतल-ध्वनि से सहर्ष स्वागत किया ।

समारोह के मुख्य-अतिथि पद से बोलते हुए सिक्किम के महामहिम राज्यपाल श्रीनिवास दादासाहेब पाटिल ने वेदों को विश्व की बहुमूल्य धरोहर बताया और कहा कि वेदों की मौखिक परम्परा को जीवित रखने के लिए विशेष प्रयास किए जाने चाहिए । राष्ट्रिय वेदविद्या प्रतिष्ठान के कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए महामहिम ने कहा कि इस प्रतिष्ठान की शोध-पत्रिका "वेदविद्या" और वार्ता-पत्रिका "वेदवार्ता"- दोनों ही महत्वपूर्ण प्रकाशन हैं और इनके माध्यम से अधिक से अधिक, जन-सामान्य को वैदिक ज्ञान-विज्ञान और परम्पराओं से अवगत किया जा सकता है ।

सम्मेलन के संयोजक और नाम्ची-चारधाम के समन्वयक, आचार्य मोहन तिम्सिना ने सूचित किया कि सम्मेलन के पहले दिन विभिन्न सत्रों में बोलते हुए प्रो. नमोनारायण बन्द्योपाध्याय, प्रो. वीरेन्द्रकुमार वेदालंकार तथा प्रो. विक्रम जी ने आज के मानव समाज की कई प्रकार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वैदिक-ज्ञान-विज्ञान के गम्भीर अध्ययन-अध्यापन और अनुसन्धान को बहुत ज़रूरी बताया । शाम को भगवान् श्रीसिद्धेश्वर की महा-आरती के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम में संस्कृत-स्तोत्रों का गायन और कुमारिकाओं द्वारा लोक-नृत्य प्रस्तुत किया गया जो बहुत ही श्रुति-मधुर और नयन-रम्य था ।

इस अखिल भारतीय वेद सम्मेलन के दूसरे दिन अर्थात् विक्रम संवत्सर २०७२ की चैत्र प्रतिपदा, तदनुसार २१ मार्च'२०१५, शनिवार को युगादि-गुडीपड़वा और नूतन-सम्वत्सर तथा चैत्र-नवरात्र के शुभारम्भ पर सम्मेलन के सभी प्रतिनिधि और वैदिक विद्वान उत्साह एवं सात्विकता से भरे हुए एक-दूसरे को अभिनंदित कर रहे थे । बंगलुरु से आये स्वामी अद्वैतानन्द जी ने अपने वक्तव्य में उपनिषदों के सन्दर्भों के साथ भारतीय वैदिक-मनीषा का महत्व प्रतिपादित किया । तत्पश्चात् , दिल्ली से पधारे सुप्रसिद्ध नक्षत्र-वैज्ञानिक और प्राच्यविद्या-विद् प्रो. डॉ. ओम्प्रकाश पाण्डेय ने प्रातः एवं दोपहर के सत्रों में ब्रह्माण्ड-रचना और सृष्टि-क्रम का वैज्ञानिक विश्लेषण, रुचिकर और मनोरंजक शैली में पीपीटी-माध्यम से प्रस्तुत किया जिसको देख-सुन कर एकत्रित जन-समूह गद्गद और अभिभूत हुआ । आकाशवाणी और दूरदर्शन के संस्कृत-समाचार-प्रसारक डॉ. बलदेवानंद सागर ने नाम्ची-स्थित श्री सिद्धेश्वर-धाम का अभिनन्दन करते हुए इस पावन भूमि को वैदिक-साधना की अनुकूल स्थली बताया और अपनी सद्यःशैली में सम्मेलन के पूरे कार्य-कलाप को सरल संस्कृत में सुनाकर श्रोताओं को भाव-विभोर किया ।

इस सम्मेलन का तीसरा अर्थात् अन्तिम दिन, सम्पूर्ति-समारोह का था जिसमें सिक्किम के सरल, यशस्वी एवं दूरदर्शी मुख्यमन्त्री श्रीपवन चामलिंग का आगमन प्रतीक्षित था । निर्धारित समय पर पधारे सिक्किम के मुख्यमन्त्री ने बड़े धैर्य और एकाग्रता से संस्कृत-विद्वानों के वक्तव्यों को सुना । दिल्ली संस्कृत अकादमी के सचिव डॉ. धर्मेन्द्र शास्त्री ने सिक्किम में संस्कृत-विश्वविद्यालय, संस्कृत-अकादमी एवं वेद-शोधसंस्थान की स्थापना का प्रस्ताव रक्खा तो संस्कृत-विद्वान् डॉ. विजयकरण ने संस्कृत को भाषित-भाषा के रूप में प्रतिष्ठापित करने के लिए मुख्यमन्त्री से साग्रह अनुरोध किया । डॉ. ओमप्रकाश पाण्डेय ने सिक्किम की प्राथमिक-शिक्षा-पद्धति के लिए रचनात्मक सुझाव दिए तो डॉ. बलदेवानंद सागर ने नामची या किसी अनुकूल स्थान पर सिक्किम में वेद-विद्यालय की प्रतिष्ठापना के लिए अपनी बात रक्खी । अन्तमें, प्रो. नमोनारायण बन्द्योपाध्याय ने अपने अन्य प्रस्तावों के साथ पांडुलिपि-शोध-केन्द्र की आवश्यकता की भी बात कही ।

माननीय मुख्यमन्त्री श्रीपवन चामलिंग ने अपनी सहज-सरल शैली में दक्षिण-सिक्किम के नाम्ची-स्थित श्री सिद्धेश्वर-धाम की अपनी संकल्पना का विस्तृत वर्णन करते हुए यहाँ पर प्रतिष्ठापित भारत के चारों तीर्थ-धाम और द्वादश ज्योतिर्लिंग की प्रतिष्ठापना-विधि के कार्यान्वयन की बात रक्खी । साथ ही, पूर्व-वक्ता संस्कृत-विद्वानों के सभी प्रस्तावों को सैद्धान्तिक रूप से स्वीकार करते हुए माननीय मुख्यमन्त्री ने वेद-विद्यालय के लिए घोषणा की जिसको उपस्थित-जनों ने काफी देर तक ताली बजा कर अभिनन्दित किया । वैदिक-विद्वानों ने माननीय मुख्यमन्त्री को वैदिक-मन्त्रों से आशीर्वाद देकर वर्धापित किया और सिक्किम की वैदिक-आध्यात्मिक उन्नति तथा निर्बाध विकास के लिए मंगलकामना की । महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेदविद्या प्रतिष्ठान के कार्यों और विद्वानों की उपस्थिति से प्रसन्न होकर माननीय मुख्यमन्त्री ने सभी को दुबारा आने का आमन्त्रण दिया और विशिष्ट विद्वानों को उपहार के रूप में सिक्किम की कालीन प्रदान कर सम्मानित किया ।

9.7 अध्येतावृत्ति

9.7.1 वैदिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अध्येतावृत्ति का प्रावधान है। इस प्रयोजन के लिए प्रतिष्ठान में एक व्यापक अध्येतावृत्ति योजना चलाई जाती है। इस योजना का प्रमुख उद्देश्य विद्वानों को, विशेष रूप से युवा शोध छात्रों को, अवसर प्रदान करके वेदों तथा वैदिक साहित्य के विभिन्न पक्षों पर अनुसन्धान को बढ़ावा देना है ताकि वे अनुसंधान-परियोजनाओं में पूर्णकालिक आधार पर अपने चयनित शोध विषयों पर गंभीर गवेषणा-कार्य कर सकें। इस योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित अध्येतावृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं –

1. राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति,
2. वरिष्ठ अध्येतावृत्ति,
3. सामान्य अध्येतावृत्ति,
4. कनिष्ठ अनुसंधान अध्येतावृत्ति।

9.7.2 पात्रता/अर्हताएँ, अध्येतावृत्ति की निबन्धन और शर्तें, विशिष्ट समय पर उपलब्ध अध्येतावृत्तियों की विभिन्न श्रेणियों की संख्या आदि का निर्धारण योजना में किया गया है। किसी विशेष वित्तीय वर्ष के दौरान परियोजना की व्यावहारिकता तथा बजट प्रावधान की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए अध्येतावृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं।

9.8 प्रकाशन

9.8.1 अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रतिष्ठान का एक महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम प्रकाशन है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत वैदिक साहित्य से संबंधित अप्राप्य एवं दुर्लभ ग्रंथों का प्रकाशन एवं पुनर्मुद्रण किया जाता है। समीक्षात्मक संस्करणों, कतिपय ग्रन्थों का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद, महत्त्वपूर्ण विषयों पर निबन्ध तथा प्रतिष्ठान के अध्येता विद्वानों द्वारा किये गये शोधकार्यों के प्रतिवेदनों का मुद्रण भी किया जाता है। इसके अतिरिक्त, संगोष्ठियों व कार्यशालाओं में प्रस्तुत किये गये शोधपत्रों को प्रकाशनार्थ लिया जाता है।

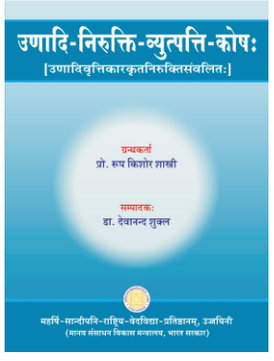

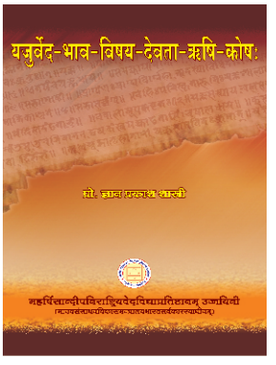

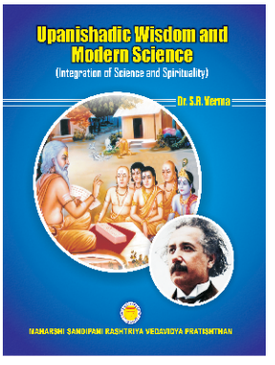

9.9 शोध-पत्रिका का प्रकाशन

9.9.1 प्रतिष्ठान नवीन अनुसंधानों को प्रोत्साहित करने के लिये 'वेदविद्या' नामक अन्ताराष्ट्रिय एक शोध पत्रिका (International Research Journal) का भी प्रकाशन करता है, जिसमें हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत तीनों भाषाओं में वेदविषयक उत्कृष्ट निबन्धों का प्रकाशन इस अभिप्राय से किया जाता है कि उनका लाभ विद्वज्जन एवं सामान्य जनता को प्राप्त हो सके। यह शोध पत्रिका ISSN 2230-8962से युक्त मूल्यांकित शोध-पत्रिका (Refereed Research Journal) है।

9.9.2 प्रतिष्ठान द्वारा अब तक प्रकाशित ग्रन्थ अथवा जिनके प्रकाशनार्थ वित्तीय सहायता दी गई, का विवरण अनुबंध 6 में दिया गया है।

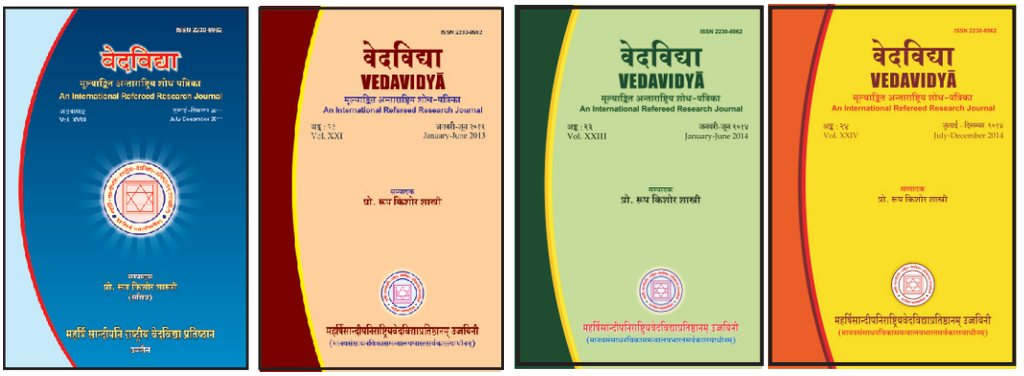

9.10 वेदवार्ता मासिक का प्रकाशन

9.10.1 प्रतिष्ठान द्वारा मई, 2012 से समाचार पत्रिका वेदवार्ता (मासिक) के नाम से प्रकाशन किया जा रहा है। इस मासिक वेदवार्ता में प्रतिष्ठान द्वारा देश में वर्ष भर तक होने वाले समस्त कार्यक्रमों वैदिक सम्मेलन, संगोष्ठी, गुरुशिष्य इकाइयों एवं पाठशालाओं में होने वाली परीक्षाओं वेदज्ञान सप्ताह, सबके लिए वैदिक कक्षाओं तथा प्रतिष्ठान से सम्बन्धित इकाइयों/पाठशालाओं में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं अन्य विशेष कार्यों की जानकारी मासिक रूप से प्रदान की जाती है।

9.11 पुस्तकालय

9.11.1 प्रतिष्ठान के पास उज्जैन में अपना एक बहुत अच्छा पुस्तकालय है तथा इस पुस्तकालय में वैदिक साहित्य तथा संबंधित विषयों पर 4000 से अधिक पुस्तकें हैं। अभी अर्हता प्राप्त पुस्तकालय स्टाफ की नियुक्ति होनी है, यद्यपि पुस्तकालय का और अधिक विस्तार नहीं हो पाया। तथापि वर्तमान वर्ष में पुस्तकालय की पुस्तक-संख्या में कुछ वृद्धि की गई है। यह पूर्णतः कम्प्यूटराईज्ड किया जा रहा है। शीघ्र ही पूर्ण हो जायेगा। राज्य सरकार द्वारा इसे आवंटित की गई भूमि पर प्रतिष्ठान के सम्पूर्ण निर्माण कार्यक्रम के अंश के रूप में तथा दीर्घकालीन उपायों के तौर पर, प्रतिष्ठान के पुस्तकालय के लिए विकास योजना, आवश्यक भवन की रूपरेखा सहित प्रस्तावित है।

9.12 वैदिक गणित

9.12.1 प्रतिष्ठान आरम्भ से ही वैदिक गणित में अनुसंधान का अनुसरण कर रहा है। 1992 – 93 वर्ष के दौरान इस विषय पर गठित एक विशेषज्ञ समिति कार्य करती रही। विभिन्न सिफारिशों पर की गई अनुवती कार्यवाही के फलस्वरूप, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद् ने कुछ सूत्रों तथा उनके अनुप्रयोगों को सुशोभित सामग्री के तौर पर शिक्षक दिग्दर्शिका तथा वैदिक गणित पर व्याख्यानों को शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल किया। वैदिक गणित में स्कूलों के शिक्षकों को प्रशिक्षण करने के लिए समय-समय पर कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं। आलोच्य वर्ष के दौरान, कोई कार्यशाला नहीं आयोजित की जा सकी।

9.13 'वैदिक डाइरेक्टरी' की निर्माण योजना

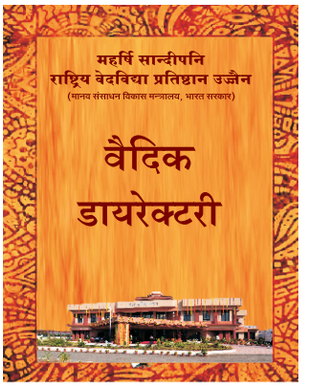

9.13.1 'वैदिक डाइरेक्टरी' के निर्माण की महत्त्वाकांक्षी योजना पर भी कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अुक्षण्ण बनाए रखने के लिए वैदिक विद्वानों की निर्देशिका तैयार कर शाखागत विद्वानों की जानकारी प्रस्तुत की गई है। वस्तुतः इस प्रकार की वैदिक विद्वत् निर्देशिका की माँग पर्याप्त समय से ही की जा रही थी । सम्प्रति प्रकाशनाधीन है, शीघ्र ही प्रकाशित कर लोकार्पित की जाएगी ।

9.14 वयोवृद्ध वेदपाठियों को वित्तीय सहायता

9.14.1 वर्ष 2014-15 के दौरान प्रतिष्ठान के योगदान के तौर पर 'वेदपाठ निधि ट्रस्ट', चेन्नई को 5,50,000/- रुपये का अनुदान वयोवृद्ध वैदिक पंडितों को सहायता प्रदान करने की उनकी योजना के लिये दिया गया। वेदपाठ निधि ट्रस्ट द्वारा वयोवृद्ध वैदिक पंडितों को नीचे दी गयी दरों से अनुदान दिया जाता है :

वेदपाठी जो 65 वर्ष की आयु से अधिक हैं जिन्होंने सुदीर्घकाल से वेद की किसी भी शाखा का अध्ययन-अध्यापन कराया है तथा संस्कृत और शास्त्र में पारंगत हैं, प्रत्येक को 2000/- रुपये प्रतिमाह की दर से सहायता दी जाती है।

9.14.2 प्रतिष्ठान द्वारा वयोवृद्ध वेदपाठियों, जो 65 वर्ष से अधिक आयु के हैं तथा विकलांग वेदपाठियों को अनुदान की राशि दी जाती है। आलोच्य वर्ष के दौरान 15 वयोवृद्ध एवं विकलांग वेदपाठियों को, प्रत्येक को 2000/- रुपये प्रतिमाह की दर से 3,96,000/- रुपये का अनुदान दिया गया।

9.15 नित्याग्निहोत्रियों को वित्तीय सहायता

9.15.1 प्रतिष्ठान के पास ऐसे नित्याग्निहोत्रियों को 2000/- रुपये प्रतिमाह की दर से वित्तीय सहायता प्रदान करने की एक योजना है जो सपत्नीक नियमित रूप से अपने घरों में प्राचीन वैदिक परम्परा के अनुसार सविधि

वेद मन्त्रों के उच्चारण सहित अग्न्याधान कर गो-सेवा करते हुए नित्य अग्निहोत्र का अनुष्ठान करते हैं। वित्तीय सहायता का उद्देश्य अग्निहोत्री द्वारा नित्य अग्निहोत्र अनुष्ठान करने के लिए उस पर होने वाले व्यय की आंशिक तौर पर प्रतिपूर्ति करना है। इसमें वरीयता उन्हें दी जाती है, जो वयोवृद्ध हैं, और नित्यकर्म के रूप में अग्निहोत्र का संपादन करते हैं।

9.15.2 प्रतिष्ठान द्वारा नित्याग्निहोत्रियों को वर्ष 2014-15 के दौरान 58 नित्याग्निहोत्रियों को, प्रत्येक को 2000/- रुपये प्रतिमाह की दर से 9,00,000/- रुपये का अनुदान दिया गया।

9.16 वेदपाठियों का सम्मान

9.16.1 वर्ष 2014-15 के दौरान वेदपाठियों को वाराणसी (उ.प्र.), महासमुन्द (छ.ग.), पुणे (महाराष्ट्र), मैसूर (कर्नाटक), ऊना (हि.प्र.), नामची (साउथ सिक्किम), बोंगालगांव (असम), गुवाहटी (असम) में आयोजित वैदिक सम्मेलनों के अवसर पर समागत प्रत्येक वेदपाठी को भिन्न-भिन्न स्थानों पर 2100/-, 3100/- तथा 5100/- रु. की सम्भावना राशि से सम्मानित किया गया ।

9.17 वेद ज्ञान सप्ताह समारोह

9.17.1 प्रतिष्ठान ने वैदिक ज्ञान एवं उसमें निहित मानवीय मूल्यों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए देश के विभिन्न भागों में वेद ज्ञान सप्ताह समारोह मनाने का एक कार्यक्रम शुरू किया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश में वेदों, वैदिक ज्ञान तथा भारतीय संस्कृति के बारे में जागृति उत्पन्न करना है।

9.17.2 इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रख्यात वैदिक संस्थाओं अथवा विद्वानों के लिये स्वीकार्य नियमों के अनुसार एक पूरे सप्ताह के दौरान ऐसे कार्यकलाप, जैसे कि जन-साधारण की उपयोगिता वाले चुनिन्दा विषयों पर प्रख्यात वैदिक विद्वानों द्वारा व्याख्यान, चित्रों, चार्टों तथा मॉडलों आदि के माध्यम से प्रदर्शनियाँ आयोजित करने, आकाशवाणी तथा दूरदर्शन के नेटवर्क पर वैदिक सूक्तियों से सम्बन्धित उचित संदेशों का प्रसारण करने, छात्रों में वैदिक सूक्तों/मंत्रों का मन्त्रोच्चारण प्रतियोगिता करने तथा उन्हें पुरस्कार प्रदान करने और विद्वानों को सम्मानित करने के लिए अनुदान दिया जाता है।

9.17.3 प्रतिवेदन वर्ष के दौरान निम्न स्थान पर वेदज्ञान सप्ताह आयोजित किया गया - गजेन्द्र चतुष्पाठी, कोलकत्ता- दिनांक 15 अगस्त 2014 से 21 अगस्त 2015 तक ।

9.18 वैदिक मंत्रोच्चारण की टेप रिकार्डिंग (ध्वन्यङ्कन)

9.18.1 मौखिक परम्परा के संरक्षण के लिए प्रतिष्ठान का एक आवश्यक कार्यकलाप विभिन्न वैदिक शाखाओं के मंत्रोच्चारण की टेप रिकार्डिंग (ध्वन्यङ्कन) सी.डी./डी.वी.डी. में करना है। राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में कुछ शाखाओं की टेप रिकार्डिंग करने का एक केन्द्र है। वर्ष 1992–93 तथा 1993–94 के दौरान, प्रतिष्ठान हेतु टेपों के डुप्लीकेट बनाने के लिए विद्यापीठ के सहयोग से व्यवस्था की गई थी, ताकि वेद मंत्रोच्चारण का एक पूरा सेट उपलब्ध हो सके। तिरुपति विद्यापीठ में जितने टेप उपलब्ध थे, उनके डुप्लीकेट टेप बनाए जा चुके हैं। प्रतिष्ठान द्वारा विभिन्न स्त्रोतों से विभिन्न शाखाओं तथा विभिन्न शैलियों में जो वैदिक मंत्रोच्चारण संबंधी ऑडियो–वीडियो (श्रव्य–दृश्य) टेप संकलित किए गए हैं। इस सन्दर्भ में लगभग 70 घण्टे की आडियो सी.डी.एम.पी.3 स्वरूप में संकलित कर प्रतिष्ठान में विद्वानों के लिए उपलब्ध है, जिसका विवरण अनुबन्ध 7 में दिया गया है। प्रतिष्ठान का अब अपना शानदार परिसर तैयार हो गया है, शीघ्र ही यहीं स्टूडियों तैयार कर उक्त समस्त रिकार्डिंग करना प्रस्तावित है जिसे शीघ्र ही क्रियान्वित किया जायेंगा ।

9.19 पैकेज ऑडियो कैसेटों को तैयार किया जाना

9.19.0 वर्ष 1994–95 में, वेद विद्या को लोकप्रिय बनाने हेतु 20 से 25 घंटे का पैकेज ऑडियो कैसेट तैयार करने हेतु, प्रारम्भ में हिन्दी में, वेदों का परिचय कराने, वैदिक परम्परा तथा उसमें निहित नैतिक एवं मानवीय मूल्यों की जानकारी के संबंध में प्रारम्भिक ज्ञान देने के लिये कार्यक्रम आरम्भ किया गया था, जिसका अब परिष्कृत एवं अधुनातन तकनीकि पर किया जाना प्रस्तावित है, जिसे शीघ्र ही क्रियान्वयन करने की प्रक्रिया में है।

9.20 घर बैठे वेदों की शिक्षा

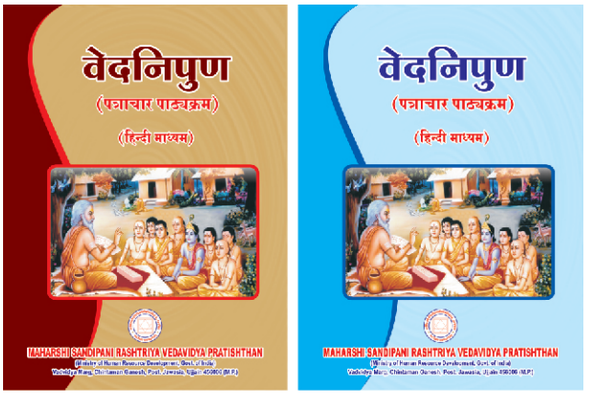

9.20.1 प्रतिष्ठान द्वारा घर बैठे वेदों की शिक्षा का पत्राचार पाठ्यक्रम का कार्यक्रम सम्यक्तया चल रहा है। इसमें उत्तीर्ण वेदानुरागियों को 'वेद–निपुण' प्रमाण–पत्र प्रदान किया जाता है। इस योजना के अन्तर्गत जनसामान्य को चारों वेद, वेदाङ्ग, ब्राह्मणग्रन्थ, आरण्यक, उपनिषद्, भारतीय संस्कृति का स्वरूप एवं महत्त्व, भारतीय दर्शन शास्त्र की सामान्य जानकारी जन–जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से पाठ्यक्रम को मूर्त रूप दिया गया है। इसके साथ ही पाठ्यक्रम को रुचिकर बनाने के लिए वैदिक आख्यानों एवं गाथाओं को भी यथास्थान प्रस्तुत किया गया है। इस सत्र के दौरान पाठ्यक्रम सुव्यवस्थित रूप से चलता रहा। उक्त पाठ्यक्रम को हिन्दी अथवा अंग्रेजी माध्यम से किया जा सकता है।

9.21 सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या पुरस्कार

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के माननीय अध्यक्ष एवं मानव संसाधन विकास मन्त्री, भारत सरकार के अनुमोदन से प्रतिष्ठान द्वारा प्रतिवर्ष वैदिक अध्ययन के क्षेत्र में मौलिक लेखन तथा वेदविषयक ग्रन्थों का भाष्य, पाण्डुलिपियों का सम्पादन, वेदविद्या में शोध, वैदिक संस्कृति व दुर्लभ ज्ञान को संरक्षित करने हेतु प्रतिष्ठान के रजत जयन्ती वर्ष 2012 में एक लाख रुपये के सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या पुरस्कार से सम्मानित करना प्रारम्भ किया है।

9.22 वैदिकों के ज्ञान की अभिवृद्धि बाबत पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों का आयोजन

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान द्वारा समस्त अनुदानित वेद पाठशालाओं के वैदिक अध्यापकों में वैदिक शिक्षण की तकनीकि विकास, कौशल, वैदिक अध्ययन-अध्यापन में एक दूसरे के साथ सामंजस्य, एकरूपता एवं आचार्यों की योग्यता में गुणवत्ता लाने हेतु इस पुनश्चर्या पाठ्यक्रम को प्रारम्भ किया गया है, जिसका अप्रत्याशित लाभ प्रतिष्ठान के समस्त आचार्यों को प्राप्त हो रहा है।

9.22.1 इस वर्ष 2014-15 में महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान द्वारा दिनांक 10 से 24 मई 2014 को दूसरा पुनश्चर्या कार्यक्रम पूर्व तिरुपति श्री बालाजी सेवा समिति गुवाहाटी (असम) में आयोजित किया गया । तीसरा पुनश्चर्या कार्यक्रम दिनांक 7 से 27 जुलाई 2014 को उज्जैन स्थित प्रतिष्ठान परिसर में इसका आयोजन किया गया तथा दिनांक 20 अगस्त 2014 से 5 सितम्बर 2014 तक चतुर्थ पुनश्चर्या कार्यक्रम का आयोजन पूर्व तिरुपति बालाजी सेवा समिति गुवाहाटी (असम) में आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में व्याख्यान हेतु वेद एवं संस्कृत के प्रख्यात मनीषियों को आमन्त्रित किया गया ।

अनुबन्ध
2014-15

उद्देश्य

प्रतिष्ठान की स्थापना निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति के लिये की गई है :-

1. वैदिक अध्ययन की श्रुति-परम्परा का संरक्षण, परिरक्षण और विकास, जिसके लिये प्रतिष्ठान विभिन्न कार्यकलाप प्रारम्भ करेगा, जैसे कि पारम्परिक वैदिक संस्थाओं और विद्वानों को सहायता, छात्रवृत्तियाँ आदि देना और दृश्य तथा श्रव्य टेप की तैयारी।
2. विद्वानों और पण्डितों के माध्यम से सस्वर वेदपाठ की परम्परा को बल देना।
3. इस क्षेत्र में उच्चतर शोध में समर्पित विद्यार्थियों को प्रवृत्त करने के लिये उन्हें प्रोत्साहन देना।
4. जिन विद्यार्थियों को वेदों के ज्ञान की गुणता है, उन्हें शोध की सुविधाओं का प्रावधान करना और उनमें पर्याप्त वैज्ञानिक और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न करना, जिससे कि वेदों में जो आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान है, विशेष रूप से गणित, खगोलशास्त्र, जन्तुविज्ञान, रसायनशास्त्र, द्रवचालिकी (हाइड्रोलिक्स) आदि के बारे में, उसका तादात्म्य आधुनिक विज्ञान और टेक्नोलोजी से स्थापित किया जाए और साथ ही विद्यार्थियों और आधुनिक विद्वानों के बीच घनिष्ठ सम्बन्ध स्थापित किया जा सके।
5. देश भर में वैदिक पाठशालाओं और शोध केन्द्रों की स्थापना, उनका अधिग्रहण, प्रबन्ध चलाना या उनका पर्यवेक्षण या प्रतिष्ठान के किसी भी उद्देश्य के लिये उनका संचालन या भरण-पोषण करना।
6. जो भी वेद से सम्बन्धित धर्मस्व या न्यास बन्द हो चुके हैं या ठीक ढंग से नहीं चलाए जा रहे हैं, उनको फिर से उज्जीवित करना और उनका प्रबन्ध चलाना।
7. उन शाखाओं की ओर विशेष ध्यान देना जो लुप्त हो रही हैं, जिनके मानव-मात्र पहचाने जा सकते हैं और इन शाखाओं से सम्बन्धित पण्डितों की व्यापक सूची तैयार करना।
8. यह पता लगाना कि वेदों की श्रुति-परम्परा में विशेष प्रकार के सस्वर पाठ कौन-कौन से हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों, संस्थाओं और मठों में प्रचलित हैं और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है।
9. वैदिक शाखाओं की विभिन्न उच्चारण परम्पराओं के बारे में यह जानकारी एकत्रित करना कि मूल-पाठ की सामग्री, छपी हुई पाण्डुलिपियाँ, टीकाएँ और भाष्य उपलब्ध हैं या नहीं।
10. देश में जो दृश्य या श्रव्य रिकार्ड उपलब्ध हैं, उनके बारे में जानकारी सङ्कलित करना।
11. वैदिक युग के आरम्भिक काल से लेकर वर्तमान तक वैदिक मूलपाठ और वैदिक साहित्य में निहित वैज्ञानिक ज्ञान, जिनमें विज्ञान, कृषि, प्रौद्योगिकी, दर्शन-शास्त्र, योग, शिक्षा, काव्यशास्त्र, भाषाविज्ञान और वैदिक परम्परा के क्षेत्र शामिल हैं, की उन्नति हेतु अनुसन्धान करना और इसके लिये ग्रन्थालय, शोध उपस्कर, अनुसन्धान सुविधाएँ, आलम्बन स्टाफ तथा तकनीकी जनशक्ति का प्रावधान करना।
12. ऐसे सारे कार्यकलाप प्रारम्भ करना, जो प्रतिष्ठान की संस्थापना नियमावली में दिये गये सारे उद्देश्यों या किसी एक की पूर्ति के लिए आवश्यक, आनुषङ्गिक या सहायक है।

अनुबन्ध-2

महासभा के सदस्यों की सूची

1. **श्रीमती स्मृति ज़ुबिन ईरानी** — **अध्यक्ष**
माननीय मन्त्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार, नई दिल्ली 110001

2. **प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा** — **उपाध्यक्ष**
प्रोफेसर, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

3. **पं. मोरेश्वर विनायक घैसास**
विनायक घैसास गुरुजी वेदपाठशाला, वेद भवन,
क्र. 77/1/2, पौंड रोड, कौथरुड, पुणे – 411029 (महाराष्ट्र)

4. **श्री मागन्ती सुब्रह्मन्यम्**
अध्यक्ष, कृष्ण मण्डल वेद विद्वत् प्रवर्धक सभा,
40–12–8/2, बृन्दावन कॉलोनी, वेंकटश्वरपुरम्, विजयवाड़ा 520010 (आ.प्र.)

5. **डॉ. रामप्रसाद उपाध्याय**
वेद वेदाङ्ग संस्कृत महाविद्यालय, रुद्रप्रयाग (उत्तराखण्ड)

6. **प्रो. जयप्रकाश नारायण द्विवेदी**
निदेशक, श्री द्वारकाधीश संस्कृत अकादमी एवं इन्डोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट
द्वारका – 361335 (गुजरात)

7. **डॉ. रवीन्द्रनाथ भट्टाचार्य**
निदेशक, वेद विद्या पीठम्, 646, रविन्द्र सारणी, बाग बाजार, कोलकाता 700003 (प. बं.)

8. **प्रो. आनन्दकुमार श्रीवास्तव**
प्रोफेसर ऑफ वेद, संस्कृत विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी 221005 (उ.प्र.)

9. **प्रो. देवेन्द्रनाथ पाण्डेय**
प्रोफसर एवं अध्यक्ष, वेद विभाग, डीन, फेकल्टी ऑफ वेद – वेदाङ्ग,
श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय मार्ग, वेरावल – 362265 (गुजरात)

10. **डॉ. वी. रामकृष्ण भट्ट**
डीन, फेकल्टी ऑफ वैदिक मेटाफिजिक्स, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालड़ी (केरला)

11. **प्रो. भीमसिंह**
प्रोफेसर, संस्कृत, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र – 136119 (हरियाणा)

12. **अतिरिक्त सचिव**
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, (माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001

13. **वित्त सलाहकार**
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, (माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग), शास्त्री भवन, नई दिल्ली

14. **संयुक्त सचिव (भाषाएँ)**
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, (माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग),
शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001

15. **अध्यक्ष**
केन्द्रीय संस्कृत बोर्ड, 31, औरंगाबाद रोड, नई दिल्ली 110001

16. **अध्यक्ष**
टी.टी. देवस्थानम् बोर्ड मेनेजमेन्ट कमेटी, तिरुपति (आंध्रप्रदेश)

17. **डॉ. एस. नटराजन**
अध्यक्ष, शंकर अकादमी ऑफ संस्कृत, कल्चर एण्ड क्लासिकल आर्ट्स,
शहीद जीतसिंह मार्ग, कटवारिया सराय, नई दिल्ली –110016

18. **अध्यक्ष,**
चतुर्धाम वेद भवन न्यास, स्वदेशी हाउस, सिविल लाइन्स, कानपुर (उत्तरप्रदेश)

19. **डॉ. भाग्यलता ए. पाटस्कर**
निदेशक, वैदिक संशोधन मण्डल, टीण्वीण्नगर, पूना (महाराष्ट्र)

20. **कुलपति**
राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56 – 57 इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली 110057

21. **सचिव**
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, जनपथ, नई दिल्ली 110001

22. **कुलपति,**
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, कटवारिया सराय, नई दिल्ली 16

23. **प्रो. एच. के. शतपथी**
कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति 517507

24. **कुलपति**
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा 846003 (बिहार)

25. **कुलपति**
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, जगतगंज, वाराणसी 221001

26. **कुलपति**
श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री विहार, पुरी

27. **कुलपति**
गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार

28. **निदेशक,**
विश्वेश्वरानंद वैदिक रिसर्च इंश्टीट्यूट, पो. आ. साधु आश्रम, होशियारपुर, पंजाब

29. **संयुक्त सचिव (सांस्कृतिक धरोहर)**
संस्कृति विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001

30. **प्रो. रूप किशोर शास्त्री**
सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेद विद्या प्रतिष्ठान,
वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पोस्ट–जवासिया, उज्जैन ४५६००६ (म.प्र.)

अनुबन्ध-3

शासी परिसद के सदस्यों की सूची

1. **श्रीमती स्मृति ज़ुबिन ईरानी** — **अध्यक्ष**
माननीय मन्त्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार, नई दिल्ली 110001

2. **प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा** — **उपाध्यक्ष**
प्रोफेसर, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

3. **वित्त सलाहकार**
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, (माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001

4. **संयुक्त सचिव (भाषाएँ)**
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, (माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001

5. **श्री मागन्ती सुब्रह्मण्यम्**
अध्यक्ष, कृष्ण मण्डल वेद विद्वत् प्रवर्धक सभा, 40-12-8/2, बृन्दावन कॉलोनी,
वेंकटश्वरपुरम्, विजयवाड़ा 520010 (आ.प्र.)

6. **प्रो. भीमसिंह**
प्रोफेसर, संस्कृत, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र-136119 (हरियाणा)

7. **कुलपति**
राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय),
56-57, इंस्टीट्यूशनल ऐरिया, जनकपुरी, नईदिल्ली-110057

8. **उपसचिव (भाषाएँ)**
शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नईदिल्ली 110001

9. **प्रो. रूप किशोर शास्त्री**
सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेद विद्या प्रतिष्ठान,
वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पोस्ट-जवासिया, उज्जैन ४५६००६ (म.प्र.)

वित्त समिति के सदस्यों की सूची

1. **प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा** — **अध्यक्ष**
   उपाध्यक्ष, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन एवं
   प्रोफेसर, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

2. **वित्त सलाहकार**
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, (माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग)
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001

3. **संयुक्त सचिव (भाषाएँ)**
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, (माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग)
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001

4. **कुलपति**
   राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय),
   56-57, इंस्टीट्यूशनल ऐरिया, जनकपुरी, नईदिल्ली-110057

5. **श्री मागन्ती सुब्रह्मन्यम्**
   अध्यक्ष, कृष्ण मण्डल वेद विद्वत् प्रवर्धक सभा, 40-12-8/2, बृन्दावन कॉलोनी,
   वेंकटश्वरपुरम्, विजयवाड़ा 520010 (आ.प्र.)

6. **प्रो. रूप किशोर शास्त्री**
   सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेद विद्या प्रतिष्ठान,
   वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पोस्ट-जवासिया, उज्जैन ४५६००६ (म.प्र.)

अनुदान समिति के सदस्यों की सूची

1. **प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा** — **अध्यक्ष**
   उपाध्यक्ष, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

2. **संयुक्त सचिव (भाषाएँ)**
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, (माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग)
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001

3. **प्रो. शशि प्रभा कुमार**
विशिष्ट संस्कृत अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली

4. **डा. गौतम भाई पटेल**
पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत अकादमी, गुजरात

5. **अवर सचिव (समाकलित वित्त विभाग)**
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, (माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001

6. **डा. पी.के. श्रीवत्स**
नं. 64, IIIrd क्रास, गवीपुरम एक्सटेंशन, बंगलौर 560019 (कर्नाटक)

7. **प्रो. रूप किशोर शास्त्री**
सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेद विद्या प्रतिष्ठान,
वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पोस्ट-जवासिया, उज्जैन ४५६००६ (म.प्र.)

परियोजना समिति के सदस्यों की सूची

1. **प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा** **अध्यक्ष**
उपाध्यक्ष, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेद विद्या प्रतिष्ठान,
वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पोस्ट-जवासिया, उज्जैन ४५६००६ (म.प्र.)

2. **प्रो. युगलकिशोर मिश्र**
७, प्रोफेसर कॉलोनी, जगतगंज, वाराणसी २२१००२ (उ.प्र.)

3. **डॉ. गोकुलेन्द्र एन. डी. गोस्वामी**
H/o श्री डी. एस. देव शर्मा, काली मन्दिर, ज्योतिनगर (वेस्ट) गुवाहाटी (असम)

4. **श्री वी. गोपालकृष्णन शास्त्री**
सेवानिवृत्त प्राचार्य, संस्कृत कॉलेज, राजमुन्दरी (आ.प्र.)

5. **प्रो. किशोरचन्द्र महापात्र**
अध्यक्ष, धर्म शास्त्र विभाग, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी (उड़ीसा)

6. **डॉ. पी. के. श्रीवत्स**
नं. 64, IIIrd क्रास, गवीपुरम एक्सटेंशन, बंगलौर 560019 (कर्नाटक)

7. **पं. साधु भद्रेश**
स्वामी नारायण मन्दिर, अक्षरधाम मन्दिर, अहमदाबाद (गुजरात)

8. **प्रो. दयानन्द भार्गव**
फ्लेट- नं. G & 1, D & 148, पेराडाईज अपार्टमेन्ट, जयपुर ३०२ ०२६ (राजस्थान)

9. **श्री कृष्णमूर्ति शास्त्रीगल**
मकान नं. २, संस्कृत कॉलेज स्टीट, मैलापोर, चैन्नई - ४ (तमिलनाडु)

10. **प्रो. रूप किशोर शास्त्री**
सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेद विद्या प्रतिष्ठान,
वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पोस्ट-जवासिया, उज्जैन ४५६००६ (म.प्र.)

अनुबन्ध - 4 (अ)

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

वर्ष 2014-2015 के दौरान वेद पाठशालाओं/विद्यालयों को जारी अनुदान का विवरण

क्र.सं.	पाठशाला / वेद विद्यालय / संस्था का नाम जिन्हें अनुदान दिया गया	वेद तथा शाखा	प्रयोजन	राशि
आन्ध्रप्रदेश -				**45,14,000/-**
1.	सचिव, वेद परिषद्, पट्टाभिपुरम्, 3-25-13 A, रविन्द्र नगर, गुन्टूर (आन्ध्रप्रदेश)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक को मानदेय, 23 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	9,40,000/-
2.	सचिव, सर्वार्या एजुकेशनल ट्रस्ट कपिलईश्वरपुरम् जामिन्द्र का मकान गांधीनगर, काकीनाडा (आन्ध्रप्रदेश)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय अध्यापक को मानदेय, तथा 20 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	7,98,000/-
3.	सचिव, श्री शंकर् गुरुकुल वेद पाठशाला 18-261, मल्लिकार्जुन नगर, मल्कागिरी, हैदराबाद (आन्ध्रप्रदेश)	कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा)	4 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 44 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	19,80,000/-
4.	अध्यक्ष, वेदवेदान्त गुरुकुल महाविद्यालय ग्राम- माडिपाडु, आचमपेत मंडल, गुन्टूर (आन्ध्रप्रदेश)	शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा व माध्यन्दिन शाखा)	2 वेद अध्यापकों, एवं 27 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति Grant Sanctioned but not raleased till date, becase daffered stopend of students of this pathshala is still arraited	7,96,000/-
बिहार -				**19,20,000/-**
5.	श्री आर्ष विद्या शिक्षण प्रशिक्षण सेवा संस्थान, महर्षि नगर, छोटा वरियारपुर, मोतिहारी, पूर्वी चम्पारण (बिहार) 845401	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) कृष्ण यजुर्वेद (तैतिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा)	6 वेद अध्यापकों 1 संस्कृत अध्यापक एवं 3 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 63 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	15,24,000/-
6.	श्री संत पशुपति नाथ वैदिक संस्थान, कैलाश भवन पुनईचक, पटना (बिहार)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन) अथर्ववेद (शौनक शाखा)	3 वेद अध्यापकों को मानदेय, तथा 45 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,96,000/-

दिल्ली -				**17,50,000/-**
7.	सांगोपांग वेद विद्यापीठ, आर्ष गुरुकुल, टटेसर, जौन्ती, दिल्ली 110081	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा)	3 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 35 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति, 14 वित्तविहीन छात्र	17,50,000/-
गुजरात -				**34,66,000/-**
8.	भारतीय चतुर्धाम वेदभवन न्यास, द्वारका वेद भवन वेद पाठशाला, भडकेश्वर रोड, जिला जामनगर (गुजरात) 361335	अथर्ववेद (शौनक शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा) शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	5 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 29 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति (दो छात्र वित्तविहिन)	17,70,000/-
9.	श्री शारदापीठ विद्यासभा श्री शंकराचार्य अभिनव सच्चिदानंद तीर्थ वेद विद्यालय द्वारका, जिला जामनगर (गुजरात) 361335	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन) सामवेद (कौथुम शाखा)	4 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 33 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	16,96,000/-
हिमाचल प्रदेश -				**29,76,000/-**
10.	श्री गुरुशिखर वेद विद्यालय महेशनगर, ओयल, ऊना 177206 (हिमाचल प्रदेश)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा) कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा)	6 वेद तथा 85 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	29,76,000/-
कर्नाटक -				**48,39,000/-**
11.	सचिव, विद्यारण्य विद्यापीठ ट्रस्ट सन्दुर रोड, बेलरी, जिला होस्पेट (कर्नाटक)	कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 19 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	10,46,000/-
12.	सचिव, मणिगिरि वेलफ़ेयर ट्रस्ट श्री माणिक प्रभु वेद पाठशाला, माणिक नगर, जि० बीदर (कर्नाटक)	कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा) शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा)	8 वेद अध्यापकों, 2 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 68 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	31,45,000/-
13.	प्राचार्य, श्री वेदमाता वेद संस्कृत गुरुकुल पाठशाला, श्री रंगपट्टन, जिला – मांडे (कर्नाटक)	कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति (11 withoutgrant (7 fail / absent)	6,48,000/-

केरल -				**48,71,000/-**
14.	सचिव, कामकोटि यजुर्वेद पाठशाला ब्रह्मस्वम् मठम्, इरिंजालकुडा, त्रिचूर (केरल)	कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 14 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	7,32,000/-
15.	सचिव, तंत्र विद्यापीठम्, यू०सी० कॉलेज, पो०आ० अलवाय (केरल)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	2 वेद अध्यापकों 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 21 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	10,74,000/-
16.	सचिव, वेद रक्षण समिति, रामनाथपुरम्, अग्रहरम पलक्कड, पालघाट (केरल)	कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	4 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक को मानदेय तथा 27 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	13,07,000/-
17.	सचिव, वडक्केठम ब्रह्मस्वम एम०जी० रोड, त्रिसूर – 680 001 (केरल)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक को मानदेय,तथा 24 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	9,96,000/-
18.	वेद शास्त्र विद्या ट्रस्ट, सम्पूर्णम्, 14- अन्सारी स्ट्रीट, रामनगर, कोयम्बटूर (केरल)	ऋग्वेद (शाकल शाखा) कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 19 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	7,62,000/-
महाराष्ट्र -				**1,34,84,000/-**
19.	श्री संत ज्ञानेश्वर वेदविद्या प्रतिष्ठान एन-9, एल- 77/1, शिवाजी नगर, सिडको, औरंगाबाद (महाराष्ट्र) 431003	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	3 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 20 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	13,32,000/-
20.	सच्चिदानन्द वेद स्वाध्याय प्रतिष्ठान पोस्ट – ध० टाकली, तहसील पूर्णा परभणी (महाराष्ट्र) 431511	ऋग्वेद (शाकल शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा) शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	7 वेद अध्यापकों, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 53 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	22,40,000/-
21.	श्री स्वामी अखण्डानन्द वेदवेदाङ्ग संस्कृत महाविद्यालय, श्री कैलाश मठ, पेठ रोड, पंचवटी, नासिक (महाराष्ट्र) 422003	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	3 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक, 3 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 58 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	23,46,000/-
22.	सचिव, वैदिक ज्ञान विज्ञान संस्कृत महाविद्यालय 3/12, गणराज संकुल अपार्टमेंट पंचवटी, कारंजा, नासिक – 422003 (महाराष्ट्र)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 27 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	13,14,000/-

23.	सचिव, समर्थ वेदविद्यालय, ढालेगांव, विष्णुपुरी, पोस्ट - रामपुरी, ता. पाथरी, जिला – परभणी 431506 (महाराष्ट्र)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन व काण्व शाखा) कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) सामवेद (राणायनी शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा)	7 वेद अध्यापकों, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 40 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	18,84,000/-
24.	प्राचार्य, श्री सदगुरु निजानन्द महाराज वेद विद्यालय, चैतन्य आश्रम के पास, मु.पो. आलन्दी, ता.खेड़, जिला पुणे – 412105 (महाराष्ट्र)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	3 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 31 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	15,24,000/-
25.	महर्षि याज्ञवल्क्य संस्कृत विद्या प्रतिष्ठान, यज्ञभूमि गंगाखेड, परभणी – 431514 (महाराष्ट्र)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	5 वेद अध्यापकों , 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय व 37 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	18,24,000/-
26.	श्री चतुर्वेदेश्वरधाम सावरगांव पोस्ट - पिपली, वाया - आर. टी. तालू, परतूर, सांवरगांव, जिला जालना (महाराष्ट्र) 431507	ऋग्वेद (शाकल शाखा) सामवेद (राणायणीय शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा)	3 वेद अध्यापकों तथा 20 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	10,20,000/-
<u>मध्यप्रदेश -</u>				**46,94,612/-**
27.	आ. वाचस्पति शुक्ल संस्कृत वेदपाठशाला, श्री संकटमोचन हनुमान मन्दिर, आवन, तहसील राघौगढ़, गुना (म.प्र.)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा)	3 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 50 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	16,92,000/-
28.	ब्रह्मर्षि श्री श्री मौनी बाबा वेद विद्यालय, गंगाघाट, उज्जैन (म०प्र०)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	5 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 3 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, व 17 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	14,42,612/-
29.	श्री गरुड़ध्वज वैदिक शिक्षा समिति, श्री रंगनाथ मन्दिर, रंगनाथ मार्ग, रंगनाथ नगर, कटनी 483501 (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, व 38 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	15,60,000/-
<u>औडिशा -</u>				**79,50,000/-**
30.	सचिव, भारतीय चतुर्धाम वेदभवन वेदपाठशाला, स्वर्गद्वार, पुरी (औडिशा) 752001	शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा)	2 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 38 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति 3 छात्र वित्तविहीन	15,96,000/-

31.	गरुडध्वज श्री वासुदेव याज्ञवल्क्य वेदपाठशाला, जीयरस्वामी मठ, बालिसाहि, पुरी (औडिशा) 752001	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन तथा काण्व शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा) शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा)	5 वेद अध्यापक, 2 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 87 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति उत्तीर्ण वित्तविहीन छात्र -16	33,90,000/-
32.	श्री रामानन्दाचार्य काण्व वेद पाठशाला, बलराम कोठ मठ, पुरी (औडिशा) 752001	शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा)	2 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 32 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति, उत्तीर्ण वित्तविहीन छात्र - 02	14,04,000/-
33.	वेद पाठशाला, ब्रह्मपुर, डायमंड टेंक रोड, ब्रह्मपुर, गंजाम (औडिशा)	शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा) अथर्ववेद (पैप्पलाद शाखा)	4 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय, ... वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	
34.	गुरुकुल वेदपाठशाला, चरकनगर, लोकनाथ घाट, पुरी (औडिशा) 752002	शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा)	3 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय, व 36 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति, उत्तीर्ण वित्तविहीन छात्र - 07	15,60,000/-
राजस्थान -				**2,00,13,217/-**
35.	श्री बलराम वेद पाठशाला, श्री बाबाजी की कुई, बलराम आश्रम ट्रस्ट, श्री बलराम नगर, आगरा रोड, बस्सी जिला – जयपुर (राजस्थान) 303301	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	3 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय,एवं 41 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति (6 सप्तम वर्ष छात्रों को 3 माह छात्रवृत्ति)	17,52,000/-
36.	श्री जानकीनाथ वेद विद्यालय, रेवासा धाम, जिला सीकर (राजस्थान) 312023	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	3 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, एवं 46 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति (7 सप्तम वर्ष छात्रों को 3 माह की छात्रवृत्ति)	15,90,902/-
37.	श्री मुनिकुल ब्रह्मचर्याश्रम वेद संस्थान वरुंदनी, तह. माण्डलगढ, जिला भीलवाडा (राजस्थान) 311604	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन व काण्व), सामवेद (राणायनीय व कौथुम), ऋग्वेद (शाकल शाखा) अथर्ववेद (शौनक व पैप्पलाद)	12 वेद अध्यापक, 3 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 148 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति (30 सप्तम वर्ष छात्रों को 9 माह की छात्रवृत्ति)	60,71,000/-
38.	श्री वीर हनुमान ऋषिकुल वेदविद्यालय, सामोद पर्वत, नांगल भरडा, चौमूं जिला जयपुर (राजस्थान) 3038007	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	2 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 34 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति (3 सप्तम वर्ष के छात्रों में से 2 को 2 माह एवं 1 को 1 माह)	13,54,000/-

39.	श्री महादेव शिशु गुञ्जन वेद संस्थान, चित्तौड़गढ़ रोड, बेगू, जिला – चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) 312023	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	7 वेद अध्यापक, 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, ... वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	
40.	गुरु शिखर वेद विद्यालय, लिमडी हाउस, पो० माउण्ट आबू (राजस्थान) 307501	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन व काण्व) सामवेद (राणायनीय तथा कौथुम शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा) कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	2 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 53 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति (6 सप्तम वर्ष के छात्रों को 9 माह की छात्रवृत्ति)	19,08,000/-
41.	श्री जगद्गुरु रामानन्दाचार्य वेद विद्यालय, त्रिवेणीधाम, शाहपुरा, जिला – जयपुर (राजस्थान) 303103	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	3 वेद अध्यापक, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 57 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	20,28,000/-
42.	सचिव, श्री मधुसूदन वैदिक संस्कृति एवं पर्यावरण संस्थान, रामकिशन कॉलोनी, कालाकुआँ, जिला अलवर (राजस्थान) 301401	ऋग्वेद (शाकल शाखा) शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा)	6 वेद अध्यापक , 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 64 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति (3 सप्तम वर्ष के छात्रों में से दो को तीन माह की तथा एक को एक माह की)	24,81,315/-
43.	सचिव, श्री भगवद्धर्म संस्कृत वेद विद्यालय, जिन्दोली घाटी, जिला अलवर (राजस्थान) 301404	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	3 वेद अध्यापक तथा 31 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति (4 सप्तम वर्ष के छात्रों में से तीन को चार माह की तथा एक को छह माह की)	11,76,000/-
44.	सचिव, श्री कर्णेश्वर वेदविद्यालय, दत्तात्रेय साधना आश्रम, कनवास, कोटा (राज.) 325602	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	3 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 38 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति (1 सप्तम वर्ष के छात्र को चार माह की)	16,52,000/-
<u>तमिलनाडु -</u>				**1,02,50,000/-**
45.	राजा वेद काव्य पाठशाला श्री गोविन्द दीक्षित घाटिकास्थानम्, 29-30, ईस्ट अयान स्ट्रीट, 4 मंजिल, कुम्भकोणम् (तमिलनाडु)	कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा) शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	10 वेद अध्यापक, 3 संस्कृत अध्यापक, 3 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 113 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	47,74,000/-

46.	श्री शिवराम ट्रस्ट, पुराना नं० 26, नया नं० 10, रामनाथन स्ट्रीट, टी० नगर, चेन्नई (तमिलनाडु)	कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा) शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	2 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, व 18 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	8,72,000/-
47.	कलवाइ गुरुपरम्परा वेदविद्या ट्रस्ट, 50, नगरथिनम कॉलोनी, सुलिवन गार्डन स्ट्रीट, मैलापुर, चैन्नई (तमिलनाडु)	कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	5 वेदाध्यापक को मानदेय तथा 36 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति (Out of students 01 has been resigned)	15,66,000/-
48.	श्री शुक्ल यजुर्वेद शास्त्र धर्म पाठशाला 3, राजा स्ट्रीट, काञ्चीपुरम् (तमिलनाडु)	शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा)	2 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत व आधुनिक अध्यापक व 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	7,64,000/-
49.	श्री अभिनव विद्यातीर्थ भारती वेद पाठशाला, (पी०ए०सी०आर० सेतुरम्मल चैरेटी ट्रस्ट) दक्षिण वेंगनानुर रोड, राजपलायम (तमिलनाडु)	कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	2 वेद अध्यापक, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, ... वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	9,60,000/-
50.	श्री अहोबिला मठ समस्कृत विद्या, अभिवर्द्धिनी सभा, 117, के०आर०, कोली स्ट्रीट, वेस्ट मम्बालम, कोयम्बटूर (तमिलनाडु) *	कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	3 वेदाध्यापक को मानदेय तथा 32 वेद छात्रों को आस्थागित छात्रवृत्ति	13,14,000/-
<u>उत्तरप्रदेश -</u>				**3,44,20,500/-**
51.	सचिव, आचार्य रमेश गुरुजी वेद पाठशाला, ग्राम व पोस्ट कर्णवास – 203393, जिला बुलन्दशहर (उत्तरप्रदेश)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	5 वेद अध्यापक, 2 संस्कृत अध्यापक, 3 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 83 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	32,76,000/-
52.	सचिव, श्री महादेव वेद शिक्षण संस्थानम, 73 गौशाला नगर, प्रथम वृन्दावन, मथुरा (उत्तरप्रदेश) 281121	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	3 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 62 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	22,98,000/-
53.	सचिव, भारतीय चतुर्धाम वेदभवन न्यास, श्रृंगेरीमठ, अलोपीबाग, इलाहाबाद (उत्तरप्रदेश) 211001	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा)	4 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 55 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति, 1 छात्र वित्तविहीन	23,94,000/-
54.	सचिव, आचार्य गोपालचन्द्र मिश्र वैदिक उन्नयन संस्थान, सी.के.32/17, ब्रह्मनाल, वाराणसी (उत्तरप्रदेश) 221001	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन व काण्व) सामवेद (राणायनीय शाखा) (गुर्जर व गोवर्धनी पद्धती) कृष्णयजुर्वेद (हिरण्यकेशी शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा)	5 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 45 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति, 7 छात्र वित्तविहीन	21,44,000/-

55.	सचिव, स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट पोस्ट झूसी, इलाहाबाद (उत्तरप्रदेश) 221506	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा)	4 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक, 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 44 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति, 3 छात्र वित्तविहीन	21,12,000/-
56.	सचिव, श्री दूधेश्वर वेदविद्या पीठ श्री दूधेश्वर मंदिर परिसर, गोशाला रोड, गाजियाबाद (उत्तरप्रदेश) 201001	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन) ऋग्वेद (शाकल) सामवेद (कौथुम)	2 वेद अध्यापक, 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 22 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति, 11 छात्र वित्तविहीन	8,64,000/-
57.	सचिव, आचार्य पट्टाभिराम शास्त्री वेद मीमांसा, अनुसंधान केन्द्र, B-4/7, हनुमान घाट, वाराणसी (उत्तरप्रदेश) 221001	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन व काण्व) सामवेद (कौथुम व राणायनी) अथर्ववेद (शौनक) ऋग्वेद (शाकल) कृष्णयजुर्वेद (तैत्तरीय)	8 वेद अध्यापक, 2 संस्कृत अध्यापक को मानदेय, तथा 89 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	35,48,000/-
58.	सचिव, जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानन्द सरस्वती न्यास, वेद वेदान्त महाविद्यालय एवं शोध समिति, B-4/41, हनुमान घाट, वाराणसी (उत्तरप्रदेश) 221001	ऋग्वेद (शाकल शाखा) शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन व काण्व) कृष्णयजुर्वेद (तैत्तरीय शाखा) सामवेद (कौथुम, जैमिनी व राणायनी शाखा) (गुर्जर पद्धति) अथर्ववेद (शौनक व पैप्पलाद)	13 वेद अध्यापक, 2 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 119 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति 78 छात्र वित्तविहीन	53,00,000/-
59.	सचिव, श्री जयेन्द्र सरस्वती वेद पाठशाला, सेठजी का बगीचा, पो. सीतापुर, चित्रकूटधाम, चित्रकूट (उत्तरप्रदेश) 210204	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) अथर्ववेद (शौनक व पैप्पलाद) सामवेद (कौथुम) ऋग्वेद (शाकल)	6 वेद अध्यापक, 2 संस्कृत अध्यापक व 3 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 108 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति, 10 छात्र वित्तविहीन	40,08,000/-
60.	सचिव, सीताराम वेदविद्या केन्द्रम, श्री चन्द्ररमेश प्रेम जयन्ती सेवा संस्थान, राजघाट, नरौरा, बुलन्दशहर – 202393 (उत्तरप्रदेश)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	4 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक व 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 65 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	24,00,000/-
61.	श्री संकटमोचन हनुमानजी मंदिर ट्रस्ट एवम् बाबा नीब करौरी जी महाराज आश्रम, हनुमान सेतु, विश्वविद्यालय मार्ग, लखनऊ 226007 (उत्तरप्रदेश)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन) सामवेद (कौथुम)	2 वेद अध्यापक 1 संस्कृत अध्यापक व 3 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 43 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	16,36,000/-
62.	श्री केदारनाथ गोयनका वेद विद्यालय, बी-29/3-1 ए, अस्सी लंका मार्ग, वाराणसी (उत्तरप्रदेश) 221005	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन) अथर्ववेद (शौनक)	4 वेद अध्यापक तथा 29 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	12,12,500/-

63.	स्वामी नारायणानन्द तीर्थ वेद विद्यालय, बी - 1/148, श्रीकाशीधर्म पीठ, अस्सी, वाराणसी (उत्तरप्रदेश) 221005	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन व काण्व शाखा) अथर्ववेद (शौनक) सामवेद (कौथुम) ऋग्वेद (शाकल)	7 वेद अध्यापक, 2 संस्कृत अध्यापक व 3 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 66 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति, 13 छात्र वित्तविहीन	32,28,000/-
पं. बंगाल -				**54,36,000/-**
64.	श्री श्री सीतारामदास ओंकारनाथ, संस्कृत शिक्षा संसद, वैकुण्ठ धाम, 107, साउथर्न एवन्यू, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) 700029	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	5 वेद अध्यापक, 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 34 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति, उत्तीर्ण वित्तविहीन छात्र - 11	19,56,000/-
65.	सतीदेव भाषा शिक्षा निकेतन रानीरचारा चाकीपाड़ा, नवद्वीप नाडिया (प.बंगाल)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	2 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक, 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 15 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति, उत्तीर्ण वित्तविहीन छात्र - 11	10,32,000/-
66.	श्री सीताराम वैदिक महाविद्यालय 7/2, PWD रोड, कोलकाता (प.बंगाल) 700035	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	3 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक, 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 27 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति, उत्तीर्ण वित्तविहीन छात्र - 08	15,48,000/-
67.	श्रीमद् जगद्गुरु शंकराचार्य वैदिक विद्यापीठम्, शंकरमठ रामराजातला, हावडा (प.बंगाल)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक, 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, 17 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति, उत्तीर्ण वित्तविहीन छात्र - 04	9,00,000/-
			कुल अनुदान	**12,05,84,329/-**

* Note - In this pathashala only honorariam to teachers has been released. The students scholarship will be raleased after complition 7 year course) Teachers Honorariam - 444000/- & Students Scholarship 744000/- Total 1188000/-

अनुबन्ध - 4 (ब)

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

वर्ष 2014-2015 के दौरान पूर्वोत्तर राज्यों की वेद पाठशालाओं/विद्यालयों को जारी अनुदान का विवरण

क्र.सं.	पाठशाला / वेद विद्यालय / संस्था का नाम जिन्हें अनुदान दिया गया	वेद तथा शाखा	प्रयोजन	राशि
असम -				**34,13,806/-**
1.	सचिव, असम वेद विद्यालय, वेदपुरम्, रुपनगर, गुवाहाटी (असम)	शुक्लयजुर्वेद (काण्व शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	3 वेद को मानदेय, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 3 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, एवं 22 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	8,39,806/-
2.	अध्यक्ष, श्री गुरुशङ्कराचार्य वेदविद्यालय, समिति, ग्राम नेपील पथार, पोस्ट गामेरी, सोनितपुर, आसम - 784172	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा)	4 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 3 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 62 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	25,74,000/-
सिक्किम -				**5,60,000/-**
3.	अध्यक्ष, श्री सिक्किम वेदविद्या अध्ययन केन्द्र, पांचेखानी, (शिवालय केम्पस) पाकपांग, पूर्वसिक्किम (सिक्किम)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद को मानदेय एवं 15 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	5,60,000/-
त्रिपुरा -				**11,16,000/-**
4.	त्रिपुरा राज्य वेदविद्या प्रसारण समिति, वेदश्री, रुपनगर, पो.आ. रामनगर, अगरतला (त्रिपुरा)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	3 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 22 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	11,16,000/-
			कुल अनुदान	50,89,806/-

अनुबन्ध - 5 (अ)

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

वर्ष 2014-2015 के दौरान वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना के अन्तर्गत विभिन्न ईकाईयाँ को जारी अनुदान का विवरण

क.सं.	पाठशाला अथवा स्वाध्यायी अध्यापकों का नाम जिन्हें अनुदान दिया गया	वेद तथा शाखा	प्रयोजन	राशि
आन्ध्रप्रदेश -				**38,02,000/-**
1.	श्री के. हनुमन्त शास्त्री मंत्रला, सांग वेद पाठशाला, श्री कांची कामकोटी शंकराचार्य मठ गोडुगुपेट, मछलीपट्टनम् (आ.प्र.)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 04 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,72,000/-
2.	श्री जी. एस. आर. घनपाठी, डी. नं. 12-11-87, दत्तात्रेय वेद निलयव, अव्यपूर्म, राजमुन्दरी 533104 (आ.प्र.)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 05 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,40,000/-
3.	श्री. एस. आर. एन. दीक्षित शर्मा इनसाईड कॉटन मिल, पिलामारी रोड, महबूबनगर 509 002 (आ.प्र.)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय व 08 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,00,000/-
4.	पं. श्री प्रमीलकुमार बेहरा, गुरु मदनान्द सरस्वती पीठम, रामपुर, थुंगूट, कन्डापक मंडल जिला मेढक (आ.प्र.)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय व 06 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,76,000/-
5.	श्री सी.एच. राघव शर्मा, श्री के. व्ही. एन. कौंडिया अवधानी, द्वारा - श्री भ्रामरी सूर्य प्रकाशक विजिया शंकर वेद, समर्थ पाठशाला ट्रस्ट, मकान नं.1-23-118/23, भूदेवीनगर, वेंकटपुरम, सिकन्दराबाद (आ.प्र.)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय व 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4,14,000/-
6.	श्री संतोषकुमार तिवारी, श्री जगन्नाथ मठ गुरुकुल, 12-1-482, जगन्नाथ मठ, माधवदास झीरा,सीतारामबाग के पीछे, हैदराबाद (आ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 05 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,12,000/-
7.	श्री दीपेन्द्रकुमार द्विवेदी, श्री जगन्नाथ मठ गुरुकुल, 12-1-482, जगन्नाथ मठ, माधवदास झीरा, सीतारामबाग के पीछे, हैदराबाद	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय व 05 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,58,000/-
8.	श्री सन्तोष कुमार दास, द्वारा - श्री गुरु मदनानन्द सरस्वतीपीठम्, रामपुर, थांगुड, कोंडापाक मण्डल जिला - मेढक (आ.प्र.)	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 03 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,92,000/-

9.	श्री वी.वी. कुमार सूर्यनारायण मूर्ति, द्वारा - श्री गणपति सच्चिदानन्द वेद पाठशाला, श्रीपादवल्लभ, अंग्लापट्टा क्षेत्रम, श्री दत्तनगर, अग्रहारम, पीठापुरम ईस्ट गोदावरी (आ.प्र.)	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 06 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,64,000/-
10.	श्री विपिन कुमार शुक्ला, श्री जगन्नाथ मठ गुरुकुल, 12-1-482, जगन्नाथ मठ, माधवदास झीरा, सीतारामबाग के पीछे, हैदराबाद (आ.प्र.)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय व 03 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,98,000/-
11.	श्री पंकज कुमार तिवारी, श्री वेदभारती पीठ वेद विद्यालय, वेदभारती नगर, डी नं. 4-215, बासर जिला आदिलाबाद 504101 (आ.प्र.)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय व 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,60,000/-
12.	श्री बटेशंकर पाण्डेय, श्री वेदभारती पीठ वेद विद्यालय, वेदभारती नगर, डी नं. 4-215, बासर जिला आदिलाबाद 504101 (आ.प्र.)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय व 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,60,000/-
13.	श्री अश्विनी कुमार पण्डा, श्री वेदभारती पीठ वेद विद्यालय, वेदभारती नगर, डी नं. 4-215, बासर जिला आदिलाबाद 504101 (आ.प्र.)	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 14 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4,56,000/-
बिहार -				**17,44,500/-**
14.	श्री अभिषेककुमार ओझा, द्वारा - हरिहर प्राच्य विद्या संस्थान गोपाल आयुर्वेद भवन कैम्पस, बरौनी, बेगूसराय - 851112 (बिहार)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 04 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,28,500/-
15.	श्री सर्वेश कुमार तिवारी, द्वारा पं. लक्ष्मी कांत तिवारी प्राच्य वेद विद्या संस्थान वेद विद्यालय ग्राम पंडितपुर पोस्ट पीपराकोठी जिला मोतिहारी, पूर्वी चम्पारण (बिहार) 845429	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 07 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,12,000/-
16.	श्री अनिल चौबे, श्री सन्त गोदिया बाबा संस्कृत वेदविद्यालय वैष्णव मठ, करैया बाजार, गोपाल गंज (बिहार) 841437	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 01 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,52,000/-
17.	श्री विकास पाण्डेय, श्री सीताराम वेद-वेदांग संस्कृत विद्यालय, गौतम स्थान, सिविल गंज, छपरा (बिहार) 841305	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 02 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,88,000/-
18.	श्री राधेश्याम झा, ऋषिकुल वेदपाठशाला, उमरी, झंझारपुर जिला मधुबनी (बिहार) 847403	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 03 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,76,000/-
19.	श्री पवन दुबे, बाबा हरिराम ब्रह्मवेद विद्यालय, नई बस्ती, विवेकानन्द मार्ग, महादेवा सीवान (बिहार) 841226	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 07 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,88,000/-

दिल्ली -				**12,86,000/-**
20.	श्री रमेश रेग्मी, श्री निवास सेवार्थ न्यास, खसरा नं. 174 रामानुज मार्ग, इब्राहिमपुर, दिल्ली 36	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,12,000/-
21.	श्री सूर्यनारायण त्रिपाठी, श्री निवास सेवार्थ न्यास, खसरा नं. 174 रामानुज मार्ग, इब्राहिमपुर, दिल्ली 36	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,12,000/-
22.	श्री श्रीनिवास पैन्यूली, श्री निवास सेवार्थ न्यास, खसरा नं. 174 रामानुज मार्ग, इब्राहिमपुर, दिल्ली 36	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,48,000/-
23.	श्री इन्द्रेशकुमार शुक्ल, द्वारा वेदाचार्य श्री रामजीलाल पालीवाल सांगवेद विद्यालय, 46 संगम विहार, नजफगढ, नई दिल्ली	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4,14,000/-
गुजरात -				**14,64,000/-**
24.	श्री मुकेश कुमार पाठक, द्वारा - श्री अमृत वेद संस्थान पाठशाला, श्री भागवत विद्यापीठ ट्रस्ट कर्दम ऋषि गुरुकुल (सोला) अहमदाबाद (गुजरात) 380060	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,60,000/-
25.	श्री राकेश शर्मा, नारायण वेद अध्ययन केन्द्र सेनेटरी मार्ग पेटलावद, आणंद (गुजरात) 388450	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 3 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,40,000/-
26.	श्री नागेश कुमार शर्मा, श्री पीठ आशापुरा माताजी मन्दिर ट्रस्ट, श्री पीठ संस्कृत वेद विद्यालय ननना रतडिया, तह. माण्डवी जिला भुज कच्छ (गुजरात)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,12,000/-
27.	श्री बालकृष्ण देव, द्वारा - श्री अमृत वेद संस्थान पाठशाला, श्री भागवत विद्यापीठ ट्रस्ट कर्दम ऋषि गुरुकुल (सोला) अहमदाबाद (गुजरात) 380060	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,88,000/-
28.	श्री पंडया भार्गव भाई द्वारा - श्री बसन्त भाई पंडया, दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, एस.जी.बी.सी सर्कल के पास, एस जी राजमार्ग, छारोडी जिला अहमदाबाद (गुजरात) 382481	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 4 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,64,000/-

गोवा				**6,94,000/-**
29.	श्री महादेव विनायक सातार्डेकर, द्वारा श्री पद्मनाथ शिष्य सम्प्रदाय श्री क्षेत्र तपोभूमि गुरुपीठ कुंडईफोडा, गोवा 403115	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 03 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,92,000/-
30.	श्री ज्ञानेश्वर अप्पाजी पाटील, द्वारा श्री पद्मनाथ शिष्य सम्प्रदाय श्री क्षेत्र तपोभूमि गुरुपीठ कुंडईफोडा, गोवा 403115	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 05 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,90,000/-
31.	श्री सिद्धेश कांता घाडी, द्वारा श्री पद्मनाथ शिष्य सम्प्रदाय श्री क्षेत्र तपोभूमि गुरुपीठ कुंडईफोडा, गोवा 403115	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 01 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,44,000/-
32.	श्री अनूप शांताराम सैलार, द्वारा श्री पद्मनाथ शिष्य सम्प्रदाय श्री क्षेत्र तपोभूमि गुरुपीठ कुंडईफोडा, गोवा 403115	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 02 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,68,000/-
हरियाणा -				**7,80,000/-**
33.	श्री ओमप्रकाश शर्मा, द्वारा- स्वामी श्री सुदर्शनाचार्य संस्कृत वेदविद्यालय, श्रीसिद्धदाता आश्रम, बड़खल, सूर्यकुण्ड मार्ग, फरीदाबाद - 121003 (हरियाणा)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,48,000/-
34.	श्री कन्हैयाकुमार झा, द्वारा-श्री स्वामी सुदर्शनाचार्य संस्कृत वेदविद्यालय, श्री सिद्धदाता आश्रम, बड़खल, सूरजकुण्ड मार्ग, फरीदाबाद (हरियाणा) 121003	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4,32,000/-
जम्मू -				**4,08,000/-**
35.	श्री लीलाराम गौतम, द्वारा महाराजा प्रताप सिंह वेद विद्या वेद मन्दिर अम्बफला जम्मू 180005	शुक्ल यजुर्वेद (आध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4,08,000/-

झारखण्ड -				**7,42,000/-**
36.	श्री अशोक कुमार मिश्र, अथर्ववेद पाठशाला, गुहियापाल, बहरा गोडा, पूर्वी सिंहभूम - 832101 (झारखण्ड)	अथर्ववेद (पैप्पलाद शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 06 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,64,000/-
37.	श्री पार्थ सारथि मिश्र, अथर्ववेद पाठशाला गुहियापाल, बहरा गोडा, पूर्वी सिंहभूम - 832101 (झारखण्ड)	अथर्ववेद (पैप्पलाद शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 05 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,40,000/-
38.	श्री सद्धार्थ शंकर त्रिपाठी, श्री कृष्ण वेद विद्यालय संस्थानम्, धीराजगंज (सतवहनी) मंगलम् होम के पास, आदित्य पुर, सरायकेला, खरसावां, जमशेदपुर (झारखण्ड) 832109	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 04 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,38,000/-
कर्नाटक				**12,20,000/-**
39.	पं. श्री टी. रामबाबू , वशिष्ठ वेद विद्या गुरुकुलम ट्रस्ट, हेडीजीवल केम्प, कोवाला पोस्ट, सिंधानूर, रायचूर 584128 (कर्नाटक)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 02 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,92,000/-
40.	श्री मुरली कृष्ण भट्ट, ओम् शान्ति धर्म वेद पाठशाला, बोम्मासन्द्रा पेलागल्ली कनकपुर बैंगलुर (कर्नाटक)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 05 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,52,000/-
41.	श्री माधव कुलकर्णी, ओम् शान्ति धर्म वेद पाठशाला, बोम्मासन्द्रा पेलागल्ली कनकपुर बैंगलुर (कर्नाटक)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 04 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,26,000/-
42.	श्री रामचन्द्र भट्ट , ओम् शान्ति धर्म वेद पाठशाला, बोम्मासन्द्रा पेलागल्ली कनकपुर बैंगलुर (कर्नाटक)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 06 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,62,000/-
43.	श्री श्रीराम कुलकर्णी, ओम् शान्ति धर्म वेद पाठशाला, बोम्मासन्द्रा पेलागल्ली कनकपुर बैंगलुर (कर्नाटक)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 07 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,88,000/-

केरल -				**2,28,000/-**
44.	श्री रघुनाथ नारायण काले, टी.सी. 40/363/2, स्यासरा १०३, द्वितीय पुथन स्ट्रीट, पो.आ. मनाचौड, तिरुअन्नतपुरम 695009, (केरल)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 04 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,28,000/-
महाराष्ट्र -				**92,04,000/-**
45.	श्री निलेश बसंत केदार, अम्बादास श्रीकृष्ण जोशी वेद अध्ययन ज्ञानपीठ, विट्ठल मन्दिर के पास, मु.पो.माहुर, जिला नांदेड (महाराष्ट्र) 431721	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 09 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,36,000/-
46.	श्री यशवन्त भास्कर पैठणे, कल्पतरु वेदपाठशाला, मं. नं. 2029, भास्कर चान्दवे गणपति मार्ग, सोमवार पेठ, नासिक (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजु र्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 08 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,24,000/-
47.	श्री महेश चन्द्रकान्त रेखे, अध्यात्मिक प्रतिष्ठान, गोपाल, मु. पो. आलन्दी, (देवाची) तहसील खेड जिला पुणे (महाराष्ट्र) 412105	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 05 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,76,000/-
48.	श्री मधुर गोपालराव जोशी, श्रुति स्मृति वेद पाठशाला, शंकरमठ त्र्यम्बकेश्वर, जिला नासिक	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 07 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,48,000/-
49.	श्री ललितादास अनन्तराव दंडे, द्वारा - चिन्मयमूर्ति वेद पाठशाला, एन. जी. एच., 101/1, श्रीकृष्णनगर, हडको औरंगाबाद (महाराष्ट्र) 431003	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 07 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,88,000/-
50.	श्री पाद शिवराम धायगुडे, वेदशास्त्र विद्यालय, 1481/शुक्रवार, पेठ मण्डई रास्ता, पुणे (महाराष्ट्र) 411002	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 05 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,40,000/-
51.	श्री श्रीपाद कालिदास भोपी, लोकमान्य तिलक चौक, राम मन्दिर के पास, पोस्ट ओढ़ा नागनाथ, हिंगोली (महाराष्ट्र) 431705	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 03 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,68,000/-
52.	श्री विश्वनाथ केशव जोशी, आध्यात्मिक प्रतिष्ठान, गोपालपुरा, आलन्दी, देवाची, तह. खेड, पुणे (महाराष्ट्र) 412105	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 05 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,40,000/-

53.	श्री देवेन्द्र रामचन्द्र गढीकर, श्री वे. के. जोशी, पोपट दामडे चाल, कृष्णा एजेंसी के पीछे, देहफाटा, आलन्दी, पुणे (महाराष्ट्र) 412105	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 02 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,04,000/-
54.	श्री गुरुपसाद विनायक पुजारी, वेद शास्त्र विद्या संवर्धन मण्डल, 456, सोमवार पेठ, द्वारका सदनिका पंताचा कोट, कन्हाड, जिला सतारा (महाराष्ट्र) 412105	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 04 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,28,000/-
55.	श्री दुर्गादास शिवाजी अम्बुलगेकर वेद शास्त्र विद्यालय, 148, शुकवार पेठ, शनिवार मंडई रोड, पुणे (महाराष्ट्र) 411002	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 07 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,88,000/-
56.	श्री विष्णुप्रसाद गौतम, वेद विद्या गुरुकुल, 402, जी विंग, रिद्धि-सिद्धि काम्पलेक्स, 123 ए, हिस्साअ न. 9, कोलखे पेठगांव, मुम्बई पुणे रोड, पनवेल, नवी मुम्बई (महाराष्ट्र) 410221	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 15 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	5,16,000/-
57.	श्री चैतन्य नारायण काले, श्री योगीराज वेद विज्ञान आश्रम, कासरवाडी, पो. सौंदरे, ता. बार्षी, सोलापुर (महाराष्ट्र) 413401	सामवेद (राणायणी शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 06 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,76,000/-
58.	श्री मनोज बालाजी राव जोशी, द्वारा याज्ञवल्क्य काण्व वेद पाठशाला, रेणुका माता मन्दिर के पास वेदभवन, वामन नगर, पूर्णा रोड, जिला नांदेड (महाराष्ट्र) 431605	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,48,000/-
59.	श्री गणेश कल्याणराव कुलकर्णी, मुकाम पोस्ट जातेगांव, तह. गेवराई जिला बीड (महाराष्ट्र) 431507	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 05 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,28,000/-
60.	श्री महेश गंगाधर राव जोशी, द्वारा - श्री सद्गुरु धुडा महाराज देगलूर्टकर वेद पाठशाला, मुकाम पोस्ट हाली, तह. उदगीर जिला लातूर (महाराष्ट्र) 413518	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,84,000/-
61.	श्री राम विनायक धानोरकर, श्री ब्रह्मानन्द वेद विद्यालय, चैतन्य 15, शान्तिनिकेतन कॉलोनी, क्रान्ति चौक, जिला औरंगाबाद (महाराष्ट्र) 431003	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 05 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,40,000/-

62.	श्री तुकाराम दत्तात्रेय मूले, उदगीथ रो हाउसिंग न. 9, सागर विहार, फेज - 3 नन्दनवन नगर, सांवेडी, जिला अहमदनगर (महाराष्ट्र) 414003	सामवेद (राणायनीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 06 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,92,000/-
63.	श्री प्रशांत कैलाशचन्द्र दायमा, द्वारा - श्री मारवाड़ी लेन राम मन्दिर, मेन रोड, मालेगांव, कैम्प ता. मालेगांव, नाशिक (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 09 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,36,000/-
64.	श्री रवीन्द्र पैठणे, द्वारा - महर्षि गौतम गोदावरी वेदविद्या प्रतिष्ठान, 11, उदय ह्लाजा, सीता गुफा के सामने, पंचवटी, नाशिक (महाराष्ट्र) 422003	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 06 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,64,000/-
65.	श्री गोविन्द पैठणे, द्वारा - महर्षि गौतम गोदावरी वेदविद्या प्रतिष्ठान, 11, उदय ह्लाजा, सीता गुफा के सामने, पंचवटी, नाशिक (महाराष्ट्र) 422003	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 04 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,28,000/-
66.	श्री अक्षय भास्करराव रत्नपारखी, श्रीपाद रेजीडेन्सी (नारायणी - 5) हरिओम् बंगले के सामने कॉलेज, सांवेडी, अहमदनगर, (महाराष्ट्र) 414003	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 03 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,80,000/-
67.	श्री विनायक विलासराव जोशी, द्वारा - श्री रामेश्वर वेद विद्यालय, रामसखा आश्रम, मु.पो. - सौताड़ा, तह. पाटोदा, जिला - बीड़ (महाराष्ट्र) 431507	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 05 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,40,000/-
68.	श्री स्वानन्द धायगुडे, पुणे वेद पाठशाला ३८ बुधवार पेठ, जोगेश्वरी मन्दिर के पास, तांबडी, पुणे (महाराष्ट्र) 411002	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 02 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,92,000/-
69.	श्री प्रकाश सुरेश बापट, पुणे वेद पाठशाला ३८ बुधवार पेठ, जोगेश्वरी मन्दिर के पास, तांबडी, पुणे (महाराष्ट्र) 411002	कृष्ण यजुर्वेद (हिरण्यकेशी शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 01 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,92,000/-

70.	श्री शैलेन्द्र प्रभाकर काकडे अडसरे संकुल टेलीफोन एक्सचेन्ज के पास, त्र्यम्बकेश्वर नासिक (महाराष्ट्र) 422212	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 05 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,64,000/-
71.	श्री लम्बोदर महाबलेश्वर भट्ट, सागर विहार, फेज - 3, रो हाउसिंग न. - 4, नन्दनवन नगर (हुंडेकरी के पीछे), सावेडी, जिला अहमदनगर (महाराष्ट्र) 414003	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 05 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,60,000/-
72.	श्री अमोल राजाराम जोशी, श्रुतीगंध वेद पाठशाला 4, जगदम्बा सोसायटी, जालना रोड, बीड (महाराष्ट्र) 431122	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 06 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,64,000/-
73.	श्री प्रसन्न कुमार तुंगार, कल्पतरु वेद पाठशाला, मकान न. 2029, सोमवार पेठ, खांदवे गणपति के पीछे, पंचवटी जिला नाशिक (महाराष्ट्र) 422001	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 04 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,40,000/-
74.	श्री विद्याधर मिश्र, वेद विद्या गुरुकुलम् 402, जी विंग, रिद्धि-सिद्धि काम्पलेक्स 123 ए, संख्या - 9, कोलखे पेठगांव, पुणे रोड, पानवेल, नवी मुम्बई, 410221 (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 09 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,60,000/-
75.	श्री शंकर तुकाराम गलगलकर, म.नं. 2945, बडेव गली, मु.पो. पंढरपुर, जिला सोलापुर 413304	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 09 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,12,000/-
76.	श्री श्यामसुन्दर मधुकर जोशी, योगेश्वर याज्ञवल्क्य वेद पाठशाला, रामगढ़ आश्रम, सराई, ता. खुलताबाद, जिला औरंगाबाद - 431001 (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 08 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,48,000/-
77.	श्री सागर पैठणे, श्रुति-स्मृति विद्यापीठ, माधवराव दीक्षित वाडा, त्र्यम्बकेश्वर, नासिक (महाराष्ट्र) 422212	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 04 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,00,000/-
<u>मध्यप्रदेश -</u>				**1,14,03,075/-**
78.	श्री नागेश शर्मा, द्वारा - महर्षि काण्व वेद विद्याधाम, महाकाल वेयरहाउस के सामने, चिन्तामण गणेश, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,84,000/-

79.	श्री ओमप्रकाश सिंगदेल, द्वारा - महर्षि काण्व वेद विद्याधाम, महाकाल वेयरहाउस के सामने, चिन्तामण गणेश, उज्जैन (म.प्र.) श्री रोहित मिश्रा के छात्रों सहित अनुदान 168000/-	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,48,000/-
80.	श्री दीपक शर्मा, महर्षि पराशर वेदविद्या प्रतिष्ठान म. नं. २५६, महावीर बाग परमेश्वरी गार्डन के पास, इन्दौर रोड, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,58,000/-
81.	श्री सतीश कुमार शर्मा, महर्षि पराशर वेदविद्या प्रतिष्ठान म. नं. २५६, महावीर बाग परमेश्वरी गार्डन के पास, इन्दौर रोड, उज्जैन (म.प्र.)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 3 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,92,000/-
82.	श्री विकाश रावल, महर्षि पराशर वेदविद्या प्रतिष्ठान म. नं. २५६, महावीर बाग परमेश्वरी गार्डन के पास, इन्दौर रोड, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,16,000/-
83.	श्री मोहनलाल शर्मा, अखण्ड आश्रम वेद विद्यालय चारधाम मन्दिर, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,00,000/-
84.	श्री राकेश शर्मा, श्री महामंगल परशुराम वेदविद्या प्रतिष्ठान, श्रीराम जनार्दन मन्दिर, भैरवगढ मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,96,000/-
85.	श्री अरुण कुमार रावल, श्री महामंगल परशुराम वेद विद्या प्रतिष्ठान, श्रीराम जनार्दन मन्दिर, भैरवगढ मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,10,000/-
86.	श्री लोकेन्द्र शर्मा, श्री महामंगल परशुराम वेदविद्या प्रतिष्ठान, श्रीराम जनार्दन मन्दिर, भैरवगढ मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,00,000/-
87.	श्री राहुल शर्मा, श्री महामंगल परशुराम वेद विद्या प्रतिष्ठान श्रीराम जनार्दन मन्दिर, भैरवगढ मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 3 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,74,000/-
88.	श्री धर्मेन्द्र शर्मा, श्री महामंगल परशुराम वेद विद्या प्रतिष्ठान श्रीराम जनार्दन मन्दिर, भैरवगढ मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,32,000/-
89.	श्री महेश रावल, द्वारा श्री ब्रह्मर्षि वशिष्ठ वेद विद्यालय, चिन्तामण गणेश, रत्नाखेडी रोड के पीछे, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,40,000/-
90.	श्री जयनारायण शर्मा, द्वारा - श्री रामानुज वेद विद्यालय ट्रस्ट मूर्ति, लक्ष्मीव्यंकटेश, रामानुज कोट, रामघाट, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,70,000/-

91.	श्री गणेश मरासिनी, द्वारा श्री गोस्वामी तुलसीदास वेद विद्यालय, मु. पोस्ट गोठडा, शनि मन्दिर, त्रिवेणी द्वारा सी - ३३/३, ऋषिनगर एक्सटेंशन, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,58,000/-
92.	श्री गोपाल शर्मा, द्वारा श्री गोस्वामी तुलसीदास वेद विद्यालय, मु. पोस्ट गोठडा, शनि मन्दिर, त्रिवेणी द्वारा सी - ३३/३, ऋषिनगर एक्सटेंशन, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,04,000/-
93.	श्री धर्मेन्द्र शर्मा द्वारा श्री धरणीधर वेद विद्यालय, १९-ए, जिनेन्द्र विहार कॉलोनी लक्ष्मीनगर, उज्जैन (म.प्र.) तदर्थ अनुदान पाठशाला योजनान्तर्गत भुगतान किया गया	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,32,000/-
94.	श्री मयूर चतुर्वेदी, श्री महामंगल परशुराम वेद विद्या प्रतिष्ठान, श्री राम जनार्दन मन्दिर, भैरवगढ मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,52,000/-
95.	श्री चन्दनदास वैष्णव, श्री महामंगल परशुराम वेद विद्या प्रतिष्ठान, श्री राम जनार्दन मन्दिर, भैरवगढ मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,58,000/-
96.	श्री सुनील शर्मा, त्रिपुरा वेद विद्यापीठ, श्री ब्रह्म गायत्री मन्दिर, मारुति गंज, उर्दु पुरा उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,04,000/-
97.	श्री भुवनेश पाण्डेय द्वारा श्री धरणीधर वेद विद्यालय, १९-ए, जिनेन्द्र विहार कॉलोनी लक्ष्मीनगर, उज्जैन (म.प्र.) तदर्थ अनुदान पाठशाला योजनान्तर्गत भुगतान किया गया	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 4 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,08,000/-
98.	श्री सोमप्रकाश शर्मा द्वारा सौर्यमण्डल वेदविद्या मन्दिर, २१२, विद्यापति नगर, शान्ति पैलेस होटल के पास, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,40,000/-
99.	श्री कमलेश शर्मा द्वारा सौर्यमण्डल वेदविद्या मन्दिर, २१२, विद्यापति नगर, शान्ति पैलेस होटल के पास, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,28,000/-
100.	श्री दिनेश पाणिग्रही द्वारा श्री कल्याणिका संस्कृत उच्चमाध्यमिक विद्यालय, माँ कात्यायनी शक्तिपीठ सेवा आश्रम, खण्ड क्रमांक ०३ के सामने, एम. एल.ए. रेस्ट हाउस भोपाल (म.प्र.)	सामवेद (जैमिनी शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 3 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,07,000/-

101.	श्री ओमप्रकाश रमेश चन्द्र शर्मा, बडा चौक धुलेट, तह. सरदारपुर, धार	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,92,000/-
102.	श्री विष्णु प्रसाद ज्ञानी, द्वारा श्री जगदगुरु आद्य शंकराचार्य वेद विद्यापीठ भानपुरा, जिला मन्दसौर (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 20 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	5,58,000/-
103.	श्री कमलेश कुमार शर्मा, महर्षि गर्ग वेद वेदांग विद्यालय, २६७, अभिनन्दन क्र. ०१, बसन्त विहार, मन्दसौर (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,60,000/-
104.	श्री छोटेलाल शर्मा द्वारा श्री चैतन्य महाप्रभु आनन्दी आश्रम वेदविद्यापीठ, आलोट (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,34,000/-
105.	श्री कपिल शर्मा, महर्षि गर्ग वेद वेदांग विद्यालय, २६७, अभिनन्दन क्र. ०१, बसन्त विहार, मन्दसौर (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,64,000/-
106.	श्री अवनीश कुमार त्रिवेदी द्वारा श्री कल्याणिका संस्कृत उच्चमाध्यमिक विद्यालय, माँ कात्यायनी शक्तिपीठ सेवा आश्रम, खण्ड क्रमांक ०३ के सामने, एम. एल.ए. रेस्ट हाउस भोपाल (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,84,000/-
107.	श्री गोविन्दप्रसाद तिवारी, द्वारा - श्री विश्वनाथ वेद विद्यालय, भण्डावद, पोस्ट काशीखेडी, तह. जीरापुर, जिला राजगढ़ (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 15 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,48,000/-
108.	श्री महादेव शर्मा, द्वारा - श्री विश्वनाथ वेदविद्यालय, भण्डावद, तह. जीरापुर जिला - रायगढ़ (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,12,000/-
109.	श्री निशान्त शर्मा द्वारा श्री ऋषि संस्कृति संवर्धन गुरुकुल न्यास, चिन्तामण गणेश, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,30,075/-
110.	श्री दीपक शर्मा, द्वारा माँ वाघेश्वरी पद्माकर वैदिक संस्कृत विद्यालय, नृसिंह घाट, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,40,000/-
111.	श्री गंगाप्रसाद मिश्र, पंजाबी भगवान वेद पाठशाला, संकट मोचन हनुमान सेवा चेरिटेबल ट्रस्ट, जानकी कुण्ड, चित्रकुट (सतना) (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,00,000/-
112.	श्री मंगल दत्त शर्मा, कृष्ण द्वेपायन शीशु गुंजन ब्रह्मचर्याश्रम वेदविद्यालय, रामराज्य गौ शाला, बडनगर रोड, उज्जैन रविन्द्र शर्मा के छात्रों सहित 156000/-	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4,02,000/-

113.	श्री योगेश शर्मा, ग्राम व पोस्ट मालखेडा, जिला नीमच (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,24,000/-
114.	श्री बालकृष्ण त्रिवेदी, त्रिवेदी भवन, खचाराम की गली, लोहा मण्डी, ग्वालियर - 2 (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,24,000/-
115.	श्री भैरवदत्त त्रिवेदी, त्रिवेदी भवन, खचाराम गली, लोहामण्डी, ग्वालियर	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,24,000/-
116.	श्री दीपक शर्मा, श्री रंगनाथ वैदिक विश्व शिक्षासंस्थान श्री मारुति नन्दन धाम, ग्राम मुडेहरा, जिला कटनी	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,12,000/-
117.	श्री पुष्पेन्दु कुमार आचार्य, श्री रंगनाथ वैदिक विश्व शिक्षासंस्थान, श्री मारुति नन्दन धाम, ग्राम मुडेहरा, जिला कटनी	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,68,000/-
118.	श्री सिद्धार्थ चतुर्वेदी द्वारा पंजाबी भगवान वेद पाठशाला चित्रकूट अन्यत्र स्थानान्तरित (1/4/14 से 30/9/14 तक)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,04,000/-
119.	श्री रविन्द्र शर्मा, कृष्ण द्वेपायन शीशु गुंजन ब्रह्मचर्याश्रम वेदविद्यालय, रामराज्य गौ शाला, बडनगर रोड, उज्जैन अन्यत्र स्थानांतरित	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,16,000/-
120.	श्री रोहितकुमार मिश्र, महर्षि कण्व विद्याधाम, महाकाल वेयर हाउस के सामने, चिन्तामण गणेश, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 14 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,96,000/-
पंजाब -				**5,28,000/-**
121.	श्री मणिप्रकाश पाण्डेय, श्री हनुमत संस्कृत वेद विद्यापीठ लक्ष्मण नगर, भामियाँ कला रोड, नजदीक सुन्दर नगर चौका, 33 कुटा रोड, लुधियाना (पंजाब)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 03 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,68,000/-
122.	श्री ब्रह्मानन्द त्रिपाठी श्री रंगरामानुज वेद विद्यालय, श्री रंगरामानुज पीठ, श्री राधा माधव मन्दिर, निचली मीडवां, पो. झिझडी, तह. आनन्दपुर साहिब, जिला रोपड (पंजाब)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,60,000/-

<u>औडिशा -</u>				**1,00,57,667/-**
123.	श्री शशांक शेखर उपाध्याय, श्री कांची कामकोटि मठ अथर्ववेद पाठशाला, स्वर्ग द्वार रोड, पुरी 752001 (उडीसा)	अथर्ववेद (पैप्पलाद शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 08 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,24,000/-
124.	श्री सुरेन्द्रकुमार दाश, मुक्तिमण्डप पण्डित सभा साङ्गवेद प्रतिष्ठानम्, श्री जगन्नाथ मन्दिर, पुरी 752001 (उडीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 08 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,36,000/-
125.	श्री रामचन्द्र होता, मुक्तिमण्डप पण्डित सभा साङ्गवेद प्रतिष्ठानम्, श्री जगन्नाथ मन्दिर, पुरी 752001 (उडीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 07 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,12,000/-
126.	पं. श्री सरोज रंजन पण्डा, तपन काण्व वेद पाठशाला, अवकाशलेन कुमठी बगीचा, पुरी 752002 (उडीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 39 वेद छात्रों-छात्राओं को छात्रवृत्ति	10,56,000/-
127.	पं. शेषदेव पाणिग्रही, वेद विद्यालयः, सिंधमठ, पुरुणाबाजार जिला केन्दुझर, (उडीसा) 758002	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 09 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4,82,000/-
128.	श्री निराकार द्विवेदी, गुरुकुल वेद पाठशाला, ग्राम विष्णुपुर, पोस्ट सलानिया, जिला - केन्दुझर, (उडीसा) 756121	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,84,000/-
129.	श्री कृष्णचन्द्र पाढी, श्री गोपाल जीऊ वेद पाठशाला ग्राम - धारपुर, पो. माहांगा, जिला कटक 754206 (उडीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 07 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,00,000/-
130.	श्री निरंजन आचार्य, माँ सरला वेद पाठशाला, ग्राम बडागर, पोस्ट- पराहाट पालीकदा, जि. जगतसिंहपुर, (उडीसा) 754106	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4,08,000/-

131.	पं. श्री धर्मेन्द्र कुमार षडंगी, श्री रामचन्द्र स्वामी चेरिटेवल ट्रस्ट, लोकनाथ रोड, पुरी (उड़ीसा) 752001	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 08 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,24,000/-
132.	श्री देवेन्द्र द्विवेदी, श्री रामचन्द्र स्वामी चेरिटेवल ट्रस्ट, लोकनाथ रोड, पुरी (उड़ीसा) 752001	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 08 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,12,000/-
133.	श्री कृपासिन्धु पंडा, श्री देव्य शुक्ल यजुर्वेद काण्व वेद पाठशाला, दिव्यसिंहपुर, पोस्ट रायगुरपुर, व्हाया नीराकारपुर पुरी (उड़ीसा) 752019	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 07 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,24,000/-
134.	श्री गोपालचन्द्र महापात्र, पूर्वाम्नाय श्री गोवर्द्धन वेद पाठशाला, श्रीगोवर्द्धन पीठ श्री शंकराचार्य मठ, श्री जगन्नाथधाम, पुरी (उड़ीसा) 752001	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 23 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	6,18,000/-
135.	श्री श्रीकुमार महापात्र, श्रीतोटा गोपीनाथ आम्नाथ भागवत वेदपाठशाला, श्री तोटागोपीनाथ मन्दिर, गौरवाटसाही, पुरी (उड़ीसा) 752001	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 06 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,52,000/-
136.	श्री विरञ्चि नारायण रथ, श्री लिंगराज वैदिक शिक्षानुष्ठानम् Fr - 59/7 व 9, शैलश्री विहार, फेज II, भुवनेश्वर - 21 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 05 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,28,000/-
137.	श्री प्रशान्तकुमार पति, श्री वशिष्ठ गुरुकुल वेद पाठशाला, तनरडा, गंजाम 761140 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 07 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,24,000/-
138.	श्री रतिकान्त पाणिग्रही, पण्डित गोपालचन्द्र वेद ज्योतिर्विज्ञान विद्यापीठम्, अमृत विहार, पो. - धोबाशिला, व्हाया राजनीलगिरी, जि. बलेश्वर (उड़ीसा) 756040	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 03 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,24,000/-
139.	श्री सन्तोष कुमार पण्डा, पण्डित गोपालचन्द्र वेद ज्योतिर्विज्ञान विद्यापीठम्, अमृत विहार, पो. - धोबाशिला, व्हाया राजनीलगिरी जि. बलेश्वर (उड़ीसा) 756040	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 06 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,24,000/-

140.	श्री विश्वरंजन चईनी, श्री रामकृष्ण वेद पाठशाला, पापुड़िया मठ, पुरी - 752001 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4,80,000/-
141.	श्री तपन कुमार महापात्र, श्री दैव्य शुक्ल यजुर्वेद काण्व वेद पाठशाला, दिव्यसिंहपुर, पो. रायगुरपुर, व्हाया निराकारपुर, जि. पुरी - 752019 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 09 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,36,000/-
142.	श्री अविनाश कुमार पण्डा, द्वारा - श्री कांची कामकोटी अथर्ववेद पाठशाला, स्वर्गद्वार रोड, पुरी (उड़ीसा) 752001	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 08 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,24,000/-
143.	श्री मुरारी मधुसूदन महापात्र, द्वारा - श्री रघुनाथ वेद पाठशाला, श्री श्री महावीर आश्रम हाबलेश्वर ग्राम हाबलेश्वर पो. दिमिरी व्हाया मंजुरीरोड, जि. केन्दूझर 756121 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 07 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,88,000/-
144.	श्री प्रियदर्शी देवाषीश द्विवेदी, द्वारा - श्री आत्माराम वेद पाठशाला, जटाधारी आश्रम, रामकृष्णपुर पो. भेडा व्हाया - मडदा, जिला कटक (उड़ीसा) 754290	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 08 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,36,000/-
145.	श्री ज्ञानेन्द्र षडंगी, द्वारा - श्री चन्द्रशेखर जीऊ वेद विद्यालय, ग्राम - वाडरुवा गदाधरपुर शासन, पो. वालीपडा चन्दनपुर, जिला पुरी (उड़ीसा) 752014	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 16 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4,92,000/-
146.	श्री विक्रान्त पचौरी, द्वारा - श्री वशिष्ठा गुरुकुल वेद पाठशाला तनरडा, गंजाम जिला गंजाम (उडीसा) 761140	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिनी शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 08 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,36,000/-
147.	श्री आशुतोष मिश्र, वेद विद्यालय: केन्दुझरम, सिघमठ पुरुणाबाजार जिला केन्दुझर, (उडीसा) 758002	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 06 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,12,000/-

148.	श्री निरंजन महापात्र, श्री रघुनाथ वेद पाठशाला, श्री श्री महावीर आश्रम हाबलेश्वर ग्राम हाबलेश्वर पो. दीमिरी व्हाया मंजूरीरोड, जिला केन्दुझर 758083 (उडीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 02 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,56,000/-
149.	श्री दुर्गा प्रसाद त्रिपाठी, श्री यज्ञ ज्योति गुरुकुल वेद पाठशाला, ग्राम बालिउपर देपुर शासन सातशंख आश्रम जिला पुरी 752046 (उडीसा)	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 08 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,88,000/-
150.	श्री स्मृतिरंजन पति, श्री गोपालजीऊ वेद पाठशाला, ग्राम धारपुर पो. माहांगा जिला कटक (उडीसा) 754206	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 04 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,77,667/-
<u>राजस्थान -</u>				**51,95,675/-**
151.	श्री श्रीराम जोशी, द्वारा - श्री ब्रह्मसावित्री वेदविद्यापीठ, पुष्कर न्यास, चामुण्डा माता मन्दिर रोड, सावित्री ढाणी, पुष्कर जिला अजमेर (राजस्थान) 305022	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 17 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,64,000/-
152.	श्री सुरेशचन्द्र शर्मा, द्वारा - श्री अक्षपाद गौतम विकास संस्थान एवं वेद विद्यालय, चन्देरिया जिला चित्तौडगढ (राजस्थान) 312021	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,04,000/-
153.	श्री बसन्त कुमार पण्डा, अलख वेद पाठशाला, गुरुकुल राशमी जिला चित्तौडगढ, (राजस्थान) 312203	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,36,000/-
154.	श्री भैरुलाल जोशी, द्वारा - श्री नारायण वेद संस्थान विलोड, भीलवाडा (राजस्थान) 311604	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,82,000/-
155.	श्री देवकृष्ण जोशी, द्वारा - श्रीनाथ वेदविद्यालय, ईमली बाजार, नाथद्वारा जिला राजसमन्द (राजस्थान) 313301	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,09,675/-

156.	श्री विनोदकुमार आमेटा, श्री बालाजी वेद विद्यालय, भवानी मण्डी (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4,86,000/-
157.	श्री बालमुकुन्द व्यास, द्वारा - श्री कायावर्णेश्वर वेदविद्यापीठ, क्यासरा पंचायन समिति, डग जिला झालावाड़ (राजस्थान) 326514	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,48,000/-
158.	श्री विश्रामकुमार शर्मा, द्वारा-श्री वेदाश्रम वेद विद्यालय, अयोध्या नगर सिविल लाईन्स के पास, आगरा रोड, जिला दौसा (राजस्थान) 303303	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,60,000/-
159.	श्री राजकुमार शर्मा, द्वारा-श्री वेदाश्रम वेद विद्यालय, अयोध्या नगर सिविल लाईन्स के पास, आगरा रोड, जिला दौसा (राजस्थान) 303303	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,92,000/-
160.	श्री वैभव जोशी, श्री ब्रह्म सावित्री वेद विद्या पीठ, पुष्कर न्यास चामुण्डा माता मन्दिर रोड, सावित्री ह्राणी पुष्कर, अजमेर (राजस्थान) 305022	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,96,000/-
161.	श्री बाबूलाल शर्मा, द्वारा - श्री कायावर्णेश्वर वेद विद्यापीठ समिति, कयासरा डग, जिला झालावड़ (राजस्थान) 326514	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,54,000/-
162.	श्री महादेव व्यास, श्री कायावर्णेश्वर वेद विद्यापीठ समिति, कयासरा डग, जिला झालावड़ (राजस्थान) 326514	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,36,000/-
163.	श्री विष्णु प्रसाद प्रधान, श्री कायावर्णेश्वर वेद विद्यापीठ समिति, कयासरा डग, जिला झालावाड़ (राजस्थान) 326514	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,24,000/-
164.	श्री नवल किशोर शर्मा, नर्मदेश्वर संन्यास आश्रम परमार्थ ट्रस्ट, श्री संन्यास आश्रम महावीर, सरकिन गंज, अजमेर (राजस्थान) 305001	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 1 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,52,000/-

165.	श्री रवि कुमार शर्मा श्री कृष्ण बिहारी जी वेद विद्यालय किशनगढ, रैनवास, जयपुर (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,72,000/-
166.	श्री राघव मिश्र श्री शिव सनातन वेद विद्यालय, श्री सन्यास आश्रम महावीर सर्किल गंज अजमेर (राजस्थान) 305001	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,80,000/-
<u>तमिलनाडु -</u>				**45,92,000/-**
167.	श्री परिपूर्ण कृपाकर शर्मा, सनाधन वेद शास्त्र ऋग्वेद पाठशाला 47 - A, कृष्णपुरम, पोस्ट महाराजा नगर, तिरुनरवली 627011	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,84,000/-
168.	श्री रवीन्द्र स्वामीगल, श्री रवीन्द्र स्वामीगल अरपानी ट्रस्ट, संस्कृत पाठशाला, पाथरकुडी, मानगिरि पोस्ट करईअकुडी, शिवगांगई 630307	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 09 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,36,000/-
169.	पं. श्री पी. श्रीधर भट्ट, द वेद पाठशाला, जगद्गुरु सरस्वती ट्रस्ट, 109 - A, तिरुवेंकट स्वामी रोड (पश्चिम), आर. एस. पुरम, कोयम्बटूर	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4,20,000/-
170.	पं. श्री टी.एस. महाबलेश्वर भट्ट, द वेद पाठशाला, जगद्गुरु सरस्वती ट्रस्ट, 109 - A, तिरुवेंकट स्वामी रोड (पश्चिम), आर. एस. पुरम, कोयम्बटूर	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,44,000/-
171.	श्री वी. राजगोपाल घनपाठीगल, नया नं. 476 (पुराना नं. 181), टी. टी. के. रोड, अलवरपेट, चैन्नई 600018	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 06 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,76,000/-
172.	श्री वी. सत्यनारायण, श्री देय ट्रस्ट, 60, एम. एम. टी. सी. कॉलोनी, ननगनल्लूर, चैन्नई 600061 (तमिलनाडु)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 06 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,76,000/-
173.	श्री बी. सनमुखराज, श्री देय ट्रस्ट, 60, एम. एम. टी. सी. कॉलोनी, ननगनल्लूर, चैन्नई 600061 (तमिलनाडु)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 09 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,36,000/-
174.	श्री एस. विजयेन्द्र भारती, श्री ट्राई विद्या गुरुकुलम, 28/181, ईस्ट उत्तर स्ट्रीट, श्रीरंगम, त्रिची 620006 (तमिलनाडु)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 05 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,64,000/-

175.	श्री वी. सतीश शर्मा, श्री त्रई विद्या गुरुकुलम्, 28/181, ईस्ट उत्तर स्ट्रीट, श्रीरंगम, त्रिची 620006 (तमिलनाडु)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 05 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,52,000/-
176.	श्री वी. एस. जयतीर्थे, द्वारा श्री ट्राई विद्या गुरुकुलम्, 28/181, ईस्ट उत्तर स्ट्रीट, श्रीरंगम, त्रिची 620006 (तमिलनाडु)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 09 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,36,000/-
177.	श्री एन. बालासुब्रमणियम, द्वारा वेदव्यास गुरुकुलम वेद पाठशाला, एसडीपी चेरिटीज, न. 6, बालासुब्रमणियम, क्रास स्ट्रीट नेमिलिचेरी, क्रोमपेट चैन्नई (तमिलनाडु) 600044	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 09 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,36,000/-
178.	श्री ए. नागसुब्रमणियम, द्वारा वेदव्यास गुरुकुलम वेद पाठशाला, एसडीपी चेरिटीज, न. 6, बालासुब्रमणियम, क्रास स्ट्रीट नेमिलिचेरी, क्रोमपेट चैन्नई (तमिलनाडु) 600044	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,60,000/-
179.	श्री आर. राजेश कुमार गणपतिगल, श्री चतुर्वेद गणपति विद्यालय, तपस ट्रस्ट, 86/131, 1 फ्लोर, रायपेठा, चैन्नई 600014 (तमिलनाडु)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4,32,000/-
180.	श्री के. एन. सांईनाथ, द्वारा वेदव्यास गुरुकुलम वेद पाठशाला, एसडीपी चेरिटीज, न. 6, बालासुब्रमणियम, क्रास स्ट्रीट नेमिलिचेरी, क्रोमपेट चैन्नई (तमिलनाडु) 600044	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	240000/-
<u>उत्तरप्रदेश -</u>				**3,28,03,000/-**
181.	श्री अरुणकुमार तिवारी, द्वारा - श्री गरुढध्वज वेद पाठशाला, श्री गणेशानन्द आश्रम,मु.पो.(नरोली कुटी), धानापुर जिला चन्दौली (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,54,000/-
182.	श्री रमेशकुमार द्विवेदी, द्वारा - श्री गरुढध्वज वेद पाठशाला, श्री गणेशानन्द आश्रम,मु.पो.(नरोली कुटी), धानापुर जिला चन्दौली (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,66,000/-
183.	श्री अम्बरीश उपाध्याय, द्वारा - श्रीनेत्र पाल गुरुकुल वेद पाठशाला, गंगोत्री विहार, विठूर, कानपुर नगर 209201 (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,60,000/-
184.	श्री सर्वेश्वर स्वरूप ब्रह्मचारी, द्वारा - श्री विष्णु महादेव वेद पाठशाला नर्वदेश्वरधाम,गौरीशंकर संस्थान,प्रतिष्ठान पुरी,झूंसी (इलाहाबाद) (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,96,000/-

185.	श्री विष्णुप्रसाद पाण्डेय, द्वारा - श्री विष्णु महादेव वेद पाठशाला, नर्वदेश्वरधाम,गौरीशंकर संस्थान,प्रतिष्टान पुरी,झूंसी(इलाहाबाद) (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,24,000/-
186.	श्री चन्द्रभानु शर्मा, द्वारा श्री बद्रीभगत वेदविद्यालय सेवाधाम आश्रम ग्राम पो. बेहटा, हाजीपुर लोनी, गाजियाबाद	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,48,000/-
187.	श्री रामकुमार शर्मा, द्वारा श्री बद्रीभगत वेदविद्यालय सेवाधाम आश्रम ग्राम पो. बेहटा, हाजीपुर लोनी, गाजियाबाद	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,88,000/-
188.	श्री रामनाथ शर्मा, द्वारा - हयवरट ऋषिकुल वेद पाठशाला ग्राम + पोस्ट - कर्णवास, जिला - बुलन्दशहर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 14 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4,56,000/-
189.	श्री धनेश कुमार तिवारी, द्वारा - श्री गरुढध्वज वेद पाठशाला, नेमिषारण्य जिला सीतापुर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,84,000/-
190.	श्री प्रवीणकुमार पाण्डेय, द्वारा श्री शुक्ल वेद विद्यापीठ डी. 4/13, मीरघाट, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,80,000/-
191.	श्री सुनील कुमार शर्मा, महर्षि भरद्वाज वेद विद्यालय, केसर भवन 14, पन्ना लाल मार्ग, इलाहाबाद	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,82,000/-
192.	श्री इन्द्रदेव मिश्र, द्वारा - श्री राम वेद विद्यालय, कारसेवकपुरम्, जानकी घाट, परिक्रमा मार्ग, अयोध्य जिला फैजाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,32,000/-
193.	श्री सत्यम शर्मा, सेवाधाम आश्रम, ग्राम पोस्ट बेहटा, हाजीपुर लानी, गाजियाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,36,000/-
194.	श्री विद्यानन्द झा, द्वारा-श्री श्रीरामदास काठियाबाबा वेद पाठशाला, बी 3/310, शिवाला, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,12,000/-
195.	श्री पद्मभूषण मिश्र, द्वारा-श्री श्रीरामदास काठियाबाबा वेद पाठशाला, बी 3/310, शिवाला, वाराणसी (उ.प्र.)	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,00,000/-
196.	श्री संजयकुमार पाण्डेय, द्वारा-श्री श्रीरामदास काठियाबाबा वेद पाठशाला, बी 3/310, शिवाला, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,12,000/-

197.	श्री जगतनारायण गौतम, गुरु कार्षिणी वेद विद्यालय, ब्रह्माण्ड घाट, रमजरेती, पोस्ट गोकुल महावन, मथुरा (उ.प्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 20 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	5,34,000/-
198.	श्री योगेशदत्त शर्मा, द्वारा - श्री महर्षि वेद व्यास वेद विद्यापीठ डी. 134, महेन्द्रा एन्क्लेव, शास्त्रीनगर, (सिल्वर साइंस स्कूल के पास), गाजियाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 25 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	6,60,000/-
199.	श्री दीपककुमार शर्मा, द्वारा - श्री विद्यासाधना पीठ, गणेशबाग शिव सदन, नगवा लंका, वाराणसी 221005 (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,60,000/-
200.	श्री अनयमणि त्रिपाठी, द्वारा - ब्रह्मा वेद विद्यालय, वाराणसी 221005 (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,24,000/-
201.	श्री उमेश ओझा देवी पाटेश्वरी वेदपाठशाला, नयाघाट, अयोध्या (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4,40,000/-
202.	श्री राजन पाण्डेय द्वारा - श्री राम वेद विद्यालय, क्रीडागंज, इलाहाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,94,000/-
203.	श्री अमितकुमार पाण्डेय, द्वारा ब्रह्मा वेद विद्यालय, वाराणसी 221005 (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,36,000/-
204.	श्री पशुपतिनाथ मिश्र, द्वारा आदि गुरु श्री दत्तात्रेय वेद विद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,12,000/-
205.	श्री कमलराज उपाध्याय, द्वारा रुक्मणी वल्लभ धाम सेवा न्यासि अवन्तिका देवी, पोस्ट आहार, बुलन्दशहर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 27 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	7,32,000/-
206.	श्री नारायणदत्त मिश्र, ब्रह्मा वेद विद्यालय, वाराणसी 221005 (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,48,000/-
207.	श्री महामायादत्त पाराशर, 545, KA 343/AR अर्जुन विहार कालोनी (सेंटमेरी स्कूल के पास), राजाजीपुरम् लखनऊ (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,84,000/-
208.	श्री पुरुषोत्तम प्रधान, द्वारा - गुरुकार्षिणी वेद विद्यालय, ब्रह्माण्ड घाट, रमणरेती, पोस्ट गोकुल महावन, मथुरा (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,60,000/-

209.	श्री रामजीप्रसाद मिश्र द्वारा - श्री गरुडध्वज वेद पाठशाला, नैमिषारण्य, जिला सीतापुर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,36,000/-
210.	आचार्य पंकज कुमार शर्मा, द्वारा महर्षि भारद्वाज वेद वेदाङ्ग शिक्षण केन्द्र 21/16, महावीर भवन, हाशिमपुर मार्ग, इलाहाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,54,000/-
211.	श्री अगस्त्यकुमार द्विवेदी, माँ विन्ध्यवासिनी श्रवण वेद पाठशाला बावली चौराहा, विन्ध्याचल, मिर्जापुर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,60,000/-
212.	श्री राममुरत त्रिवेदी, द्वारा - श्री भृगवेद विद्यालय पट्टी विट्ठलपुर, चितोरा जनपद - फतेहपुर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4,08,000/-
213.	आचार्य शंकर झा, द्वारा - श्रीमती राधादेवी वेदविद्यालय फ्लाट नं. 369/1, मुहल्ल-सराय नन्दन खोजवां, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,64,000/-
214.	श्री चेतन शर्मा, द्वारा - ब्रह्मा वेद विद्यालय, वाराणसी 221005 (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,76,000/-
215.	श्री रिकेन्द्र पाण्डेय, ब्रह्मा वेद विद्यालय, संचालित श्री स्वामी शीतल दास सेवा ट्रस्ट, बी १/८८, अस्सी, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,18,000/-
216.	श्री अनिरुद्ध पेठकर, द्वारा - श्री जयेन्द्र सरस्वती वेद पाठशाला B - 4/62, हनुमान घाट, वाराणसी २२१००१	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,68,000/-
217.	श्री साकेत बिहारी द्विवेदी, द्वारा - श्री जयेन्द्र सरस्वती वेद पाठशाला B - 4/62, हनुमान घाट, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,42,000/-
218.	श्री गोकुल भण्डारी, द्वारा - श्री चैल्ला सुब्बाराव शास्त्री वेद विद्यालय एवं न्याय अनुसंधान केन्द्र, बी ६/२० सी, वाघहाडा सुनारपुरा, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,24,000/-
219.	श्री राघव त्रिवेदी, द्वारा - श्री गोपाल प्रसाद शर्मा इमली बजरिया पोखट मुहल्ला, अनूपशहर, बुलन्दशहर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,36,000/-

220.	श्री रामदेव शुक्ल, द्वारा - श्री गोपाल प्रसाद शर्मा, इमली बजरिया पोखट मुहल्ला, अनूपशहर, बुलन्दशहर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,12,000/-
221.	श्री हरिसेवक मिश्र, द्वारा - श्री गोपाल प्रसाद शर्मा इमली बजरिया पोखट मुहल्ला, अनूपशहर, बुलन्दशहर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,36,000/-
222.	श्री दुर्गा प्रसाद गौतम, द्वारा - श्री रामवेद विद्यालय, कारसेवकपुरम्, जानकी घाट, परिक्रमा मार्ग, अयोध्या (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,56,000/-
223.	श्री नरेश शर्मा, द्वारा - हयवरट ऋषिकुल वेदपाठशाला ग्राम पोस्ट - कर्णवास, बुलन्दशहर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 17 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	5,28,000/-
224.	श्री विपिन कुमार शुक्ल, द्वारा - हयवरट ऋषिकुल वेदपाठशाला ग्राम पोस्ट - कर्णवास, बुलन्दशहर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 15 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4,80,000/-
225.	श्री मनोज कुमार झा, द्वारा - श्री साधना मन्दिर वेद विद्यालय पटेल मार्ग, गाजियाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,48,000/-
226.	श्री रामप्रताप शुक्ल, सी - 8, दौलतपुर, पाण्डेय पुर, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,52,000/-
227.	श्री टीकाराम रिजाल, द्वारा - वेदमूर्ति श्री विश्वनाथ देव गुरुकुल 106 ए, ब्रज इन्क्लेव कॉलोनी, पानी टंकी के सामने, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,72,000/-
228.	श्री कन्हैया कुमार मिश्रा, द्वारा - श्री राजेश मिश्रा ग्राम पोस्ट - पटियाली, मुहल्ला - मिश्राना, जिला काशीराम नगर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4,32,000/-
229.	श्री ललित कुमार शुक्ल, द्वारा - श्री राजेश मिश्रा, ग्राम पोस्ट - पटियाली, मुहल्ला - मिश्राना, जिला काशीराम नगर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4,08,000/-
230.	श्री विवेक कुमार शर्मा, द्वारा - श्री पं. नेत्रपाल गुरुकुल कल्यानपुर ग्राम - पोस्ट - ब्रह्मपुरी, हथलेडी, जनपद एटा (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,60,000/-
231.	श्री बिपिन चन्द्र झा, द्वारा - स्वामी श्री करपात्री वेदशास्त्र एवं अनुसन्धान केन्द्र,दुर्गाकुण्ड, वाराणसी (उ.प्र.)	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,52,000/-
232.	श्री आनन्द तिवारी, द्वारा - स्वामी श्री करपात्री वेदशास्त्र एवं अनुसन्धान केन्द्र,दुर्गाकुण्ड, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,96,000/-

233.	श्री राकेश कुमार मिश्र, द्वारा - श्री रामकृष्णा वेद विद्या पीठ 108/67, गांधीनगर, कानपुर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,12,000/-
234.	श्री कृष्णकान्त शर्मा, द्वारा - श्री भरद्वाज शिक्षा निकेतन मकान नं. 50, कैलाश नगर, शिव मन्दिर, गाजियाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,60,000/-
235.	श्री गोपाल दहाल, द्वारा - श्री सच्चा बाबा गुरुकुल वेद विद्यालय बिठूर कानपुर नगर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 22 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	6,36,000/-
236.	श्री पंकज काफले, द्वारा-महर्षि भरद्वाज वैदिक गुरुकुल लवकुश आश्रम, लवकुश नगर, बिठूर, कानपुर नगर	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,52,000/-
237.	श्री रंजीत तिवारी, द्वारा - गुरुकुल आर्ष कन्या विद्यापीठ कोतवाली रोड, नजीबाबाद, बिजनोर (उ.प्र.)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 14 वेद छात्राओं को छात्रवृत्ति	4,80,000/-
238.	श्री राकेश तिवारी, द्वारा - पाणिनी कन्या महाविद्यालय महमूर गंज, तुलसीपुर, वाराणसी	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्राओं को छात्रवृत्ति	4,08,000/-
239.	श्री हरिओम द्विवेदी, द्वारा - पाणिनी कन्या महाविद्यालय महमूर गंज, तुलसीपुर, वाराणसी	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,84,000/-
240.	श्री हितेश कुमार अवस्थी, द्वारा - श्री जगद्गुरु रामानन्दाचार्य, स्वामी श्री धराचार्य जी महाराज, परमार्थ सेवा समिति, मधुसूदन धर्म सेतु ट्रस्ट, अशर्फी भवन, अयोध्या (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,88,000/-
241.	श्री चन्द्रशेखर तिवारी, भारद्वाज शिक्षा निकेतन, म.न. ५० कैलाश नगर, शिवमन्दिर, गाजियाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,60,000/-
242.	श्री मोहन दुबे, श्री जूना अखाडा वेद वेदान्त भारतीय ब्रह्म विद्यालय बी २१/११९, जपेश्वर महादेव समाधि मन्दिर, बैजनत्था, वाराणसी	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,76,000/-
243.	श्री नागेश्वर शर्मा, आदिगुरु श्री दत्तात्रेय वेद विद्यालय, डी ३६/२००, अगस्त्य कुण्ड, दशाश्वमेघ घाट, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,52,000/-
244.	श्री विपिन शर्मा, श्रीराम वेद विद्यालय कारसेवक पुरम् जानकी घाट, परिक्रमा मार्ग, अयोध्या, फैजाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,40,000/-

245.	श्री अवधेशकुमार दुबे, श्री गणेश प्रसाद वेद विद्यालय, पकडी चौहान, दुबोलिया बाजार, बस्ती (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 04 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,88,000/-
246.	श्री दीपक कुमार अवस्थी, सर्व मंगला सांगोपांग वेद विद्यालय गोला कुंआ विल्कन धाम ग्राम बेलोन डिबाई, बुलन्दशहर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,36,000/-
247.	श्री भोलाशंकर शर्मा, श्री दयानन्द आर्ष संस्थान आर्ष गुरुकुल गोथाला पिंगरी मार्ग, विजल नगर दखोला, मथुरा (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,76,000/-
248.	श्री नवराजपन्त, श्री धर्म सम्राट् स्वामी करपात्री स्मृति कृति संस्थानम, द्वारा संचालित कोटेश्वर महादेव वेद विद्यालय, इलाहाबाद	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,18,000/-
249.	श्री सत्यकुमार तिवारी, श्री स्वामी करपात्री वेदशास्त्र अनुसंधान केन्द्र, धर्मसंघ दुर्गाकुण्ड, वाराणसी	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,48,000/-
250.	श्री सूर्यमणि भण्डारी, श्री नारायण वेदविद्या मन्दिर पो. कर्णवास, बुलन्दशहर २०३००१	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,60,000/-
251.	श्री सनतकुमार त्रिपाठी, आचार्य श्री नाथ शास्त्री वेद पाठशाला बी-१/१४८, सी १०, के २, अस्सी, वाराणसी	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,88,000/-
252.	श्री अरुण कुमार शुक्ल, श्री विष्णु महादेव वेद पाठशाला गंगातट कोहना प्रतिष्ठान पुरी झूंसी, इलाहाबाद	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,96,000/-
253.	श्री प्रवीण कुमार कर, श्री सच्चा बाबा गुरुकुल वेद विद्यालय बिठूर, कानपुर नगर	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 15 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4,80,000/-
254.	श्री गोपाल शर्मा, श्री ठाकुर रमण बिहारी वेद विद्यालय तलहटी आश्रम अन्थोर परिक्रमा मार्ग, गोवर्धन मथुरा	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,12,000/-
255.	श्री रत्नाकर मिश्र, श्री स्वामी करपात्री वेद शास्त्र अनुसन्धान केन्द्र, धर्मसंघ दुर्गाकुण्ड, वाराणसी	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,48,000/-
256.	श्री मणिकान्त मिश्र, द्वारा - श्री जयेन्द्र सरस्वती वेद पाठशाला B - 4/62 हनुमान घाट, वाराणसी	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,04,000/-
257.	श्री विकास नन्दन मिश्र, आदि गुरु श्री दत्तात्रेय वेद विद्यालय ग्राम हुन्सेपुर पो. कबूलपुर, जिला जौनपुर	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,96,000/-

258.	श्री अशोकशास्त्री गोडशे, कांची शंकर वेद विद्यालय वेदभवन प्रमोद वन, अयोध्या, फैजाबाद	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,64,000/-
259.	श्री ब्रजेश शर्मा, महर्षि वेदव्यास विद्यापीठ, डी १३४, महेन्द्रा एन्क्लेव सिल्वर लाइन स्कूल के पास, शास्त्री नगर, गाजियाबाद	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 23 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	5,64,000/-
260.	श्री आशीष मिश्र, ब्रह्मा वेद विद्यालय, वाराणसी 221005 (उ.प्र.)	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,48,000/-
261.	श्री कौशल किशोर पाण्डेय, श्री स्वामी करपात्री वेदशास्त्र अनुसंधान केन्द्र, धर्मसंघ दुर्गाकुण्ड, वाराणसी	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,00,000/-
262.	श्री राहुल पाण्डेय, श्री चेल्ला सुब्बाराव शास्त्री वेद विद्यालय एवं न्याय अनुसंधान केन्द्र, बी ६/२० सी सोनारपुर, वाराणसी	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,52,000/-
263.	श्री अलकेश पाण्डेय, द्वारा - श्री जयेन्द्र सरस्वती वेद पाठशाला, B - 4/62, हनुमान घाट, वाराणसी २२१००१	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,24,000/-
264.	श्री घनश्याम शुक्ल, महर्षि दयानन्द आर्ष गुरुकुल ब्रह्म आश्रम संस्कृत, महाविद्यालय, राजघाट, नरौरा बुलन्दशहर	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,12,000/-
265.	श्री शिवराम शर्मा, श्री नारायण वेद विद्या मन्दिर, पो. कर्णवास बुलन्दशहर	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,84,000/-
266.	श्री देवेन्द्रदत्त दुबे, श्री नारायण वेद विद्या मन्दिर, पो. कर्णवास बुलन्दशहर	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,84,000/-
267.	श्री दिवाकर शर्मा, ठाकुर श्री रमण विहारी वेद विद्यालय, तलहटी आश्रम अन्थोर परिक्रमा मार्ग, गोवर्धन मथुरा	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,12,000/-
268.	श्री संतोष कुमार महापात्र, श्री सन्त ज्ञानेश्वर वेद विद्यालय, आनन्द वारिमा वृन्दावन, मथुरा	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,12,000/-
269.	श्री संजीव शर्मा, द्वारा - आदि गुरु श्री दत्तात्रेय वेद विद्यालय, श्रीधाम, मोहननगर (निकट प्रेम मन्दिर) वृद्वावन, मथुरा (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,16,000/-

270.	श्री ओमपाल कुमार, द्वारा भागीरथी वेद विद्यापीठ संस्कृति संस्थान विद्यापीठ, ब्रजघाट, जिला हापुड (उ.प्र.)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	55,000/-
271.	श्री प्रवीण कुमार मिश्र, द्वारा ग्राम शंकर मिश्र का पुखा, पो. सिया, तहसील कुण्डा, जिला प्रतापगढ (उ.प्र.) 230201	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,46,000/-
272.	श्री रामकृष्ण मिश्र, द्वारा श्री आनन्द स्वरूप केला पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट परिक्रमा मार्ग, संत कालोनी, वृद्रावन, मथुरा (उ.प्र.) 281121	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,64,000/-
273.	श्री सिद्धार्थ चतुर्वेदी, श्री स्वामी भगवान भास्करानन्द, देव जू, महाराज सम्स्कृत वेद पाठशाला ग्राम. पो. एजवारा जनपद चित्रकूट (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति (केवल मानदेय)	45,000/-
274.	श्री अमरेश उपाध्याय, श्री स्वामी भगवान भास्करानन्द, देव जू, महाराज सम्स्कृत वेद पाठशाला ग्राम. पो. एजवारा जनपद चित्रकूट (उ.प्र.)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति (केवल मानदेय)	45,000/-
275.	श्री रविन्द्र कुमार शर्मा, सनातन धर्म वेद विद्यालय, रेलवे स्टेशन रोड गजरोला जिला अमरोहा (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति (केवल मानदेय)	1,20,000/-
276.	श्री अशोक त्रिपाठी, द्वारा आदि गुरु दत्तात्रेय वेद पाठशाला, ग्राम देवरख पो. अरैल (निकट सोमेश्धर महादेव मन्दिर) नैनी, इलाहाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	1,98,000/-
277.	श्री प्रेमनारायण त्रिपाठी, द्वारा श्री ब्रह्मा वेद विद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,88,000/-
278.	श्री नारद भट्टराई, द्वारा श्री राम वेद विद्यालय, अयोध्या, फैजाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	2,40,000/-
<u>उत्तराखण्ड -</u>				**26,54,000/-**
279.	श्री शिवकुमार मालवीय, ओंकारानन्द गायत्री वेद विद्यालय,ओंकारानन्द गायत्री सदन, शेषधारा, पो. तपोवन, ऋषिकेश (टिहरी गढवाल)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 15 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4,98,000/-
280.	श्री दिलीपकुमार त्रिपाठी, श्री स्वामीनारायण वैदिक ऋषिकुल, शीशम झाडी,मुनि की रेती,निकट शासकीय स्कूल, ऋषिकेश, जि.टिहरी गढवाल	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 18 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	5,28,000/-
281.	श्री नारायणप्रसाद भट्टराई, श्री स्वामीनारायण वैदिक ऋषिकुल, शीशम झाडी, मुनि की रेती, निकट शासकीय स्कूल,ऋषिकेश,जि.टिहरी गढवाल	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 19 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	5,40,000/-

282.	श्री प्रदीप कुमार पाण्डेय, समन्वय वेद विद्यालय, भारत माता मन्दिर, सप्त सरोवर रोड, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,28,000/-
283.	श्री दिव्यांशु शुक्ल, समन्वय वेद विद्यालय, भारत माता मन्दिर, सप्त सरोवर रोड, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,40,000/-
284.	श्री हरेन्द्र कुमार उपाध्याय, द्वारा - श्री स्वामी वागीश्वरा नन्द वेद विद्यालय, भूपत वाल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 21 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	4,20,000/-
<u>पश्चिम बंगाल -</u>				**10,08,000/-**
285.	श्री चन्दन कुमार मिश्र, श्री गौरांग वेदविद्यालय, ग्राम बाऊली, पो. दक्षिण गोविन्दपुर, जिला दक्षिण 24 परगना 700145 कोलकाता	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,48,000/-
286.	श्री रामरूप मिश्र, श्री गौरांग वेदविद्यालय, ग्राम बाऊली, पो. दक्षिण गोविन्दपुर, जिला दक्षिण 24 परगना 700145 कोलकाता	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 09 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,24,000/-
287.	श्री स्वाधीन वस्तया, द्वारा - अमिता रंजन सांकरीवाला वेद विद्या मन्दिर, पो. फुलुई, जिला - हुगली 712122	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 09 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	3,36,000/-
			कुल राशि	**8,98,13,917/-**

अनुबन्ध - 5 (ब)

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

वर्ष 2014-2015 के दौरान पूर्वोत्तर राज्यों में वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना के अन्तर्गत विभिन्न यूनिटों को जारी अनुदान का विवरण

क्र.सं.	पाठशाला अथवा स्वाध्यायी अध्यापकों का नाम जिन्हें अनुदान दिया गया	वेद तथा शाखा	प्रयोजन	राशि
<u>असम -</u>				4050334/-
1.	श्री नेत्रप्रसाद पराजुलि द्वारा श्री लक्ष्मीनारायण वेदविद्यालय, ग्राम सुनाईपाम, पो. लोकरा, जिला सोणितपुर, (असम) 784102	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	256000/-
2.	श्री खगेन्द्र प्रसाद उपाध्याय द्वारा शिवालय मन्दिर, ग्राम बरजारनी, जिला सोणितपुर (असम) 784184	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	250000/-
3.	श्री प्रभात कुमार कर द्वारा आचार्य भृगुगिरि पूर्वोत्तरीय वेद विद्या प्रतिष्ठान पंचकन्या धाम गुवाहाटी 29 कामरूप (एम) (असम)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	396000/-
4.	श्री नरेश कुमार पाढ़ी, द्वारा श्री श्री रामानन्द देव गोस्वामी संस्कृत वेद पाठशाला, नऊसाली गृहाश्रमी सत्र, पोस्ट दक्षिणपाट सत्र जिला जोरहाट, माझुली (असम) 785102	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	396000/-
5.	श्री खेमराज कोईराला, द्वारा श्री श्री रामानन्द देव गोस्वामी संस्कृत वेद पाठशाला, नऊसाली गृहाश्रमी सत्र, पोस्ट दक्षिणपाट सत्र, जिला जोरहाट, माझुली (असम) 785102	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	384000/-

6.	श्री कृष्ण खनाल, द्वारा श्री श्री रामानन्द देव गोस्वामी संस्कृत वेद पाठशाला नऊसाली गृहाश्रमी सत्र, पोस्ट दक्षिणपाट सत्र जिला जोरहाट, माझुली (असम) 785102	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	384000/-
7.	श्री दिलीप खनाल द्वारा श्री मृत्युंजय वेद विद्यापीठ, वैदिक रिसर्च एण्ड ग्लोबल स्टडी सेन्टर, गौसाईगांव, पुरानी गौदाम जिला नौगाँव (असम) 782141	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	348000/-
8.	श्री भेषराज दुलाल, द्वारा मृत्युंजय वेद विद्यापीठ, वैदिक रिसर्च एण्ड ग्लोबल स्टडी सेन्टर, गौसाईगाँव, पो. पुरानी गौदाम जिला नौगाँव (असम) 782141	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	324000/-
9.	श्री कृष्ण पौडेल, द्वारा मृत्युंजय वेद विद्यापीठ वैदिक रिसर्च एण्ड ग्लोबल स्टडी सेन्टर गोसाईगाँउ, पो. पुरानी गोदाम जिला नोगाउँ (असम) 782141	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	414000/-
10.	श्री लक्ष्यधर शर्मा, पंचकन्या वेद विद्यापीठ पंचकन्या धाम वशिष्ठ गुवाहाटी 29 (असम)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	263667/-
11.	श्री यादव चिमरिया, द्वारा - शरतचन्द्र शर्मा वेदवती वेद विद्यापीठ, ग्राम लरमा, पो.आ. सानेकूछि, जिला नलबारी (असम) 781350	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	287667/-
12.	श्री रोहिणी शर्मा श्री श्री रामानन्द देव गोस्वामी संस्कृत वेद पाठशाला दक्षिण पाठ सताई नतुनस्त्र पो. सताइसेनिजान जिला जोरहाट (असम) 785102	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	64000/-
13.	श्री प्रणव रंजन पति श्री श्री रामानन्द देव गोस्वामी संस्कृअ वेद पाठशाला दक्षिण पाठ सताई नतुनस्त्र पो. सताइसेनिजान जिला जोरहाट (असम) 785102	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	60000/-

14.	श्री पुष्पराज घिमिरे, आचार्य भृगुगिरि वेद विद्या पीठ ग्राम पोस्ट दोंगीविल, विहपुरी याजिला लखीमपुर (असम)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 4 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	223000/-
मणिपुर -				**982000/-**
15.	श्री हेम अधिकारी, द्वारा मणिपुर वेद विद्यापीठ न्यास चारहजारे, मोटबुंग 795107 मणिपुर	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	252000/-
16.	श्री बलराम व्यास, द्वारा धर्मोदय वेद विज्ञान गुरुकुल सन्तोला बारी पो.आ. कालापहार जिला सेनापति मणिपुर 795122	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 14 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	408000/-
17.	श्री हेमलाल नेपाल द्वारा मणिपुर वेद विद्यापीठ न्यास चारहजारे, मोटबुंग 795107 मणिपुर	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	270000/-
18.	श्री रोशन पोखरेल ग्राम चार हजारे पो. मोदबुङ्ग जिला सेनापति, मणिपुर 795107	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	52000/-
सिक्किम -				**48000/-**
19.	श्री धर्मराज कुईकेल द्वारा कंचनेश्वर महादेव वेद पाठशाला, श्री कांचीकामकोटी सेवा समिति सरमसा नाण्डोक पाकयॉग रोड, रानीपूल पूर्व सिक्किम 737135	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	48000/-
			कुल राशि	**5080334/-**

Statement-1 (Pathashala Scheme) Actual 2014-15 and Budget Estimates During the year 2015-16

Rupees in Lakhs

	Year	No. of Pathshalas	No. of Teachers	No. of Students	Honorarium to teachers	Stipend to Students	Contingency Amount	Total Grant
B.E.	2012-13	80	500	3700	739.20	888.00	207.80	1835.00
Actual	2012-13	70	422	3550	844.48	1026.14	101.90	1972.52
B.E.	2013-14	77	566	4215	820.00	1030.00	100.00	1950.00
Actual	2013-14	70	435	3331	615.62	729.74	-----	1345.36
B.E.	2014-15	82	640	4264	879.30	915.36	115.82	1946.48
Actual	2014-15	67	407	3219	609.35	665.97	-----	1275.32
B.E.	2015-16	70	650	4500	904.80	1080.20	-----	1985.00

(A=1985.00)

Statement-2 (Gurushishya Parampara Scheme) Actual 2014-15 and Budget Estimates During the year 2015-16

	Year	No. of Units	No. of Teachers	No. of Students	Honorarium to teachers	Stipend to Students	Contingency Amount	Total Grant
B.E.	2012-13	300	300	2400	360.00	576.00	-----	936.00
Actual	2012-13	267	267	3156	1015.00	1015.00	-----	1015.00
B.E.	2013-14	250	250	3200	1100.00	1100.00	-----	1100.00
Actual	2013-14	294	294	2755	1317.47	------	-----	1347.47
B.E.	2014-15	351	351	3034	376.20	782.32	-----	1158.52
Actual	2014-15	282	282	3024	851.28	------	-----	-----
B.E.	2015-16	360	360	3500	915.00	------	-----	915.00

(B=915.00) **(A+B = 1985.00+915.00 = 2900.00)**

अनुबन्ध - 6

प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित पुस्तकें

1.	द वेद एण्ड इंडियन कल्चर (अंग्रेजी) लेखक : प्रो. किरीट जोशी	मूल्य 95/–
2.	इश्यूज इन वैदिक मेथेमेटिक्स (अंग्रेजी) लेखक : श्री एच.सी. खरे	मूल्य 95/–
3.	ज्योतिषां ज्योतिः (संस्कृत) लेखक : श्री जगन्नाथ वेदालंकार	मूल्य 250/–
4.	ज्योतिषां ज्योतिः (हिन्दी) लेखक : श्री जगन्नाथ वेदालंकार	मूल्य 250/–
5.	भोजदेवविरचितं सरस्वतीकण्ठाभरणवैदिकव्याकरणम् (मूल एवं गुजराती अनुवाद सहित) लेखक : डॉ. एन.एम. कन्सारा	मूल्य 400/–
6.	इश्यूज इन वैदिक एस्टानामी एण्ड एस्टालॉजी (अंग्रेजी) लेखक : डॉ. हरिभाई पण्ड्या, डॉ. सोमदत्त दीक्षित, डॉ. एन.एम. कन्सारा	मूल्य 120/–
7.	माध्यन्दिन क्रमपाठः (मूल) लेखक : श्री युधिष्ठिर मीमांसक	मूल्य 250/–
8.	द एनसिलरी लिटरेचर ऑफ द अथर्ववेद (अंग्रेजी) लेखक : श्री बी.आर. मोडक	मूल्य 300/–
9.	वेद का अर्थ (अंग्रेजी एवं हिन्दी) लेखक : डॉ. जगन्नाथ वेदालंकार	मूल्य 30/–
10.	वैदिक साहित्य (अंग्रेजी एवं हिन्दी) लेखक : प्रो. किरीट जोशी	मूल्य 30/–
11.	इश्यूज इन वेद एण्ड एस्टालॉजी (अंग्रेजी) लेखक : श्री हरिभाई पण्ड्या	मूल्य 150/–
12.	लेआउट फॉर डिफरेन्ट सक्रीफाईसेज (अंग्रेजी) लेखक : डॉ. आर.पी. कुलकर्णी	मूल्य 200/–
13.	वैदिक वाङ्मय में विज्ञान (हिन्दी) लेखक : डॉ. रामेश्वरदयाल गुप्त	मूल्य 200/–
14.	चार शुल्ब सूत्र (हिन्दी) लेखक : डॉ. आर.पी. कुलकर्णी	मूल्य 320/–
15.	द कान्सेप्ट ऑफ पुरुषार्थ (अंग्रेजी) लेखक : डॉ. एस.सी. चक्रवर्ती	मूल्य 185/–
16.	वैदिक शिक्षा पद्धति (हिन्दी) लेखक : डॉ. भास्कर मिश्र	मूल्य 270/–
17.	वैदिक सिम्बोलिज्म (अंग्रेजी) लेखक : प्रो. सत्यप्रकाश सिंह	मूल्य 795/–
18.	काण्व–शतपथम् (मूल संस्कृत) सम्पादक : डॉ. जी.डब्ल्यू. पिम्पलापुरे	मूल्य 750/–
19.	ग्लिम्पसेज ऑफ वैदिक लिटरेचर (अंग्रेजी) लेखक : प्रो. किरीट जोशी	मूल्य 160/–
20.	वराहमिहिर–विरचित–पंचसिद्धान्तिका (अंग्रेजी) लेखक : श्री के.वी. शर्मा	मूल्य 350/–

21.	वेदकालीन प्रोद्योगिकी (कुछ आयाम) सम्पादक : प्रो. ओम्प्रकाश पाण्डेय	मूल्य 110/–
22.	वैदिक इतिहास एवं पुरातत्त्व की अद्यतन प्रवृत्तियाँ सम्पादक : प्रो. ओम्प्रकाश पाण्डेय	मूल्य 135/–
23.	गौतम ऋषियों का वैदिक वाङ्मय में योगदान लेखक : डॉ. केशव प्रसाद मिश्र	मूल्य 120/–
24.	ऋग्वेदीय दर्शन एवं प्रमुख दार्शनिक सूक्त लेखक : डॉ. मुरलीमनोहर पाठक	मूल्य 220/–
25.	ब्राह्मण ग्रन्थों में आचार–दर्शन लेखक : डॉ. प्रज्ञा पाण्डेय	मूल्य 250/–
26.	वेद मीमांसा (भाग–1) (मूल बंगला का हिन्दी अनुवाद) श्री अनिर्वाण, हिन्दी अनुवादक : श्री छविनाथ मिश्र	मूल्य 220/–
27.	वेद मीमांसा (भाग–2) (मूल बंगला का हिन्दी अनुवाद) श्री अनिर्वाण, हिन्दी अनुवादक : श्री छविनाथ मिश्र	मूल्य 245/–
28.	वेद मीमांसा (भाग–3) (मूल बंगला का हिन्दी अनुवाद) श्री अनिर्वाण, हिन्दी अनुवादक : श्री छविनाथ मिश्र	मूल्य 360/–
29.	वैदिक खिलसूक्त मीमांसा लेखक : प्रो. ओम्प्रकाश पाण्डेय	मूल्य 225/–
30.	वैदिक अनुष्ठानों का मनोवैज्ञानिक अनुशीलन लेखक : डॉ. मानसी शुक्ला त्रिवेदी	मूल्य 140/–
31.	वैदिक वाङ्मय में महर्षि कात्यायन का योगदान लेखक : डॉ. अनूप मिश्र	मूल्य 175/–
32.	वैदिक यज्ञ संस्था और वेद विज्ञान सम्पादक : प्रो. ओम्प्रकाश पाण्डेय	मूल्य 500/–
33.	वैदिक शिक्षा के आदर्श एवं मूल्य सम्पादक : प्रो. ओम्प्रकाश पाण्डेय	मूल्य 165/–
34.	सामवेदीय साहित्य संस्कृति कला और धर्म दर्शन लेखक : प्रो. ओम्प्रकाश पाण्डेय	मूल्य 250/–
35.	अश्वमेध विवेकः लेखक : डॉ. दिवाकर महापत्र	मूल्य 150/–
36.	वेदाज द सोर्स ऑफ अल्टीमेट साइंस लेखक : डॉ. श्रीराम वर्मा	मूल्य 300/–
37.	वैष्णम आगम के वैदिक आधार लेखक : डॉ. चन्द्रा चतुर्वेदी	मूल्य 200/–
38.	अथर्ववेदीय परिशिष्ट ग्रन्थों का परिशीलन लेखक : डॉ. अंजुल दुबे	मूल्य 175/–
39.	नाट्यशास्त्र का वैदिक आधार लेखक : डॉ. निहारिका चतुर्वेदी	मूल्य 175/–
40.	श्री सायणाचार्य एवं पं. श्रीपाद दामोदरसातवलेकर कृत वेदभाष्यों का तुलनात्मक अनुशीलन लेखक : डॉ. मीनाक्षी श्रीवास्तव	मूल्य 290/–

41.	अथर्ववेदीय दर्शन लेखक : डॉ. सुमनलता रस्तोगी	मूल्य 450/–
42.	आर्य एवं आर्य संस्कृति लेखक : श्री सोती वीरेन्द्र चन्द्र	मूल्य 150/–
43.	अमूर्त वैदिक देवता लेखक : डॉ. लक्ष्मी मिश्रा	मूल्य 165/–
44.	सर्ववेद रुद्राध्याय संग्रहः प्रधान सम्पादक : प्रो. ओम्प्रकाश पाण्डेय सम्पादिका एवं व्याख्याकर्त्री : डॉ. प्रज्ञा पाण्डेय	मूल्य 230/–
45.	होलिस्टिक अप्रोच ऑफ द वेदाज लेखक : प्रो. दयानन्द भार्गव	मूल्य 320/–
46.	महामहोपाध्यायचिन्नस्वामिशास्त्रिणां जन्मशताब्द स्मारक ग्रन्थः सम्पादक : डॉ. मण्डन मिश्र	मूल्य 350/–
47.	अथर्ववेदीय व्रात्यसूक्त सम्पादक : प्रो. श्रीकिशोर मिश्र	मूल्य 100/–
48.	बाष्कलमन्त्रोपनिषद् सम्पादक : प्रो. श्रीकिशोर मिश्र	मूल्य 75/–
49.	मूल्याध्याय परिशिष्टम् सम्पादक : प्रो. श्रीकिशोर मिश्र	मूल्य 75/–
50.	शाङ्खायनशाखीयो रुद्रपाठ संग्रहः सम्पादक : प्रो. रूपकिशोर शास्त्री	मूल्य 50/–
51.	शाङ्खायनशाखीया ऋग्वेदसंहिता (1-4) सम्पादक :डा. अमलधारी सिंह	मूल्य 2000/–
52.	उणादिनिरुक्तिव्युत्पत्तिकोषः सम्पादक :प्रो. रूप किशोर शास्त्री	मूल्य 400/–
53.	ऋग्वेद के भाष्यकार और उनकी मन्त्रार्थदृष्टि सम्पादक :प्रो. ज्ञान प्रकाश शास्त्री	मूल्य 800/-
54.	यजुर्वेद-भाव-विषय-देवता-ऋषि-कोषः सम्पादक :प्रो. ज्ञान प्रकाश शास्त्री	मूल्य 1200/–
55.	Upanishadic Wisdom & Modern Science Author : Dr. S.R. Verma	Prize 400/-
56.	वेदभाष्यम् निरुक्ति-व्युत्पत्तीय-बृहत्कोषः सम्पादक :प्रो. रूप किशोर शास्त्री	प्रकाशनाधीन
57.	वेदविद्या (शोध-पत्रिका) सम्पादक :प्रो. रूप किशोर शास्त्री	मूल्य 200/-

अनुबन्ध - 7

वेदों के टेप-रिकार्डिंग का विवरण जो कि महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के पास उपलब्ध हैं

	क्र.सं.	टेपों का विवरण	टेपों की संख्या
1.		ऋग्वेद - (केरल पद्धति)	109
2.		सामवेद - (राणायनीयशाखा, गुर्जरगानम्) (आन्ध्र प्रदेश)	165
3.		सामवेद - (ताम्रपर्णीगानम्) (आन्ध्र प्रदेश)	141
4.		ऋग्वेद - (महाराष्ट्र पद्धति) (पूना)	83
5.		सामवेद - (कौथुम शाखा) (तमिलनाडु)	91
6.		तैत्तिरीय संहिता (केरल पद्धति)	80
7.		जैमिनीय सामवेद (मद्रपद्धति) (तमिलनाडु)	14
8.		ऋग्वेदीय आरण्यक (महाराष्ट्र पद्धति) (पूना)	5
9.		बिकृतिपाठ (आंशिक) (पूना)	1
10.		शाङ्खायन ब्राह्मण (वाराणसी से) (प्रथम अध्याय से 30 अध्याय तक)	10
11.		अथर्ववेद संहिता (हरसिद्ध भाई जोशी, गुजरात) (प्रथम काण्ड से 20 काण्ड तक)	15
12.		सामवेद संहिता (बङ्ग पद्धति) (कोलकाता)	30
13.		ऋग्वेद (आन्ध्र पद्धति)	75
14.		सामवेद - (कौथुम शाखा)	77
15.		अग्नि - सूक्त (ऋग्वेदीय)	12
16.		ऐतरेय ब्राह्मण - (ऋग्वेद) (पूना)	23
17.		सामवेद - जैमिनीयशाखा (मद्र पद्धति)	52
18.		सामवेद - राणायनीय शाखा (कर्नाटक पद्धति)	55
19.		सामवेद संहिता (बड़ौदा)	45
		योग	**108**

सी.डी. स्वरूप में -

क.	सी.डी. का नाम	समय (घंटा/मिनट/सेकंड)
1.	ऋग्वेद शांखायन ब्राह्मण (आडियो सी.डी.)	(12.4.02)
2.	सामवेद बंग पाठ (आडियो सी.डी.)	(33.00.03)
3.	सामवेद आरण्यक गान संहिता (आडियो सी.डी.)	(09.47.38)
4.	अथर्ववेद शौनक शाखा (आडियो सी.डी.)	(15.43.05)